प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

जो व्यक्ति क्रोध और कामनाओं को नियंत्रित कर लेता है, वही सच्चा योगी है।

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 18 | अंक 273 | दैनिक | रांची | शनिवार 17 मई 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 3.00

अब भारत में भी समुद्र का खारा पानी बनेगा मीठा

● डीआरडीओ ने ईजाद की नई तकनीक, पीएम ने इजराइल में देखा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2017, पीएम मोदी इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हाइफा में ओल्गा बीच पर टहल रहे थे। इस दौरान एक छोटे से वाहन ने पीएम मोदी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। जीप जैसा दिखने वाला यह छोटा वाहन दरअसल समुद्र के खारे पानी को मीठे पानी में बदलने वाली मोबाइल वैन थी। पीएम मोदी इस वाहन की तकनीक से बहुत प्रभावित हुए थे। उन्होंने इसको लेकर नेतन्याहू से लंबी चर्चा भी की थी। अब 8 साल बाद डीआरडीओ ने इजरायल वाले कारनामे को सच कर दिया है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने हाई प्रेशर वाले समुद्र के खारे जल को मीठा बनाने के लिए स्वदेशी स्तर पर बेहद सूक्ष्म छिद्रों वाली बहुपरतीय पॉलीमर झिल्ली विकसित करने में कामयाबी हासिल की है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह टेक्नोलॉजी डीआरडीओ की कानपुर स्थित लैब रक्षा सामग्री भंडार और अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई) ने

विकसित की है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस एडवांस टेक्निक को भारतीय तटरक्षक बल के जवानों के खारे पानी को मीठे में बदलने वाले प्लांट के लिए डेवलप किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इस टेक्नोलॉजी को जहाजों की ऑपरेशनल जरूरतों के मद्देनजर खारे पानी में क्लोराइड आयन के संपर्क में आने पर संतुलन संबंधी चुनौतियों से निपटने में उनकी मदद करने के लिए ईजाद किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि बेहद सूक्ष्म छिद्रों वाली बहुपरतीय पॉलीमर झिल्ली को आठ महीने के रिकॉर्ड समय में विकसित किया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि डीआरडीओ ने हाई प्रेशर वाले समुद्री जल के विलवणीकरण के लिए स्वदेशी स्तर पर बेहद सूक्ष्म छिद्रों वाली बहुपरतीय पॉलीमर झिल्ली विकसित करने में सफलता हासिल की है। बयान में कहा गया है कि शुरुआती परीक्षण में पॉलीमर झिल्ली का प्रदर्शन पूरी तरह से संतोषजनक पाया गया। यह सुरक्षा के पैमाने पर भी खरी साबित हुई। आईसीजी 500 घंटे के संचालन परीक्षण के बाद अंतिम संचालन मंजूरी देगा। मौजूदा समय में ओपीवी पर इस टेक्नोलॉजी का परीक्षण किया जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में डीएमएसआरडीई का एक और बड़ा कदम है।

दीघा मंदिर को लेकर मांझी सरकार नहीं दिखाएगी 'ममता'

● कानूनी कार्रवाई की शुरू की तैयारी,ओडिशा में जमकर विरोध

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा सरकार और पश्चिम बंगाल के बीच भगवान जगन्नाथ को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने गुरुवार को बताया कि दीघा में बने नए जगन्नाथ मंदिर को 'धाम' कहे जाने पर राज्य सरकार गंभीर आपत्ति जता चुकी है और अब कानूनी रास्ता अपनाने पर विचार किया जा रहा है। हरिचंदन ने कहा कि इस मुद्दे पर कानूनी विशेषज्ञों से

सलाह-मशविरा चल रहा है और जल्द ही कोई निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया, पश्चिम बंगाल सरकार को इस बारे में पत्र लिखा गया था, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं आया है। हम 'धाम' शब्द के इस्तेमाल पर कानूनी विकल्पों की जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 30 अप्रैल को दीघा में नए बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन करते हुए उसे 'जगन्नाथ धाम' कहा था। इसी शब्द ने ओडिशा में विवाद खड़ा कर दिया।

'गुजरात समाचार' पर ईडी का बड़ा ऐक्शन

● मालिक बाहुबली शाह हिरासत में, भड़के राहुल गांधी और केजरीवाल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में ईडी ने एक समाचार पत्र के मालिक को हिरासत में लिया है। पिछले दो दिनों से चल रहे लगातार तलाशी अभियान के बाद ईडी ने गुजरात समाचार के मालिक बाहुबली शाह को हिरासत में लिया है। इस मामले को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल ने गुजरात सरकार और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। दोनों नेताओं ने लोकतंत्र की आवाज दबाने आरोप लगाया है। बाहुबली शाह के बड़े भाई और गुजरात समाचार के मैनेजिंग एडीटर श्रेयांश शाह ने बताया कि इनकम टैक्स

विभाग के अधिकारियों ने दो दिनों तक उनके ठिकानों की तलाशी ली। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को ईडी के अधिकारी छोटे भाई बाहुबली के लिए गिरफ्तारी वारंट लेकर आए और उन्हें साथ ले गए। इस मामले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बयान भी सामने आया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपना बयान जारी करते हुए कहा कि गुजरात समाचार को खामोश करने की कोशिश सिर्फ एक अखबार की नहीं, पूरे लोकतंत्र की आवाज दबाने की एक और साजिश है।

● ऑपरेशन सिंदूर पर अब एमपी के डिप्टी-सीएम का विवादित बयान

बोले-सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक, कांग्रेस ने कहा- ये सेना के शौर्य का अपमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में मंत्री विजय शाह के बाद अब डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दिया है। देवड़ा ने शुक्रवार को जबलपुर में कहा, प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे...और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक है। वे यहां सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उनके बयान को कांग्रेस ने सेना के शौर्य का अपमान बताया। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस देवड़ा के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विवाद बढ़ने के बाद डिप्टी सीएम ने सफाई दी। कहा, मेरे बयान को गलत ढंग से पेश किया जा रहा है। इससे पहले मंत्री शाह ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान दिया था। एमपी हाईकोर्ट ने पुलिस को एफआईआर दर्ज का आदेश दिया। मंत्री इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। इस पर सुनवाई सोमवार को होगी। दरअसल, जबलपुर स्थित नेता जी सुभाष चंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में एक कार्यक्रम के दौरान जगदीश देवड़ा ने यह बात कही है। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। उन्होंने यह बयान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के संदर्भ में दिया।

ऑपरेशन सिंदूर का दुनिया भर में संदेश देगी सरकार

● सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को भेजेगी दूर दुनिया के देश

ओवैसी,थरूर और सलमान को भी भेज सकती है विदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत कूटनीतिक कदम आगे बढ़ा रहा है। मोदी सरकार अब ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचाना चाहती है। जिसके लिए केंद्र सरकार आने वाले दिनों में कई देशों में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि इसके लिए सरकार ने कई विपक्षी सांसदों से संपर्क किया है और उन्हें विश्व की राजधानियों में भेजी जाने वाली टीमों का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। सरकार विदेशों में विशेष दूत भेजने के बारे में सोच रही है, ताकि यह बताया जा सके कि भारत किस तरह एकजुट है और पहलगाम में आतंकवादी हमले को झेला है। सूत्रों के अनुसार, सरकार अलग-अलग समूह बनाने के बारे में सोच रही है, मुख्य रूप से संसदीय स्थायी समितियों से शुरुआत करके, जो प्रभावी रूप से यह दर्शा सकें कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों के हमले के बाद भारत एकजुट है। सूत्रों ने बताया कि वे सबसे पहले यूरोप और खाड़ी देशों का रुख करेंगे। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि प्रभावी ढंग से यह संदेश दिया जाए कि भारत पर पहले हमला हुआ था, और उसने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए। इसी प्रकार के अभ्यास 1994 में तथा पुनः 2008 में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी समूहों और नेटवर्कों द्वारा भारत पर किये गए हमलों के बाद किये गये थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई विपक्षी सांसदों को फोन करके राष्ट्रीय हित में प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। बताया जा रहा है कि सरकार जिन सांसदों के संपर्क में है, उनमें कांग्रेस के शशि थरूर और सलमान खुर्शीद, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले आदि शामिल हैं।

जेल में ही कटेंगे भगोड़े नीरव मोदी के दिन

यूके की कोर्ट ने 10वीं बार खारिज कर दी जमानत याचिका

लंदन (एजेंसी)। पीएनबी घोटाले के आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटेन के अदालत से तगड़ा झटका लगा है। अदालत ने नीरव मोदी की नई जमानत याचिका खारिज कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नीरव मोदी वहां की एक जेल में बंद

है और अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ 13,000 करोड़ रुपये के पीएनबी धोखाधड़ी मामले में भारत में वान्टेड है। उन्होंने बताया कि नीरव मोदी ने लंदन की अदालत में याचिका दायर कर अपने प्रत्यर्पण अनुरोध पर फैसला आने तक जमानत पर रिहाई की मांग की।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार शाम मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बीआईटी मेसरा के कुलपति डॉ. इंद्रनील मन्ना ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

यूनिवर्सिटी के पास दोबारा जंगल उगाएं या जेल जाएं

● हैदराबाद यूनिवर्सिटी में पेड़ों की कटाई पर 'सुप्रीम' चेतावनी

हैदराबाद (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास कान्चा गाचीबोवली जंगल में पेड़ों की अवैध कटाई पर कड़ा रुख अपनाया और कहा कि यह काम पहले से योजनाबद्ध लगता है। कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जंगल दोबारा उगाया नहीं किया गया तो तेलंगाना सरकार के अधिकारी जेल जा सकते हैं। मामले में सुनवाई के दौरान सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि पेड़ों की कटाई ऐसे समय पर की गई जब कोर्ट 3 दिन की छुट्टी पर था, ताकि कोई रोक न लग सके।

एंटी-इंडिया कैम्पेन चलाने वाले अमेरिका को बड़ा झटका देने तैयारी

● एफ-35 फाइटर जेट पर ट्रंप से नहीं होगी बात,एमआरएफए से भी पत्ता साफ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऐसा लग रहा था कि अमेरिकन मीडिया पाकिस्तान का मुखपत्र बन गया है। सीएनएन से लेकर न्यूयॉर्क टाइम्स समेत कई और टीवी चैनल्स और अखबार, पाकिस्तानी सेना का मुखपत्र बनकर भारत के खिलाफ कैम्पेन चला रहे थे। अमेरिकी मीडिया में एक के बाद एक पाकिस्तानी सेना के हवाले से खबरें लिखी जा रही थीं। भारत की बातों का कोई जिक्र नहीं था। हालांकि अब अमेरिकी मीडिया ने धीरे धीरे सच कबूलना जरूर शुरू कर दिया है, लेकिन इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर में जो नुकसान होना था, वो हो चुका है। अमेरिकी मीडिया के एंटी-इंडिया कैम्पेन से अब अमेरिका की डिफेंस कंपनियों जैसे बोइंग, लॉकहीड मार्टिन को अरबों डॉलर का तगड़ा नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से अमेरिकी मीडिया ने भारत के खिलाफ कैम्पेन चलाया और झूठी खबरों से भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाने का काम किया है, उससे भारत के रक्षा अधिकारी काफी गुस्से में हैं। अमेरिकी मीडिया के भारत के खिलाफ कैम्पेन ने भारत की आतंकवाद के

खिलाफ नैनेटिव को नुकसान पहुंचाया है और इसका निश्चित तौर पर अमेरिका के साथ आने वाले डिफेंस डील पर देखने को मिलेगा। भारत एक विशालकाय डिफेंस मार्केट है। भारत-अमेरिका के बीच कई डिफेंस प्रोजेक्ट मेज पर थे, जिसके जरिए भारत, अमेरिका से सबसे ज्यादा हथियार खरीदने वाला देश बन जाता है। भारत के रक्षा अधिकारियों में गुस्सा इस बात को लेकर है की सीएनएन, न्यूजवीक और रॉयटर्स जैसी न्यूज एजेंसियों ने बिना फैक्ट चेक किए, पाकिस्तान जो कह रहा था, उसे बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे थे। सीएनएन के संवाददाता इस्लामाबाद से अनाप-शनाप रिपोर्टिंग कर रहे थे। पाकिस्तानी अधिकारियों के हवाले से फर्जी खबरें चलाई जा रही थीं। जैसे ख्वाजा आसिफ के हवाले से अमेरिकी मीडिया दिखा रहा था कि भारत ने पाकिस्तान में नागरिकों पर हमले किए हैं। इसके अलावा भारत के फाइटर जेट्स को लेकर भी जमकर झूठी खबरें दिखाई गई हैं। अमेरिका मीडिया ने आतंकवाद को लेकर एक बार भी पाकिस्तान से सवाल नहीं पूछे, बल्कि पाकिस्तान के नेताओं के लिए कई मीडिया ऑउटलेट एक मंच बन गये थे और प्रवक्ता की तरह रिपोर्टिंग कर रहे थे।

● भुज एयरबेस पहुंचे राजनाथ,जवानों का बढ़ाया हौसला

रक्षामंत्री बोले-ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं,यह सिर्फ ट्रेलर

अहमदाबाद (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये तो बस ट्रेलर है, समय आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे। जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है, बिहेवियर में गड़बड़ी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा- ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया,

एक कहावत मशहूर है- दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया। इससे पहले गुरुवार को राजनाथ जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरबेस पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जवानों से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया था। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आपका अभिनंदन करने आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में आपने करिश्माई काम किया है। भारत का मस्तक आपने ऊंचा किया है। हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। आप सबके बीच आकर मुझे गौरव की अनुभूति हो रही है। भुज 65 और 71 की जंग में हमारी जीत का साक्षी रहा है और आज भी यह कामयाबी का साक्षी है।

पाक के खिलाफ लड़ाई में भारत को मिला अफगान का साथ

● ऑपरेशन सिंदूर का किया समर्थन,जयशंकर ने फोन कर कहा-धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को मुस्लिम देश और तालिबान शासित अफगानिस्तान का भी समर्थन मिला है। इसके बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से पहली बार बातचीत की है। तालिबान के अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली उच्च स्तरीय राजनीतिक बातचीत है। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई जवाबी कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव चरम पर हैं। इस हमले की अफगान सरकार ने कड़ी निंदा की थी, जिसे जयशंकर ने गहराई से सराहा है। जयशंकर ने बातचीत के बाद एक्स पर लिखा, अफगान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी के साथ अच्छी बातचीत हुई।

पहलगाम आतंकी हमले की उनकी स्पष्ट निंदा के लिए आभार। अफगान और भारत की जनता के पारंपरिक मैत्रीपूर्ण संबंधों को रेखांकित किया और उनके विकासा की आवश्यकताओं में भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की।

वक्फ कानून पर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने की अपील

सभी टूरिस्ट प्लेस पर अस्पताल, पुलिस चौकी होः अरशद खान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। केंद्र सरकार से अपील है कि जो वक्फ कानून 2025 बना है, वह हिंदुस्तान के संविधान के खिलाफ है।संविधान कहता है कि उस इबादतगाह की कमेटी में उसी के धर्म के मानने वाले लोग सदस्य होंगे। बौद्ध, जैन, ईसाई, सरना, हिंदू, सिख इन सबकी कमेटी में उसी मज़हब के लोग होंगे। फिर वक्फ़ कानून में ऐसा परिवर्तन क्यों ? उक्त बातें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक जौनपुर,(उत्तर प्रदेश) सह राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत किसान यूनियन मो.अरशद खान ने कही। वह शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में प्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हैं कि वक्फ कानून पर फिर से गौर करें और जो मुसलमानों की बड़ी तंजीम हैं उससे मशवरा करके संविधान के मुताबिक बनाएं। उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करते हैं। कश्मीर में पहलगाम सहित जहां-जहां टूरिस्ट प्लेस हैं, वहां अस्पताल, पुलिस चौकी, फौजी चौकी होना चाहिए। भारत सरकार ने जब पहलगाम अटैक का बदला लेने के लिए पाकिस्तान की नौ आतंकवाद के अड्डों पर हमला किया तो देश की 140 करोड़ जनता में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। इस मौके पर मौलाना मुशर्रफ जमाल कासमी, मौलाना महताब आलम सहित अन्य मौजूद थे।

राजभवन में सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को राज भवन में आयोजित सिक्किम राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में झारखंड में निवास कर रहे सिक्किमवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। ÷खुशियों की धरती÷ के रूप में विख्यात यह राज्य केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के अदम्य साहस, जीवंत संस्कृति और अनुकरणीय विकास का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि सिक्किम जैविक कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। यह भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया। इको-टूरिज्म, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की अवधारणाओं को व्यवहार में लाकर सिक्किम ने यह सिद्ध किया है कि आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन संभव है। राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देकर सिक्किम ने न केवल अपनी आर्थिकी को सशक्त किया है, बल्कि संपूर्ण भारत के लिए हरित पर्यटन का एक आदर्श प्रस्तुत किया है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि सिक्किम अपनी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कलाओं और लोक पर्वों को संरक्षण प्रदान करते हुए आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी सिक्किम का भ्रमण कर चुके हैं। इस अवसर पर स्वागत संबोधन करते राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि सिक्किम आज राज्य की स्थापना के 50वां वर्षगांठ मना रहा है। यह राज्य आकार में भले छोटा हो, लेकिन हैप्पीनेस में अग्रणी है। जैविक कृषि, नागरिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय सजगता में सिक्किम अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डेंगू जागरूकता अभियान आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मलेरिया सुपरवाइजर तरुण कुमार शर्मा के नेतृत्व में तथा चिकित्सा प्रभारी डॉ अविनाश कुमार की अध्यक्षता में भेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा ज्ञानोदय विकास विद्यालय एवं मॉडर्न पब्लिक स्कूल बड़कागांव में डेंगू जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। साथ ही साथ बंजारा प्रतियोगिता एवं रैली निकाल गया। इस अवसर पर मलेरिया सुपरवाइजर श्री शर्मा ने बताया कि डेंगू एक हेमोरेजिक फीवर है। डेंगू वायरस बीमारी है। इसका बचाव घर में या घर के आसपास जल जमाव, टायर कुलर के पानी को साफ कर सप्ताह में एक दिन ड्राई डे के रूप में मनाने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि डेंगू बीमारी का पता चलने पर तुरंत इसकी जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़का गांव को दें। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार, स्वास्थ्य कर्मी मनोज प्रभाकर, नितेश रंजन, कमलेश कुमार, नवीन कुमार, अशोक कुमार उपस्थित थे।

नवनिर्मित ईएसआईसी अस्पताल का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। एफजेसीसीआई के अध्यक्ष परेश गट्टानी के नेतृत्व में झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को नामकोम स्थित 220 बेड के नवनिर्मित ईएसआईसी अस्पताल का दौरा कर, अस्पताल में बीमितों के ईलाज की सुविधा, मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस अस्पताल की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। अस्पताल में अभी और भी काम जारी है। 220 बेड के नवनिर्मित अस्पताल के चालू होने से प्रदेश में बीमितों के लिए एक अतिरिक्त ईएसआइसी अस्पताल की सुविधा उपलब्ध होने पर प्रतिनिधिमंडल ने संतोष व्यक्त किया। इस क्रम में ईएसआइसी के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन के साथ वार्ता भी की गई।

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने अस्पताल से सटे हुए भूखंड पर 50 सीट वाले मेडिकल कॉलेज खोलने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि इस भूखंड का उपयोग मेडिकल कॉलेज खोलने में करना चाहिए। इससे बीमितों के ईलाज की सुविधा में बढोत्तरी के साथ ही, स्वास्थ्य क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शिक्षा में प्राथमिकता मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी होगा। अस्पताल निरीक्षण के क्रम में अस्पताल के समीप एक टीओपी स्थापित करने की भी आवश्यकता महसूस की गई। यह देखा गया कि अस्पताल से 7 कि.मी दूर पर थाना स्थित है, जिस कारण दुर्घटना के मामले में कानूनी प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब हो सकता है। यह कहा गया कि अस्पताल परिसर में ही एक छोटा कमरा बना हुआ है, जब तक टीओपी की स्थापना नहीं हो जाती तब तक अस्पताल परिसर के रूम में ही सक्षम पुलिस पदाधिकारी की पदस्थापना करने पर जिला प्रशासन को विचार करना चाहिए। महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि 220 बेड के अतिरिक्त अस्पताल के चालू होने से इएसआईसी लाभार्थियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकेगा। कार्यकारिणी सदस्य संजय अखौरी ने कहा कि यह उन्नत अस्पताल स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी देखभाल भी प्रदान कर रहा है जिससे रांची और पडोसी जिलों के निवासियों के लिए उन्नत स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। श्रम एवं ईएसआईसी उप समिति के चेयरमेन प्रमोद सारस्वत ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल की व्यवस्था संतोषप्रद है। अस्पताल में अत्याधुनिक फॉर्मेसी और डाग्नोस्टिक सुविधा भी उपलब्ध है। हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य के अन्य जिलों में भी ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना की दिशा में पहल की जायेगी। मौके पर ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन, अस्पताल निरीक्षक डॉ संजीत कुमार, अशोक सावंता, अभिषेक कुमार, चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्र, कार्यकारिणी सदस्य तथा इएसआईसी में रांची जिला के मनोनीत सदस्य संजय अखौरी, श्रम एवं ईएसआइसी उप समिति चेयरमेन प्रमोद सारस्वत के अलावा डॉक्टर्स उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

हाइपरटेंशन डे पर पारस हॉस्पिटल की सलाह

35 की उम्र के बाद ब्लड प्रेशर की जांच जरूरी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। हर साल 17 मई को ÷वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे÷ यानी विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों में हाइपरटेंशन के प्रति जागरूकता फैलाना और समय पर इसकी पहचान और नियंत्रण को बढ़ावा देना है। इस वर्ष 2025 में वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे का विषय ÷अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें, लंबे समय तक जिएं÷ है। वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे पर पारस हॉस्पिटल एचइसी ने आम लोगों को सलाह दी है कि जिन लोगों की उम्र 35 के ऊपर हो गया है, वो नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर की जांच कराएं। पारस हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ महेश कुशवाहा ने कहा कि नियमित एक्सरसाइज और खाने में कम नमक का इस्तेमाल करने से ब्लड प्रेशर की बीमारी से बचा जा सकता है। अगर ब्लड प्रेशर से संबंधित किसी भी तरह की परेशानी हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए।

वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे मनाने का उद्देश्य भी यही है कि लोग ब्लड प्रेशर की बीमारी के प्रति लोग जागरूक रहें। पारस हॉस्पिटल की इंटरनल मेडिसिन की सीनियर कंसल्टेंट डॉ माया ने कहा कि ब्लड प्रेशर एक आम बीमारी हो चुकी है। 33 प्रतिशत की जनसंख्या में लोग ब्लड प्रेशर से प्रभावित है। 35 उम्र के ऊपर वाले लोगों को साल में कम से कम हर 6 महीने पर अपना ब्लड प्रेशर जरूर जांच करना चाहिए। ब्लड प्रेशर की जांच नहीं होने से और अचानक बीपी बढ़ने से बहुत ही ज्यादा खतरनाक जानलेवा बीमारी हो जाती हैं, जिसमें की ब्रेन हेमरेज स्ट्रोक बहुत बड़ी संभावनाएं है। ब्लड प्रेशर से बचने के लिए फिजिकली एक्टिव होना होगा।

प्रतिदिन 30 मिनट एक्सरसाइज और योगा करें। अपने वजन को कम करें। हेल्दी डाइट को अपने खाने में शामिल करें। कम नमक वाले डाइट को नियमित रूप से ले। स्मोकिंग और अल्कोहल से दूरी बनाये रखें। साथ ही भरपूर नींद ले। हमेशा खुश रहने का प्रयास करें। एक अच्छा और हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाएं। जिनको ब्लड प्रेशर की बीमारी हो चुकी है, वो नियमित रूप से डॉक्टर से सलाह ले और उनके द्वारा दिये गये दवाइयों का सेवन जरूर करें। दवाई को छोड़े नहीं। पारस हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी कंसलटेंट डॉ कुंवर अभिषेक ने कहा कि हाइपरटेंशन को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। इसको नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ब्लड प्रेशर को बढ़ने का मुख्य कारण अधिक उम्र, आनुवांशिकी, अधिक वजन या मोटापा, शारीरिक रूप से सक्रिय न होना, अधिक नमक वाला भोजन, बहुत अधिक शराब पीना आदि शामिल है। इससे बचने के लिए जीवनशैली में बदलाव जैसे स्वस्थ आहार खाना, तंबाकू छोड़ना और अधिक सक्रिय होना ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है। कुछ लोगों को अभी भी दवाएं लेने की आवश्यकता हो सकती है। पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि बदलती जीवनशैली, तनाव, असंतुलित आहार और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण युवाओं में भी हाइपरटेंशन के मामले बढ़ रहे हैं।

पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में स्वच्छता पखवाड़ा शुरू

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। स्वच्छता पखवाड़ा 2025 की शुरुआत 16 मई 2025 को पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ हुई। यह पखवाड़ा 16 मई से 31 मई 2025 तक मनाया जाएगा और इसका औपचारिक उद्घाटन सिकरी साइट कार्यालय के प्रशासनिक भवन में किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दास और महाप्रबंधक (इन्फ्रा) श्री एस. के. दुबे द्वारा उपस्थित सभी कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस आयोजन में कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और जीवन के हर क्षेत्र में स्वच्छता और साफ-सफाई के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराया।

पूरे पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें सफाई अभियान, जागरूकता कार्यक्रम, कर्मचारियों व समुदाय की सहभागिता वाली पहलें और सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट पर कार्यशालाएं शामिल हैं। स्वच्छता पखवाड़ा, भारत सरकार की स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और संस्थाओं में स्वच्छता को मुख्यधारा में लाना है। यह अभियान दो सप्ताह का विशेष समय स्वच्छता, जागरूकता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित करता है।

इस दौरान, भागीदार संस्थाएं न केवल अपने कार्यस्थलों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई करती हैं, बल्कि कर्मचारियों और समुदाय के बीच स्वामित्व और नागरिक जिम्मेदारी की भावना भी उत्पन्न करती हैं। यह पहल एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत की राष्ट्रीय कल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एनएमएल पकरी बरवाडीह जिम्मेदार खनन को सतत विकास के साथ जोड़ते हुए कार्य कर रहा है, और स्वच्छता पखवाड़ा जैसी पहलें कार्यस्थल और जीवन–दोनों में–स्वच्छता के महत्व की याद दिलाती हैं। उक्त आशय कि जानकारी एनटीपीसी के पीआरओ दिलीप ठाकुर ने दी।

उपायुक्त ने की राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

हज़ारीबाग़। उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में उपायुक्त ने जिले में क्रियान्वित राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित मामलों की प्रगति व कार्यों में आ रही अड़चनों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सर्वप्रथम राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित मामलों के निष्पादन में तत्परता से काम करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने बरही से कोडरमा तक बन रही नेशनल हाईवे में आ रही समस्या को बरही एसडीओ और बरही सीओ से समन्वय बनाते हुए मामले का निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि भारत माला प्रोजेक्ट के तहत लैंड का नेचर आइडेंटीफिकेशन कर ली गई है। बैठक में एनएच के प्रतिनिधि ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के ज्यादातर मुआवजा संबंधी मामलों को निष्पादित कर दिया गया है तथा शेष मामलो पर प्रभावितों के साथ बात कर आ रही अड़चनों को दूर कर मामले के निष्पादन करने की बात कही। उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रतिनिधियों को संबंधित अंचल के सीओ से समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त नैन्सी सहाय के अलावे अपर समाहर्ता संतोष सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, बरही अनुमंडल पदाधिकारी, सदर डीसीएलआर, डीएलएओ, संबंधित अंचलाधिकारी, विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि व अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

केजीबीवी में चार दिवसीय फिजिकल लिटरेसी समर कैंप आयोजित

जेईपीसी और पिरामल फाउंडेशन बच्चों के समग्र विकास में मदद करेगाः रोशनी बाड़ा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बरही। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद और पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से केजीबीवी बरसोत, बरही में 13 से 16 मई तक एक चार दिवसीय फिजिकल लिटरेसी समर कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप बच्चों में 21वीं सदी के कौशलों जैसे रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, संवाद क्षमता, सहयोग, आत्म-अभिव्यक्ति और शारीरिक सशक्तता के विकास के उद्देश्य से आयोजित किया गया। हर बच्चे के लिए हर दिन सीखने का नया अनुभव प्राप्त हुआ। इस शिविर की विशेष बात यह थी कि इसमें सभी कक्षाओं और उम्र के बच्चों को शामिल किया गया, ताकि समावेशी शिक्षा को बढ़ावा मिल सके। प्रत्येक दिन को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि बच्चे खेल,कला और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीख सकें। पहला दिन कैंप की शुरुआत जुम्बा, नृत्य और मास ड्रिल जैसी गतिविधियों से हुई। जिससे बच्चों में ऊर्जा और टीम भावना का संचार हुआ। 'माय खेल पासपोर्ट' की शुरुआत की गई, जिसमें बच्चे रोज़ाना अपनी गतिविधियों को दर्ज कर रहे थे। देशी खेलों के माध्यम से बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ा गया। दूसरे दिन नवाचार और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण था। बच्चों ने प्लास्टिक और बेकार सामग्री से खेल का सामान बनाया और अपनी टीम के साथ मिलकर नए खेलों की रचना की। इस दिन ने उनमें नवाचार, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और उद्यमशीलता की सोच को जन्म दिया। तीसरा दिन कला, सपने और संवेदना से जुड़ी बच्चों ने खेल कलाकृतियाँ बनाई, समूह में नए नृत्य की रचना की और अपनी पहचान को चित्रों के माध्यम से व्यक्त किया। सम्पूर्ण गतिविधि के ज़रिए उन्होंने अपने मन, शरीर और भावना को जोड़ने का अभ्यास किया। यह दिन भी सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा और सौंदर्यबोधिक साक्षरता का सुंदर समन्वय था। चौथा दिन भव्य समापन खेल मेला से किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी बनाई गई सामग्री, चित्र और अनुभव साझा किए। बच्चों को उनके द्वारा डिज़ाइन किए गए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे उनमें आत्म-गौरव और स्वामित्व की भावना जागृत हुई। विद्यालय की वार्डेन रोशनी बाड़ा ने कहा,÷यह पहली बार है जब छात्राएँ इतनी प्रसन्न और उत्साहित हैं। यह समय की आवश्यकता है। मैं जेईपीसी और पिरामल फाउंडेशन को इस बेहतरीन प्रयास के लिए धन्यवाद देती हूँ। यह बच्चों के समग्र विकास में मदद करेगा। समापन समारोह में पिरामल फाउंडेशन की ओर से डॉ. हस्सान अहमद नूरी, बीडीओ जयपाल महतो, बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी जी तथा गांधी फेलो सुनील कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों के कार्यों की सराहना की।

बिरहोर परिवारों के हर सुख सुविधा का ख्याल रखे एनटीपीसीः उपायुक्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

हज़ारीबाग़।ऽउपायुक्त नैंसी सहाय ने अपने कार्यालय कक्ष में एनटीपीसी के साथ समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने एनटीपीसी के अंतर्गत संचालित चट्टीबरियातू कोल माइनिंग परियोजना, केरेडारी कोल माइनिंग परियोजना, बादम कोल माइनिंग परियोजना और पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग परियोजना के प्रतिनिधियों से ट्रांसपोर्टिंग सड़क, स्कूल टैगिंग, ट्रांसपोर्टिंग,ओबी डंप, पेमेंट, जीएम लैंड का सत्यापन, मकानों का सत्यापन आदि से संबंधित कार्य, स्टैटमेंट 6, बिरहोर परिवारों से संबंधित मामलें आदि की जानकारी ली। उपायुक्त ने बादम प्रोजेक्ट से संबंधित अंचल में पेंडिग मामलों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश संबंधित सीओ को दिया। केरेडारी कोल माइंस के पदाधिकारी से भूमि हस्तांतरण, म्यूटेशन, स्टेटमेंट 6, शिफ्टिंग ऑफ हाउस की जानकारी ली और अवैध रूप से बना रहे मकानों को ध्वस्त करने से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया। पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट के अधिकारी ने उपायुक्त को स्टेटमेंट 6 की पेंडिग, जीएम और जेजे लैंड से संबंधित परेशानी, आर एन्ड आर कॉलोनी आदि मामलों से अवगत कराया,जिस पर उपायुक्त ने संबंधित सीओ से समन्वय बनाकर पेंडिंग आदि मामलों को दूर करने की बात कही।बैठक में उपायुक्त ने एनटीपीसी के अधिकारियों को बिरहोर परिवारों के हर सुख सुविधा का ख्याल रखने को लेकर निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि बिरहोर परिवारों को एक अच्छा वातावरण बनाकर दें। उनके लिए बिजली, पानी, शिक्षा व अन्य जरूरत की चीजें उपलब्ध कराई जाए। उनके बच्चों के लिए खूबसूरत गार्डन डेवलप किया जाए जिसमें बच्चों का मनोरंजन हो सके। सारी सुविधाएं उन्हें लगातार मुहैया कराई जाए जिससे उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत महसूस न हो। बिरहोर परिवारों के बीच समय समय पर चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया जाय। उन्हें मुफ्त मेडिकल, बिजली, पानी, शिक्षा आदि की सुविधा दी जाय।बैठक में उपायुक्त नैंसी सहाय के अलावे अपर समाहर्ता संतोष सिंह, भू अर्जन पदाधिकारी, सदर डीसीएलआर, सबंधित सीओ सहित एनटीपीसी के कई प्रतिनिधि व अन्य कर्मी उपस्थित थे।

राज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बिहार आई बैंक ट्रस्ट की बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में शुक्रवार को बिहार आई बैंक ट्रस्ट की राज भवन में बैठक आहूत हुई। बैठक में ट्रस्ट की वर्तमान गतिविधियों, भावी योजनाओं और संगठनात्मक स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्यपाल ने उक्त अवसर पर कहा कि झारखंड राज्य के गठन को दो दशक से अधिक समय बीत चुका है, इसके बावजूद ट्रस्ट का नाम अब भी बिहार आई बैंक ट्रस्ट ही है। उन्होंने इसके नाम में शीघ्र परिवर्तन हेतु निर्देशित किया। राज्यपाल ने सभी ट्रस्टी से कहा कि यह ट्रस्ट लोगों को बेहतर नेत्र उपचार की सुविधा उपलब्ध कराकर समाज में एक विशिष्ट पहचान स्थापित करे।

वशिष्ठ नगर जोरी थाना पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
हंटरगंज(चतरा)। अलग-अलग मामलों के दो आरोपितों को वशिष्ठ नगर जोरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को चतरा जेल भेज दिया। पहला मामला सलैया पंचायत के पहाड़पुरा गांव का है। बीते 15 अप्रैल को तथाकथिक झोला छाप डॉक्टर के गलत इंजेक्शन से सुरेंद्र यादव नामक व्यक्ति पोस्तिया निवासी की मौत हुई थीं जिसमे आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक के शव चतरा डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर रख तथाकथित छोलाछाप डॉक्टर पर करवाई के मामले में मृतक के पत्नी सरिता देवी ने वशिष्ठ नगर जोरी थाना में तथाकथित छोलाछाप डॉक्टर लालू यादव उर्फ लालदेव के विरूद्ध कांड संख्या 20/25 में मामला दर्ज कराया गया था। दूसरा मामला जोलडीहा गांव का है। बीते एक वर्ष पूर्व धर्म सिंह के पुत्र छेदी सिंह पर थाना में एनडीपीएस एक्ट कांड संख्या 105/24 था। वहीं उक्त दोनों आरोपित फरार चल रहे थे। पुलिस ने बीती रात दोनों आरोपितों के घर में छापेमारी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

राज्य स्तरीय शिक्षा विभाग की टीम ने चार स्कूलों का किया निरीक्षण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
हंटरगंज(चतरा)। राज्य शिक्षा विभाग की टीम लगातार स्कूलों के औचक निरीक्षण में जुटी हुई है। इसी कड़ी में शुक्रवार को शिक्षा विभाग की टीम ने हंटरगंज प्रखण्ड के रामनारायण +2 उच्च विद्यालय हंटरगंज, उत्क्रमित मध्य विद्यालय हंटरगंज, उच्च विद्यालय भोजपुर, मध्य विद्यालय सोहाद का निरीक्षण किया। विद्यालय जांच के क्रम में टीम ने एक - एक विद्यालय पहुंचकर शिक्षा विभाग की ओर से निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र - छात्राओं की उपस्थिति, पोशाक,मध्याह्न भोजन, विद्यालय परिसर की साफ - सफाई, विद्यालय के वर्ग कक्ष का संचालन, अध्ययनरत छात्र - छात्राओं को बांटी गई स्पोर्ट्स सामग्री सहित अन्य जरूरी कागजातों की जांच की गई।इस दौरान विभाग की टीम को स्कूल की व्यवस्था बेहतर पाई गई। विभाग के टीम के द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय हंटरगंज में एक छात्र से हिंदी विषय के सरल सवाल पूछे जाने पर छात्र ने संतोष जनक उत्तर नहीं दिया इसके बाद विभाग की टीम विशेषज्ञ प्रमोद सिन्हा भड़क गए। उन्होंने वर्ग शिक्षक को फटकार लगाते हुए कहा कि एक बार मौका दिया जाता है इसके बाद भी सुधार नहीं हुआ तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान वहां लगे स्मार्ट बोर्ड अच्छी स्थिति में पाए गए। कक्षा में मौजूद बच्चों ने टीम के सामने उन्हें पढ़ाए जाने वाले विभिन्न विषयों की जानकारी भी दी।शिक्षा विभाग की टीम विशेषज्ञ ने बच्चों को अंग्रेजी में वर्डमिनिंग याद करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि 12 वीं के बाद बच्चों को अंग्रेजी भाषा कुशल बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि आपसभी अंग्रेजी अवश्य पढ़े। मौके पर एडीपीओ मनोज अंबास्टा, बीपीओ संदीप कुमार, संकुल संसाधन केंद्र समन्वयक नंदू कुमार मिश्रा, आदि कई शिक्षक मौजूद थे।

नगरपरिषद क्षेत्र में बरसात से पूर्व युद्धस्तर पर कराया जा रहा है नाले की सफाई

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। बरसात आने के पहले ही नगर परिषद ने शहरी क्षेत्र के सभी महानाला की साफ-सफाई कराने में जुट गयी है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नाला का सफाई के साथ ही कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त नालों की मरम्मत भी करायी जा रही है। जिससे बरसात के दिनों में शहर के लोगों को जल जमाव की समस्या नहीं झेलनी पड़े। साफ-सफाई मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत श्रमिकों से प्रतिदिन साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। प्रशासक, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि बरसात के दिनों में शहर में जलजमाव की समस्या को देखते हुए युद्ध स्तर पर नालों की साफ सफाई का कार्य कराया जा रहा है।शहर को जलजमाव से मुक्त रखने के लिए नाला सफाई का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील किया कि नाली में पॉलीथिन, कूड़ा करकट सहित अन्य गंदगी को नहीं फेंके, अगर नाली जाम हो तो नगर परिषद को सूचना दें।

फुटपाथ दुकानदारों के पक्ष में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने सीएम को लिखा पत्र

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता
रांची। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि मोरहाबादी मैदान में सब्जी और फल बेचने वाले फुटपाथ दुकानदारों पर अमानवीय कार्रवाई की गई है। दुकानदारों पर की गई कारवाई मानवता को शर्मसार करने वाली है। उन्होंने कहा कि दुकानदारों के लिए स्थाई व्यवस्था किया जाए, ताकि रोजगार का संकट नहीं हो। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर कहा मोराबादी में सब्जी और फल बेचने वाले फुटपाथ दुकानदारों पर हुई अमानवीय कार्रवाई की कड़ी शब्दों में निंदा करते हुए कहा काफी लंबे समय से यहां फुटपाथ पर सब्जी और फल की दुकान लगाई जा रही है। परंतु दो दिन पूर्व इन दुकानदारों पर की गई कार्रवाई मानवता को शर्मसार करने वाली है। वहां से सैकड़ों परिवारों का लालन-पालन होता है। लोग फल-सब्जी बेचकर अपना घर चलाते हैं। उन्हें स्थायित्व प्रदान करने के बजाय यह कार्रवाई बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुकानदारों में ज्यादातर संख्या ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े लोगों की रहती है। कई ग्रामीण किसान खुद की उपजाई सब्जी, फल और फसल बेचने के लिए यहां आते हैं। उनके आर्थिक स्वावलंबन की पूरी निर्भरता इसी फुटपाथ की दुकानदारी से होती है। दो दिन पूर्व नगर निगम और पुलिस के द्वारा इन्हें हटाने के नाम पर इनके साथ बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की गई है। इनके फल सब्जी को उठाकर फेंक दिया गया।

दनुवा घाटी में कंटेनर और ट्रेलर की टक्कर में दो की हुई दर्दनाक मौत

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
चौपारण (हजारीबाग)। झारखंड-बिहार सीमा से सटे चौपारण की कुख्यात दनुआ घाटी एक बार फिर भीषण सड़क दुर्घटना का गवाह बनी है। शुक्रवार की अहले सुबह घाटी में हुए एक दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना इतनी भयावह थी कि मृतकों के शव घंटों तक वाहन के मलबे में फंसे रहे। हादसा कंटेनर (संख्या आरजे 10 जी बी 1310) और एक ट्रेलर (संख्या आर जे 40 जी ए 2246) के बीच हुई जोरदार टक्कर से हुआ। दोनों वाहन झारखंड से बिहार की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर में लोहे की भारी रिंगें लदी हुई थीं और वह आगे चल रही थी, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने अनियंत्रित होकर ट्रेलर में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर के चालक और उपचालक केबिन में ही दबकर बुरी तरह घायल हो गए और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई।इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान उत्तर प्रदेश के रहने वाले कैलाश सिंह (पिता - मलखान सिंह) और दिनेश कुमार (पिता - डूंगर सिंह) के

रूप में हुई है। दोनों ही कंटेनर में सवार थे। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन शवों को निकालने में भारी मशक्कत करनी पड़ी।घटनास्थल पर जमा स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि दनुआ घाटी में लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं, लेकिन न तो गति नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और न ही घाटी में सड़क सुरक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि घाटी में न तो ट्रैफिक सिग्नल है और न ही किसी प्रकार की मॉनिटरिंग। ओवरलोडेड और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही पर भी कोई नियंत्रण नहीं है।बीते कुछ वर्षों में दनुआ घाटी में सड़क हादसों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

खराब सड़कें, तीव्र मोड़, तेज ढलान और वाहनों की अनियंत्रित गति इस क्षेत्र को अत्यंत खतरनाक बना रही है। हर कुछ महीने में यहां कोई न कोई बड़ा हादसा सामने आता है, जिससे कई घरों के चिराग बुझ जाते हैं। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में कंटेनर चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और संबंधित परिवहन कंपनियों को सूचना दी गई है।स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि दनुआ घाटी में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, वाहनों की गति सीमा तय की जाए और नियमित निगरानी की व्यवस्था हो। साथ ही, सड़क सुधार कार्यों को भी प्राथमिकता दी जाए ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

कलश यात्रा के साथ आरंभ हुआ दनुआ में हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा व रुद्र महायज्ञ

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
चौपारण(हजारीबाग)। प्रखंड के चोरदाहा पंचायत के ग्राम दनुआ स्थित शिव मंदिर में शुक्रवार से भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्री श्री 108 हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ की शुरुआत हुई।कलशयात्रा में बरही विधायक मनोज कुमार यादव सहित अन्य शामिल हुए। मुख्यपुजारी व अन्य श्रद्धालुओं को कलश देकर यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा में 1001 श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर से गाजे बाजे के साथ श्रद्धालु कलश उठाकर भलुआ बाराचट्टी के महने नदी पहुंचे, मुख्य यज्ञाचार्य द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरा। उसके बाद श्रद्धालु नगर भ्रमण करते हुए दनुआ शिव मंदिर पहुंचकर कलश को स्थापित किया द्ध विधायक ने कहा कि यज्ञ करने से गांव में सुख शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। इससे पूर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी, ने अतिथियों अंगवस्त्र से स्वागत किया।यज्ञाचार्य ओम प्रकाश पांडे नेतृत्व में पंडित नरेश पांडे, चंदशेखर पांडे, महायज्ञ में यजमान के रूप में मदन प्रसाद केशरी, सुरेश प्रसाद केशरी, विजय विश्वकर्मा, महेश विश्वकर्मा,दिलीप केशरी,बाढ़ो साव, महेन्द्र प्रसाद केशरी, कल्लू ठाकुर आयोजन की समस्त जानकारी मंदिर समिति के सदस्य सुरेंद्र प्रसाद केशरी ने दी द्ध 17 मई से राम कथा का आयोजन किया जाएगाद्ध यह यज्ञ 24 मई तक चलेगा।

कलश यात्रा में मुख्यरुप से जिला परिषद सदस्य राकेश रंजन, स्थानीय पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष सुखेदव पासवान,

मुखिया कासिया देवी, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार यादव ,भलुआ पंचायत मुखिया प्रतिनिधि जगदीश यादव, भाजपा नेता विकास यादव, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, पूर्व जिला परिषद सदस्य रामस्वरूप पासवान, अशोक केसरी, अशोक पासवान,बैजनाथ गंजू,उत्तम गंजू विजय पासवान,जितेंद्र ठठेरा पंकज ठठेरा, तेजू पासवान, कपूर पासवान, रामवृक्ष यादव,दूधेश्वर यादव,सतेन्द्र केशरी, कृष्ण केशरी, ब्रजमोहन केशरी, विजय साव, प्रकाश केशरी, ब्रजेश गुप्ता, प्रेंस केशरी, पिंटू विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा शामिल थे।

पानी की टंकी में छुपा मिला नक्सलियों के हथियारों का जखीरा

गिरिडीह पुलिस को जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र पारसनाथ के घने जंगलों से नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखे गए हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस को नक्सल विरोधी ऑपरेशन में शुक्रवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले में नक्सल प्रभावित इलाके पारसनाथ क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखे गए हथियारों का बड़ा जखीरा

बरामद किया गया। एसपी गिरिडीह डॉ विमल कुमार एवं सुनील दत्त त्रिपाठी (कमांडेट 154 बटालियन सीआरपीएफ) के दिशानिर्देश में दलजीत सिंह भाटी द्वितीय कमान अधिकारी,सुरजीत कुमार एएसपी अभियान गिरिडीह सीएस तोम्बा सिंह सहायक कमांडेट निरी/जीडी ओम प्रकाश वर्मा एवं निरंजन कच्छप थाना प्रभारी खुखरा के कमाण्ड में नक्सलियों के द्वारा छिपायें गये स्थान का सत्यापन एवं सर्च अभियान चलाया गया। इस अभियान में नक्सलियों द्वारा पारसनाथ पहाडी के खुखरा थाना क्षेत्र में चतरो कनाडीह गांव के ऊपर जोकाई नाला के नजदीक घने जंगलों एवं गार्टी के घने जंगल से भारी मात्रा में नक्सालियों द्वारा गुप्त रूप से पानी रखने की सिंटेक्स टंकी को जमीन के नीचे गाड़कर इसके अन्दर छुपाकर रखे गए हथियार गोला बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया। बरामद सामग्रियों में 303 बोल्ट एक्शन सिंगल शॉट राइफल (कंट्री मेड) 8 पीस,12 बोर डबल बैरल (फैक्ट्री मोड) 01 पीस,315 बोर सिंगल शॉट राइफल (कंट्री मोड) 04 पीस,7.62 एसएलआर राइफल विथ मग 1 पीस, वायर कटर (बिग साइज) 02 पीस,मैगज़ीन पाउच 03 पीस,पिस्तौल पाउच 01 पीस,इलेक्ट्रिक डेटोनेटर नंबर 33 कनेक्टिंग विथ वायर 8 पीस,303 राउंड 8 पीस, चार्जर क्लिप 06 पीस,राइफल गेज 01 पास कॉर्टेक्स वायर 14 बंडल,एक्सप्लोसिव 02 बग,7.62 राउंड 38 पीस,9 एमएम एमन 10 पीस,फिलर 03 पीस, केएफ 8 एमएम 09 पीस,निट्रोबेंजीन 2.5 लीटर,देशी कट्टा 2 पीस,सेमी ऑटोमैटिक देशी 01 पीस, एसटीसी - 700 आर/सेट 01 पीस शामिल हैं।

श्रम, नियोजन,प्रशिक्षण व कौशल विकास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-28 प्रथम भर्ती कैम्प का आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
गिरिडीह। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के तत्वाधान में जिला नियोजनालय, गिरिडीह के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-28 प्रथम %भर्ती कैम्प÷ का आयोजन जिला नियोजनालय, गिरिडीह के परिसर में किया गया। जिला नियोजन पदाधिकारी, गिरिडीह मो इमरान फारूकी के द्वारा स्वागत भाषण के साथ भर्ती कैम्प का आगाज किया गया। भर्ती कैम्प में शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। भर्ती कैम्प में कुल-04 प्रतिष्ठान/संस्थानों ने भाग लिया। जिसमें जी एस फाउंडेशन, (गिरिडीह) के द्वारा मदर सन ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी प्रा लि. अहमदाबाद हेतु कुल 15 अभ्यार्थियों को अंतिम रूप से चयनित करते हुए ऑफर लेटर प्रदान किया गया एवं अन्य 03 नियोजकों द्वारा कुल 28 अभ्यार्थियों को Shortlisted किया गया है। जिन्हे लिखित परीक्षा/साक्षात्तकार के पश्चात अंतिम रूप से चयन कर ऑफर लेटर प्रदान किया जायेगा। जिसका विवरण इस प्रकार हैः-बालमुकुंद स्पॉन्ज एंड आयरन प्राइवेट लिमिटेड से 08, चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्र लि, (गिरिडीह से 05,

कल्याण ज्वेलर्स इंडिया लि (गिरिडीह) से 15 तथा कुल 28 अभ्यार्थियों का चयन किया गया।

मो इमरान फारूकी, जिला नियोजन पदाधिकारी, गिरिडीह के मार्गदर्शन में भर्ती केम्प-2025÷ का सफल आयोजन किया गया। आयोजित भर्ती कैम्प 2025 के स्थानीय युचक / पुतियों के द्वारा विशेष रूची दिखाई गई। मो इमरान फारूकी, जिला नियोजन पदाधिकारी, गिरिडीह ने बताया कि बेरोजगारों के हित में भविष्य में भी भर्ती कैम्प का आयोजन किया जायेगा। आयोजित ÷भर्ती हरय÷ में जिला नियोजनालय, गिरिडीह कार्यालय के कुमार अनिरूद्ध सिंह, उव लिपिक, धर्मेन्द्र कुमार यंग प्रोफेशनल, दीपक कुमार पाण्डेय, परियोजना सहायक, यू एन डी पी, श्री सुमित कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर, प्रमोद बेदिया, अनुसेवक, मनोहर मुर्मू, सुनु राम हॉसदा, रंजीत दास समेत अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

पांच वर्ष से एक ही जिले में जमे अधिकारियों को स्थानांतरित करने के लिए राज्य सरकार ने कसी कमर

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
चतरा। राज्य सरकार पिछले पांच साल से एक हीं जिले में जमे अधिकारियों के बड़े पैमाने पर स्थानांतरण की योजना बना रही है। सरकार के अवर सचिव ने 30 अप्रैल 2025 को सभी जिलों के सिविल सर्जन को पत्र के माध्यम से वैसे लोगों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। वहीं दूसरी ओर, राजस्व विभाग की लापरवाही के कारण चतरा जिला के टंडवा अंचल कार्यालय में सीओ का चौथी बार पदस्थापना किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। उक्त निर्देशों के आलोक में होने वाली कार्रवाई से साहब वर्षों जिले में जमे होने के बावजूद भी इसलिए बच सकते हैं कि महज सात दिनों के लिए उनका अन्यत्र ट्रांसफर कर खानापूर्ति चौथे पदस्थापना के दौरान उनकी हो चुकी है। हजारीबाग का सीमावर्ती क्षेत्र होने का भरपूर फायदा सीओ समेत उनके परिजनों व रिश्तेदारों द्वारा भरपूर तौर पर उठाये जाने की चर्चा इन दिनों जोरों पर

है। बहरहाल, राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों के तहत चिन्हित कर स्थानांतरण किये जाने की चर्चा से आम लोगों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा व धांधली करने वाले सिंडिकेटों के मंसूबों में काफी हद तक विराम लगने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

गाड़ीलौंग में भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय महायज्ञ का हुआ आगाज

इक्कीस सौ महिला पुरुषों ने कलश लेकर पहुंचे चुंद्रु संगम नदी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि
चतरा। टंडवा प्रखंड के गाड़ीलौंग में नवनिर्मित शिव मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ को लेकर शुक्रवार को कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में इक्कीस सौ से अधिक की संख्या में महिला पुरुषों ने माथे पर कलश लेकर शिव मंदिर प्रांगण से टंडवा बाजार टांड़ होते हुए चुन्द्रू नदी पहुंचें। जहां पर महंत श्री श्री 108 श्री राम नरायण दास त्यागी कामरू कामख्या सिद्ध पीठ साधक समेत उनकी पूरी टीम के द्वारा मंत्रोउच्चरण कर देवी देवताओं का पूजा करने के पश्चात कलश में जल भरवाए।महायज्ञ में बने यज्ञ मंडप में मुख्य रूप से नौ जोड़ों ने पूजा करने में भाग लिया।इस बीच कलश धारियों के जय माता दी के जयघोष से प्रखंड क्षेत्र भक्ति के सागर में डूब गया।इसी बीच कलश यात्रा में सिमरिया विधानसभा के पूर्व विधायक

किशुन कुमार दास, टंडवा मध्य जिप सदस्य सुभाष यादव इस कलश यात्रा में शामिल हुए।इधर सुभाष यादव ने कहा कि यज्ञ अनवरत चलने वाला पूजन है।वहीं पूर्व विधायक ने कहा कि यज्ञ में हवन पूजन का महत्व ही अलग है। जिससे वातावरण शुद्ध होती है।इधर कड़कड़ाती धूप में कलश धारियों के लिए महायज्ञ समिति के द्वारा के शर्बत की ब्यवस्था कराए गई थी।शरबत पीने के बाद महा भंडारा का भी आयोजन किया गया था। मौजूद सभी कलश धारी समेत सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु इस भंडारा का आनंद लिए।इस मौके पर महायज्ञ समिति के अध्यक्ष दीपू कुमार चौरसिया, कोषाध्यक्ष सोनू कुमार चौरसिया, सचिव मनीष कुमार चौरसिया, उपाध्यक्ष महेंद्र यादव, उपसचिव राहुल चौरसिया मीडिया प्रभारी कुलदीप दास, पूजा प्रभारी जुगल साव, द्वारका बरई, तिलेश्वर साव,प्रताप चौरसिया विजय गिरी सुनील चौरसिया कालेश्वर साव राम लखन साव अजीत यादव शशि चौरसिया प्रदीप साव, भीम साव मनोज राणा सुरेंद्र चौरसिया लालमन साव विपिन यादव, शिक्षक मीनू गुप्ता, शिक्षक जगदीश राम,प्रवीण यादव उपेंद्र यादव, पप्पू चौरसिया, राजू चौरसिया, सुधीर चौरसिया पवन चौरसिया पिंटू राणा विनय भुइंया रामप्रवेश साव दिनेश यादव समेत सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष इस कलश यात्रा में शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला चौकीदार नियुक्ति समिति की बैठक आयोजित

- **चिप के माध्यम से तकनीकी रूप से पारदर्शी माहौल में होगी शारीरिक जांच परीक्षा**
- **ठगों के झांसे में न आयें: मंजूनाथ भजन्त्री**
- **जिला में 294 चौकीदार के रिक्त पदों के लिए लिखित परीक्षा में 933 अभ्यर्थी हैं योग्य**

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता
रांची। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी-सह-अध्यक्ष जिला चौकीदार नियुक्ति समिति, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में लिखित परीक्षा में

योग्य अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता जांच परीक्षा की तैयारियों से संबंधित बैठक आयोजित की गयी। बैठक में डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची चंदन सिन्हा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुमित अग्रवाल, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर उत्कर्ष कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में लिखित परीक्षा में योग्य अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता जांच परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित करने को लेकर उपायुक्त श्री भजन्त्री द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को चौकीदार बहाली के तहत निर्धारित नियमों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिये। उन्होंने अभ्यर्थियों के लिए शौचालय, पेयजल, बिजली, पंखा, सहित अन्य सभी सुविधाओं को सुनिश्चित करने को कहा, ताकि उन्हें सहूलियत हो। बैठक में जीवन रक्षक दवाओं के साथ एंबुलेंस व्यवस्था सहित चिकित्सीय दल प्रतिनियुक्ति करने का भी निर्देश दिया गया। इसके अलावा सीसीटीवी एवं वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश उपायुक्त द्वारा दिया गया।

चिप के माध्यम से शारीरिक जांच परीक्षाः चौकीदार नियुक्ति के लिए खेलगांव में आरएफआइडी चिप के माध्यम से तकनीकी रूप से पारदर्शी माहौल में शारीरिक जांच परीक्षा आयोजित की जायेगी। उपायुक्त द्वारा शारीरिक दक्षता जांच परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को आरएफआईडी चिप लगाने, हाइट मेजरमेंट, रजिस्ट्रेशन आदि सभी प्रक्रियाओं की फूलपूफ्र तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

ठगों के झांसे में न आयें, आपकी योग्यता ही चयन का आधार -उपायुक्त : उपायुक्त द्वारा सभी योग्य अभ्यर्थियों से अपील की गयी है कि शारीरिक जांच परीक्षा में पास करवाने के लिए झांसा देनेवाले ठगों से सर्तक रहें। उन्होंने कहा कि जिला में चौकीदार नियुक्ति परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है, इसमें आपकी योग्यता ही चयन का आधार है। तीन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में कोटि में टंकण भूल के कारण अनुसूचित जनजाति के स्थान पर अनुसूचित जाति अंकित हो गया था , उक्त अभ्यर्थियों का प्राप्तांक अनुसूचित जनजाति के कट ऑफ मार्क्स के बराबर या ज्यादा है इसलिए समिति ने उन्हें शारीरिक जांच परीक्षा में शामिल करने का निर्णय लिया। एक अभ्यर्थी द्वारा ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र आवेदन पत्र में समर्पित किया गाय था परंतु टंकण भूल के कारण कोटि में समान्य अंकित हो गया था, उक्त अभ्यर्थी को ईडब्ल्यूएस कोटि के कट ऑफ मार्क्स से ज्यादा है इसलिए समिति द्वारा अभ्यर्थी को शारीरिक जांच परीक्षा में शामिल करने का निर्णय लिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी एवं सेना के सम्मान में शहर में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के जश्न में आम नागरिक के बैनर तले पाकुड़ नगर में शुक्रवार को रेलवे स्टेशन से सिदो कान्हू पार्क तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने भी भाग लिया।पूर्व वायु सेना के अधिकारी विश्वनाथ भगत ने कहा कि तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा में हजारों की संख्या में देशभक्त उमड़े है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने हर देशवासी का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। धर्म पूछकर आतंकवादियों ने लोगों की हत्या की। इसके बाद पूरा देश निर्णायक कार्रवाई की मांग को लेकर खड़ा हो गया।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाहक मृत्युंजय घोष ने कहा कि सेना ने आतंकी और उनके आकाओं को समझा दिया कि बहनों के सिंदूर छिनने का क्या अंजाम होता है। सेना ने पाकिस्तान में अंदर जाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। पाकिस्तान की सेना को हमारे जवानों ने धूल चटा दी। अब पाकिस्तान को समझ आ गया है कि भारत की ओर उठी उसकी हर नजर उसके विनाश का कारण बन सकती है।पतंजलि के संजय शुक्ला एवं भाजपा जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने बताया कि कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे हमारी एकजुटता भी देखी हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरूषार्थ भी देखा। आज हम सब पूरा देश आनंदित है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह रामचंद्र दास ने कहा है कि बदलते दौर के भारत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं के साहस और शौर्य के प्रमाण दे दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि आपरेशन सिंदूर रूकेगा नहीं, हमारे घर के किसी भी कोने में कोई भी आतंकवादी गतिविधि करेगा तो भारत उसे घर में घुसकर मारेगा।विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री अरविंद घोष ने कहा कि हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे देश का पराक्रम देखा।लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य का क्षण है।हमारे राफेल और मिसाइल ने कमाल कर दिया। भारतीय सेना ने ऐतिहासिक शौर्य का प्रदर्शन किया है।इस कार्यक्रम में विशाल भगत, अशोक वर्मा, चमरू रजवार, मनोज रजक, मनीष पाण्डेय, रूपेश भगत, धर्मेन्द्र त्रिवेदी, मनोरंजन सरकार, सोहन मंडल, हिसाबी राय, सम्पा साहा, शबरी पाल, मनोरमा देवी, प्राची चौधरी, सपन दुबे, सुकुमार मंडल अनुग्रहित प्रसाद साहा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

अवैध रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर डीटीओ ने की कार्रवाई

वसूला गया 23 हजार 650 रुपये का जुर्माना

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर द्वारा नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न चौक चौराहों के पास अनधिकृत रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि कई बार प्रशासनिक चेतावनी दिए जाने के बावजूद कई वाहनों शहर में यत्र-तत्र खड़े होने से जाम की समस्या उत्पन्न होने की शिकायत लगातार प्रशासन को मिल रही थी। डीटीओ द्वारा इसी क्रम में नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक, हरिणडंगा बाजार, अम्बेडकर चौक, नगर थाना चौक पर सड़क किनारे अनधिकृत रूप से पार्किंग किए गए कई वाहनों (कार) को टोइंग गाड़ी से टो करके नगर थाना लाया गया। साथ ही कुल 23 दो पहिया वाहनों से बिना हेलमेट ड्रंक एंड ड्राइव करने को लेकर एमबी एक्ट के अंतर्गत दंड की राशि ई पोश मशीन के माध्यम से कुल 23 हजार 650 रुपए की वसूली की गई तथा चेतावनी दी गयी कि यदि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होती है तो वाहनों का परमिट निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

हिरणपुर बाजार का सौन्दर्यीकरण कार्य जोरों पर,बाजार में छाएगी रौनक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार ने अपने योगदान के बाद पाकुड़ का प्रवेश द्वार मानते हुए हिरणपुर बाजार में सौन्दर्यीकरण का कार्य करवा रहे हैं। नाली, सड़क, चौक-चौराहों व बिजली पोल सहित कई अन्य विकास कार्यों को तीव्र गति से किया जा रहा है। इससे क्षेत्र की जनता को न केवल साफ-सुथरी जगह मिलेगी बल्कि जाम से भी निजात मिलेगी। बाजार के सौंदर्यीकरण हो जाने से व्यवसायियों को काफी सहूलियत होगी। चौराहे चौड़ा होने से वहां के लोगों को आने जाने में सुगमता हो रही है।

बीडीओ ने बिरसा हरित ग्राम एवं आवास योजना का किया निरीक्षण

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। शुक्रवार को हिरणपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दीलिप ने मंझलाडीह पंचायत के गांवों में मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना में गड्ढा कोड़ो कार्य का निरीक्षण किया। महारो गांव में स्वीकृत जेम्स टुडू एवं अन्य तीन लाभुकों के गड्ढा खुदाई कार्य प्रगति पर पाया। बीडीओ ने 30 मई तक गड्ढा खुदाई एवं ट्रेंच कटिंग कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने 04 एकड़ के इस पैच को बेहतर बनाने हेतु लाभुकों को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि इस तरह के पैच हाथकाठी, तेलोपाड़ा, आसनजोला, नारायणडीह, जामबाद, बड़तल्ला एवं अन्य गांवों में है जिसकी मानिटरिंग वह स्वयं कर रहे हैं।उन्होंने अधूरे पड़े अबुआ आवास का भी निरीक्षण किया तथा छत ढलाई का कार्य मानसून से पहले करने के लिए लाभुकों को प्रेरित किया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ट्विंकल चौधरी, जेएसएलपीएस के शंकर तिवारी, लखन साह एवं अन्य उपस्थित रहे।

तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर अंकुश लगाने को लेकर चलाया गया जांच अभियान

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार शुक्रवार से जिले के विभिन्न प्रखंडो में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के विरुद्ध व्यापक अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इस अभियान के तहत शुक्रवार को विभिन्न प्रखंडो में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान कई दुकानों पर तंबाकू निषेधात्मक नियमों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया। सभी दुकानों पर सिगरेट व तंबाकू उत्पादों के पैकेटों की जांच की गई तथा नियमों का उल्लंघन कर उत्पादों की बिक्री करने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया। सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादों को जब्त कर मौके पर ही नष्ट भी किया गया एवं दुकानदारों को भविष्य में बिना वैधानिक चेतावनी वाले तंबाकू उत्पाद बिक्री करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

मोटरसाइकिल चोर गिरोह का धनबाद पुलिस ने किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मोटरसाइकिल चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक (विधि-व्यवस्था) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और तीन आरोपियों विकास राम, सोनू तुरी और मुकेश कुमार को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिना नंबर प्लेट की दो हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिलें, जिनमें से एक का चेसिस नंबर मिटा हुआ है और एक हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह शहर में मोटरसाइकिलें चोरी कर उन्हें बेचने में सक्रिय था। पुलिस ने इस संबंध में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं और गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी की अन्य मोटरसाइकिलों के बारे में पता लगाया जा सके। इस सफल कार्रवाई में पुअनि सुजीत कुमार सिंह, पुअनि मुकेश हेम्ब्रम, पुअनि राम कृष्ण महतो और महिला सअनि शीला लकड़ा सहित सशस्त्र बल के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपायुक्त रामगढ़ की बड़ी पहल, 15 नवंबर 2025 तक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा अपना भवन

425 आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा निर्माण, जमीन उपलब्ध कराने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार द्वारा बड़ी पहल की गई है, रामगढ़ जिले में 15 नवंबर 2025 तक सभी आंगनबाड़ी के केंद्रों का अपना भवन होगा इसे लेकर शुक्रवार को जिला समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो के द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत 29, दुमली प्रखंड अंतर्गत 46, गोला प्रखंड अंतर्गत 41, चितरपुर प्रखंड अंतर्गत 42, मांडू प्रखंड अंतर्गत 111 एवं पतरातू प्रखंड अंतर्गत 156 कुल 425 आंगनबाड़ी केंद्र ऐसे हैं जिनका वर्तमान में अपना भवन नहीं है इसे लेकर उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सर्वे कर जमीन उपलब्ध कराने का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा 23 मई 2025 तक कम से कम आधे आंगनबाड़ी केंद्रों के जमीन उपलब्धता से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया वहीं मई के अंत तक सभी 425 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा जमीन उपलब्ध होने के उपरांत जुलाई महीने से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का यह लक्ष्य है कि 15 नवंबर तक सभी 425 आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए एवं दिसंबर माह से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन शुरू कर दिया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त ने कहा कि अगर किसी कारणवश किसी क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्र के लिए जमीन उपलब्ध नहीं हो पता है तो वैसी स्थिति में स्थानीय लोगों को जमीन दान करने के लिए प्रेरित किया जाए। जमीन दान करने वाले लोगों को जिला प्रशासन की तरफ से सम्मानित किया जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त ने वर्तमान में आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं यथा पेयजल, शौचालय, विद्युत आदि की समीक्षा करते हुए उनकी पर्याप्त उपलब्धता सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

डीएवी विद्यालय में विद्यार्थियों को डेंगू बुखार के प्रति किया गया जागरूक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर पाकुड़ जिला के डीएवी विद्यालय एवं संत जोसेफ विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला भी0वी0डी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाकुड़ डॉ गुफरान आलम के द्वारा बच्चों को डेंगू बुखार के लक्षण के साथ-साथ बचाव के उपाय भी बताए गए। उन्होंने बताया कि यह वायरस मच्छरों से फैलता है।

डेंगू एक वायरल बुखार है जो कि एडीज एजिप्टी नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है। इस बुखार में सिर में तेज दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, जी मचलना आदि है। यह मच्छर साफ रुके हुए पानी में अंडे देता है। इससे बचाव का एकमात्र यहीं उपाय है कि हम घरों की छतों में, टूटे हुए बर्तनों और अन्य किसी स्थान पर पानी को एकत्रित न होने दे। उन्होने बताया कि हमें पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनना चाहिए।यदि किसी को समान लक्षण दिखाई देते हैं तो नजदीकी के सरकारी अस्पताल में जाकर डेंगू की जांच करवाएं जो सरकार के द्वारा निःशुल्क किया जाता है।इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से अंकित कुमार, राज किशोर प्रसाद एवं शांतनु मंडल एवं शहरी स्वास्थ्य प्रबंधक मो0 फहीम अख्तर सक्रिय रहे।कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डीएवी विद्यालय के प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती का मुख्य सहयोग रहा।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने लिया तैयारियों का जायजा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा तथा वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी.जनार्दनन ने शुक्रवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी में राज्यपाल व मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। आगामी 20 मई 2025 को राज्यपाल सह कुलाधिपति, संतोष कुमार गंगवार तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करकमलों द्वारा यूनिवर्सिटी कैंपस में स्व.बिनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण प्रस्तावित है। इस दौरान उपायुक्त ने माननीय राज्यपाल तथा माननीय मुख्यमंत्री के बरवाअड्डा हवाई पट्टी से युनिवर्सटी आगमन, स्वागत, कार्यक्रम स्थल, स्टेज, डी बॉक्स, मीडिया गैलरी, ग्रीन रूम, परिसर की सुरक्षा, साफ सफाई, बैरिकेडिंग, अतिथियों के बैठक स्थल, निकास द्वार सहित अन्य बिंदुओं का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता चंदन कुमार, डीएसपी मुख्यालय एक शंकर कामती, बीबीएमकेयू के वाइस चांसलर सिनियर प्रोफेसर (डॉ)) राम कुमार सिंह, प्रोक्टर डॉ.कौशल कुमार, रजिस्ट्रार डॉ.डीके सिंह, सीसीडीसी डॉ.आरके तिवारी, डॉ.इंद्रजीत कुमार, डॉ.पवन सिंह, डॉ.माशूफ अहमद, डॉ.हिमांशु शेखर चंद्र सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर सैनिकों के सम्मान में रामगढ़ में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रामगढ़। सामाजिक संगठन, एनसीसी कैडर समाजसेवी, पूर्व सैनिकों और रामगढ़ की जनता के सहयोग* से मिशन, आपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर सैनिकों के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा रामगढ़ ब्लॉक चौक से लेकर रामगढ़ के जैन मंदिर तक निकाली गई। तिरंगा यात्रा का प्रारंभ 10ः00 बजे से लेकर 11ः30 बजे तक तपती धूप में निकाला गया , लोग बिना गर्मी और धूप की परवाह किए डेढ़ घंटा पैदल तिरंगा यात्रा करने के बाद जैन मंदिर के पास भारत माता की जय की जय करो के साथ पहुंचे और समापन किया गया, वहां पहुंचते ही जैन समाज के लोगों ने चना गुड़ और ठंडा पानी की व्यवस्था की । सभी ने दिल से धन्यवाद कहा, रामगढ़ की जनता ने तिरंगा यात्रा निकालकर यह बता दिया कि हम भी पीछे नहीं है ।सैनिकों का हौसला बढ़ाते रहेंगे , देश का सम्मान में तिरंगा यात्रा में गूंजा शौर्य और राष्ट्र प्रेम जयघोष । तिरंगा यात्रा में कई गण्यमानलोग शामिल हुए। जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता जी, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, प्रदेश प्रवक्ता अविनेश सिंह, जिला प्रभारी शशिभूषण भगत,बड़कागांव के विधायक, रौशन लाल चौधरी मांडू विधायक निर्मल महतो, पूर्व भाजपा प्रत्याशी कुंदू बाबू,सांसद प्रतिनिधी राजीव जायसवाल,अनमोल सिंह, दिलीप सिंह, विनोद राम, धनंजय कुमार पुटूस,राजू चतुर्वेदी एवं विजय जायसवाल जी आजसू जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी, राजेश महतो, अरुण अग्रवाल, अनुपमा सिंह पूर्व सैनिक सेवा परिषद* के अध्यक्ष कुन्दन कुमार सिंह महासचिव रामटहल महतो , रंजन फौजी,अमित कुमार , आरपी सिंह, विजय सिंह, अजय मिश्रा, समाजसेवी कमल बगड़िया,वासुदेव शर्मा महेश मरवा मनजीत साहनी, अमित सिंहा, मनोज मण्डल,अनूप कुमार सिंह, राजेंद्र चुरुवाल,राजेंद्र जैन, रमा शर्मा, रानी मिश्रा, रिंकू शर्मा, अरुणा जोशी, पुनम सिंह,डोमेन जी , राधा गोविंद से सैकड़ों की संख्या में एनसीसी कैडर , भाजपा के कई वरिष्ठ दिनेश प्रसाद, अमरेंद्र गुप्ता आनन्द बेदिया,संजीव कुमार बाबला, जिला मीडिया सह प्रभारी भीम सेन चौहान, राजीव रंजन, आईटी सेल प्रभारी प्रवीण कुमार सोनू, सोनू शौर्य,ऋषिकेश सिंह, सूर्यवंश श्रीवास्तव, मंडल जी, मणिशंकर ठाकुर, कुणाल दास,राजेश ठाकुर,गौतम महतो , शीतल सिंह , रूपा देवी,इस तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

जनता दरबार में बीस दिनों से बंद दुकान खुलवाने की गुहार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया। इसमें पुराना बाजार से आई एक युवती ने उपायुक्त को बताया कि सिंह दरवाजा के सामने उनकी एक दुकान है। पिता अस्वस्थ रहने के कारण वह स्वयं दुकान का संचालन करती है। वहीं के कुछ लोगों द्वारा जबरन दुकान के सामने अतिक्रमण कर दुकान लगाई जाती है। इसकी शिकायत जब थाना में की तब बीस दिन पहले थाना ने अतिक्रमण करने वाले के साथ-साथ उनकी दुकान भी बंद करा दी। दुकान बंद हो जाने के कारण परिवार के भरण पोषण में परेशानी होती है। युवती ने उपायुक्त से पिछले 20 दिनों से बंद दुकान खुलवाने की गुहार लगाई। मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने सिटी एसपी को जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में न्यू इस्लामपुर पांडरपाला की युवती ने उपायुक्त को बताया कि परिवार के बंटवारे में मिली उनके हिस्से की संपत्ति पर सौतेले भाई द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है।

कलाकार संघ व डीडीपीटीए ने निकाला शौर्य सैनिक सम्मान तिरंगा यात्रा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। शुक्रवार को कलाकार संघ धनबाद व धनबाद डिस्ट्रिक्ट फोटोग्राफर्स ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वधान में सिटी सेंटर से रणधीर वर्मा चौक तक शौर्य सैनिक सम्मान तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में मुख्य रूप से कलाकार संघ के संरक्षक रणविजय सिंह, कलाकार संघ के संरक्षक व श्रीराम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह यात्रा में शामिल हुए। रणविजय सिंह ने कहा भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में घुसकर तमाम आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर किया है जिससे भारतीय सेना के शौर्य का तहलका पूरे विश्व में गूंजा है।सैनिकों के शौर्य के लिए उन्हें सम्मान देने के लिए यह सम्मान तिरंगा यात्रा निकाला गया है। तिरंगा यात्रा भारत माता के जयकारे लगाते हुए सिटी सेंटर से रणधीर वर्मा चौक तक पहुंचे। देश के वीर जवानों को याद करते हुए उनके शौर्य का बखान करते हुए देश के मान सम्मान को भारत माता की जयघोष से बढ़ाया।इस दौरान कलाकार संघ के अध्यक्ष राजू सिंह अनुरागी और उनके साथी कलाकारो के द्वारा गाए देशभक्ति गीतों से देश के वीर जवानों को याद किया। उदय प्रताप सिंह ने कहा पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को उड़ाने का भारतीय सेना के पराक्रम की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है यह हम हिन्दुस्तानियों के लिए बहुत गर्व की बात है, यह नया भारत है जब भी, जो भी हमारे भारत पर बुरी नजर रखेगा उनको इससे भी कड़ा जवाब दिया जाएगा। मैं सारे देश के तीनों सेनाओं के सैनिकों को इस शौर्य के लिए नमन करता हूं और शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देता हूं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सिंदूर के सफल नेतृत्व के लिए बधाई देता हूं। तिरंगा यात्रा में मोर्चा संभाले राजू सिंह ने कहा की अगर जरूरत पड़े तो हिंदुस्तान के सुरक्षा के खातिर हम एक हाथ मे माइक तो दुसरे हाथ में एके47 भी उठाना पड़े तो उठा लेंगे। इस दौरान कलाकार संघ के सह सचिव कृपांसु कुमार, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र ठाकुर, और सारी शाखाओ के शाखा प्रभारी जितेंद्र जीतू, मिंटू, मनमोहन, गिरजा किशोर, मुन्ना सिन्हा समेत संघ के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में बाइक सवार छात्र को कंटेनर ने रौंदा, घर से परीक्षा देने के निकला था, रास्ते में हो गया हादसा

मुरादाबाद, एजेंसी। मैनाठेर क्षेत्र बाइक सवार बीकॉम छात्र को कंटेनर ने रौंद दिया। इससे संभल के हयातनगर निवासी छात्र अक्षय की मृत्यु हो गई। छात्र मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज में परीक्षा देने के लिए आ रहा था।

संभल के थाना हयातनगर क्षेत्र के गांव दौलतपुर वाजिदपुर निवासी राजकुमार का बेटा अक्षय मुरादाबाद के हिंदू कॉलेज का बीकॉम का छात्र था। इस समय अक्षय की परीक्षा चल रही थी।

शुक्रवार को सुबह करीब छह बजे छात्र बाइक से परीक्षा देने के लिए आ रहा था। जैसे ही वह मैनाठेर क्षेत्र के संभल मुरादाबाद रोड स्थित पुल पर पहुंचा तो पीछे से आ रहे कंटेनर ने बाइक सवार छात्र को रौंद दिया।

हादसे के बाद चालक कंटेनर को लेकर फरार हो गया। जानकारी पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस घायल को जिला अस्पताल लेकर आई, लेकिन चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर परिजन भी पहुंच गए।

अस्पताल में तीमारदार और स्टाफ के बीच चल गए लात-घूंसे, बेड शीट पर खून देखकर बिगड़ा मामला

अलीगढ़, एजेंसी। एक अस्पताल में तीमारदार और अस्पताल स्टाफ भिड़ गए। जमकर लात-घूंसे चले। इसमें तीमारदार घायल हो गया। पुलिस, स्टाफ के दो कर्मी को थाने ले आई। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे का यह मामला क्वार्सी क्षेत्र में एटा चुंगी बाईपास पर क़यामपुर की ओर हार्दिक हॉस्पिटल का है। गुरुवार को हाथरस जिले के शिकन्दराराउ निवासी नेम सिंह को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी किडनी में इंफेक्शन था।

अस्पताल स्टाफ ने जांच के लिए ब्लड का नमूना लिया। बताया जा रहा है कि खून अधिक निकलने से बेड शीट पर लग गया। इससे स्वजन को लगा कि जांच के नाम पर ज्यादा खून निकाल लिया है।

मोबाइल पर बात करते हुए युवती ने नदी में लगा दी छलांग, दूसरे दिन इस हाल में मिला शव

बस्ती, एजेंसी। नगर थानाक्षेत्र के कुआनो नदी स्थित मोहटा घाट पर गुरुवार की सुबह मोबाइल पर बात कर रही किशोरी ने अचानक पुल से नदी में छलांग लगा दी थी।

काफी तलाश के बाद पहले दिन पता नहीं लगा। घटना के दूसरे दिन सुबह करीब आठ बजे नदी में उतराता शव पुलिस ने बरामद किया। सूचना लगते ही एसओ नगर देवेन्द्र सिंह मौके पर गोताखोरों के साथ पहुंच कर किशोरी का शव नदी से बाहर निकलवाया।

एसओ ने बताया कि किशोरी की पहचान कर ली गई है। वह क्षेत्र के ककराई गांव के रहने वाले हीरालाल की बेटी 16 वर्षीय रोशनी थी। स्वजन ने बताया कि घर वालों पर किसी बात से गुस्सा होकर निकल गई थी। मोहटा घाट पर जाकर कुआनो में छलांग लगी दी थी। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भर कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नर्सरी के छात्र की स्कूल में संदिग्ध हालत में मौत, हंगामा;

नैनी, एजेंसी। महेवा स्थित डीडीएस जूनियर हाईस्कूल में गुरुवार को सुबह नर्सरी के एक छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ गई। स्कूल में मौजूद शिक्षक व कर्मचारी उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर देख कर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी पर उसके स्वजन विद्यालय पहुंचे और कक्षा में मौजूद शिक्षक पर पिटाई का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। यह देखकर स्कूल के शिक्षिक व कर्मचारी भाग निकले। नैनी पुलिस ने स्थिति को संभाला। मामले में स्कूल प्रबंधन व शिक्षिकाओं के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी गई है। महेवा पश्चिम पट्टी निवासी वीरेंद्र जायसवाल के दो बेटे और एक बेटी में सबसे छोटा पुत्र चार वर्षीय शिवाय जायसवाल महेवा स्थित डीडीएस जूनियर हाईस्कूल में नर्सरी में पढ़ता था। वह गुरुवार को स्कूल गया था।

हरदोई हादसा : सड़क पर बिखरी लाशें, ऑटो में भी फंसे थे शव

अंकित के दोनों पैर कटकर रोड पर गिरे

हरदोई, एजेंसी। हरदोई के संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक और ओवरलोड ऑटो की टक्कर में मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सड़क पर लाशें बिखरी हुई थीं। एक युवक के दोनों पैर भी कट गए।

हरदोई में संडीला बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक की टक्कर लगने के बाद चालक और एक सवारी के शव ऑटो में ही फंस गए। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मशक्कत कर दोनों के शव बाहर निकलवाए। इतना ही नहीं कई शव सड़क पर भी बिखरे पड़े थे। इन शवों को पुलिस कर्मियों ने फौरन ही उधर से गुजर रहे एक पिकअप को रोककर उसमें रखवाया। इसके बद इन्हें मोर्चरी भेजा गया।

कासिमपुर थाना क्षेत्र के बाजारखेड़ा निवासी रंजीत ऑटो चला रहा था। मलहनखेड़ा निवासी अरविंद भी रंजीत के पास ही बैठा था। चावल लदे ट्रक की टक्कर लगने पर ऑटो पलट गया।

पलटने के दौरान इसमें सवार पिंकी, फूलजहां, अंकित सड़क पर जा गिरे। मौके पर ही इनकी की भी मौत हो गई। इनके शव सड़क पर बिखरे पड़े थे। रंजीत और अरविंद ऑटो का अगला हिस्सा बिल्कुल पिचक जाने से इसमें ही दब गए। राहगीरों ने फौरन ही दोनों को निकालने की कोशिश की शुरू की, लेकिन लगभग दस मिनट बाद पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों को ऑटो से निकालने की कोशिश में एक सिपाही के हाथ में भी चोट लग गई।

कछौना कोतवाली क्षेत्र के बहदिन निवासी अंकित (20) के हादसे के दौरान दोनों पैर कट गए। इसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर लगने से कटे उसके दोनों पैर सड़क पर बिखरे नजर आए। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दोनों पैर शव के साथ ही रखवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे।

घटना के बाद सड़क पर खून ही खून फैला नजर आ रहा था। राहत कार्यों के लिए पहुंच रहे वाहनों के पहिये खून पर पड़ रहे थे तो खून की छीटें आसपास खड़े लोगों पर पड़ रही थीं। ऐसे में स्थानीय लोगों ने पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर खून पर मिट्टी डालना शुरू की। काफी देर तक मिट्टी डालने के बाद खून दिखना बंद हुआ और तभी वाहनों को आवागमन की छूट भी दी गई।

संडीला कोतवाल विजय कुमार ने बताया कि घटना के बाद शवों का पोस्टमार्टम संडीला सीएचसी में कराया गया। इसके बाद एक-एक एंबुलेंस की व्यवस्था कर शवों को उनके परिजनों के साथ भेज दिया गया। घटना में मृत मां बेटे के शव एक साथ एक एंबुलेंस से ही भेजे गए। बाकी सभी के लिए अलग-अलग एंबुलेंस की व्यवस्था की गई।

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरलोड ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। ऑटो में नौ लोग सवार थे। दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने ट्रक चालक राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। दुर्घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जताया है। हरदोई के संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक और ओवरलोड ऑटो की टक्कर में मां-बेटा समेत सात लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

कासिमपुर थाना क्षेत्र के बाजार खेड़ा निवासी रंजीत (27) ऑटो चलाता था। बृहस्पतिवार सुबह वह उन्नाव जनपद के बांगरमऊ से सवारियां ऑटो में बैठाकर संडीला जा रहा था। ऑटो में चालक समेत नौ लोग सवार थे। कासिमपुर थाना क्षेत्र के संडीला बांगरमऊ मार्ग पर हरदलमऊ गांव के पास संडीला की तरफ से आ रहे चावल लदे ट्रक की ऑटो से भिड़ंत हो गई।

डूबते भाई को बचाने के लिए तालाब में कूदी बहन, दोनों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

लखनऊ, एजेंसी। सुल्तानपुर के मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में डूब रहे भाई को बचाने के लिए बहन तालाब में कूद गई। दोनों की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

सुल्तानपुर के मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के बबरही गांव में बृहस्पतिवार को दर्दनाक हादसा हुआ। यहां दो सगे भाई-बहन की तालाब में डूबने से मौत हो गई। एक ही परिवार में दो बच्चों की मौत से कोहराम मचा गया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर विधिक कार्रवाई शुरु कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बबरही गांव निवासी रामहित यादव कोलकाता में गाड़ी चालक हैं। उनके घर से 50 मीटर दूर पर एक तालाब है। बताया जा रहा है कि तालाब को गांव के ही रामबहादुर यादव ने मछली पालन के लिए ले रखा है। बृहस्पतिवार को तालाब में रामहित की भैंस डूबने लगी और भैंस को बचाने के चक्कर में उनका 12 वर्षीय पुत्र आदर्श यादव तालाब में कूद गया लेकिन तैराकी न आने के कारण वो डूबने लगा। दूर से भाई को डूबता देख बहन विनीता यादव (15) भी उसे बचाने के लिए तालाब में कूद गई। दोनों को डूबता देख गांव के एक व्यक्ति ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन वो भी विफल हो गया और दोनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई।

मामले की सूचना पुलिस को दी गई। उधर बच्चों की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां नीलम यादव, भाई अजीत यादव (27), अनुपम (19) और पूजा (17) रो-रोकर बेसुध हो गए।

सूचना पाकर मौके पर पुलिस टीम के साथ एसओ विजय सिंह, एसडीएम जयसिंहपुर, शिव प्रसाद, लेखपाल लाल बहादुर श्रीवास्तव भी पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिवार को ढांढस बंधाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

फेसबुक पर दोस्ती कर 10.66 लाख रुपये ठगे, सीए को शादी का दिया था झांसा

कानपुर, एजेंसी। एसीजेएम प्रथम अभिनव तिवारी ने फेसबुक पर चार्टर्ड एकाउंटेंट से दोस्ती कर 10.66 लाख रुपये रुपये ठगने वाली युवती व उसके स्वजन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश नजीराबाद थाना प्रभारी को दिए हैं। पुलिस के रिपोर्ट न दर्ज करने पर चार्टर्ड एकाउंटेंट ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कहा था।

अधिवक्ता संजय कुमार सिंह ने बताया कि जवाहर नगर निवासी चार्टर्ड एकाउंटेंट आनंद कुमार झा ने रांची की रहने वाली ईशा, उसकी मां रानी देवी, पिता शैलेंद्र किशोर, भाई विशाल पांडेय व मित्र शिवम कुमार के खिलाफ कोर्ट में अर्जी दी थी।

इसमें कहा था कि फेसबुक पर उनकी दोस्ती ईशा कुमारी से हुई। उसने शादी का झांसा देकर 10,66,452 रुपये ऐंठ लिए। रकम ईशा ने अपने, अपनी मां रानी देवी, मित्र शिवम कुमार के बैंक खातों में मंगाई। बाद में उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने लगी। पता चला कि ईशा शादीशुदा है और उसका अपने पति अभय से रांची में मुकदमा भी चल रहा है। अपर जिला जज 11 सुभाष सिंह की कोर्ट ने फर्जीवाड़ा कर दूसरे का मकान बेच देने वाले की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। बीटेक मैकेनिकल इंजीनियर त्रिपुरेश मिश्रा ने नौबस्ता थाने में हमीरपुर निवासी बृजबिहारीलाल, फतेहपुर के बिंदकी निवासी प्रत्यूष कुमार, सीसामऊ निवासी सक्षम सोनकर व फतेहपुर के अमौली निवासी आनंद कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा कि बूढ़पुर मछरिया में उसका एक पैतृक प्लाट है। इसका पट्टा पंजाब फ्रंटियर सहकारी आवास समिति लिमिटेड ने वर्ष 1985 में उसकी मां करुणा देवी मिश्रा के पक्ष में किया था। इसके बाद मकान का निर्माण हुआ लेकिन कूटरचित दस्तावेजों के जरिए बृजबिहारी ने फर्जी पट्टा तैयार किया। इसके बाद प्रत्यूष को मकान की रजिस्ट्री कर दी।

इसमें सक्षम व आनंद गवाह बने। कब्जा करने की नीयत से एक दीवानी वाद दाखिल कर दिया। कोर्ट का सम्मन मिलने पर त्रिपुरेश को जानकारी हुई तो उससे 25 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई। पुलिस ने बृजबिहारी लाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बृजबिहारी ने जमानत अर्जी दाखिल की थी लेकिन कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए अर्जी खारिज कर दी।

भूमि विवाद में बुज़ुर्ग की मौत के बाद ग्रामीणों का चक्का जाम, पुलिस ने दिलाया भरोसा

बस्ती, एजेंसी। लालगंज थानाक्षेत्र के कोप गांव में पांच दिन पूर्व भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में घायल बुज़ुर्ग की इलाज के दौरान गुरुवार को मृत्यु हो गई थी। गुरुवार को लालगंज चौकी के सामने शव को रख कर ग्रामीणों ने चक्का जाम कर दिया गया। लगभग डेढ़ घंटे मार्ग अवरुद्ध रहा है सूचना पाकर मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक शशांक शेखर राय ने समझा बूझकर जा रास्ता खुलवाया। उन्होंने ने बताया कि मारपीट की घटना में प्राणघातक हमले समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमंडल, रामगढ़

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

अति–अल्पकालीनई–निविदा संख्या:-05/R1/2024-25/RWD/RAMGARH दिनांक :- 15.05.2025

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़ द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	कार्य समाप्ति की अवधि	टेंडर कॉल
1	RWD/RAMGARH/ 21/2024-25/MMGSY	गोला	रकुवा तेतरिया टांड़ से गोदलबेड़ा शमशान घाट तक पथ का निर्माण कार्य। (कुल लम्बाई– 1.320 कि0मी0)	141.109	09 माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–19.05.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–26.05.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–28.05.2025 अपराह्न 11.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़,नयानगर, घुटुवा, बरकाकाना, रामगढ़ झारखण्ड, पिन–829103
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06553254005

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
ह०/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल, रामगढ़।

PR.NO.352621 Rural Work Department(25-26):D

ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में अदाणी ग्रुप का बड़ा फैसला

लखनऊ, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले हालात के बीच अब चीन की कंपनी के जारी पास से एयरपोर्ट पर लाउंज सुविधा देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। अदाणी ग्रुप के नियंत्रण वाले लखनऊ सहित कई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक यात्रियों के लिए बने लाउंज में ड्रैगन पास की सुविधा नहीं मिलेगी। अदाणी ग्रुप के नियंत्रण में लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के अलावा गुवाहाटी, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट सहित देश के कई एयरपोर्ट पर बने डोमेस्टिक लाउंज का उपयोग यात्री कर रहे हैं।

ड्रैगन पास चीन की कंपनी है जो लाउंज की सुविधा के लिए तय शुल्क लेकर यात्रियों को कार्ड प्रदान करती है। ड्रैगन पास की क्लासिक सदस्यता, प्रेफरेंशियल सदस्यता और प्रेस्टीज सदस्यता के लिए अलग-अलग शुल्क निर्धारित हैं।

मुठभेड़ में महिला से लूट के आरोपी को लगी गोली, मचा हड़कंप

गोरखपुर, एजेंसी। रेलवे स्टेशन के सरदार तिराहे पर महिला से लूट करने वाले बदमाशों में से एक को कैंट पुलिस ने गुरुवार की देर रात मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। बदमाश की पहचान पिपराइच में रहने वाले सूरज चौहान के रूप में हुई है, जिसे पैर में गोली लगी है।

सूरज पिपराइच के जंगल धूसड़ नंबर दो गांव का रहने वाला है। उसका साथी बिल्लू अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस को लूटा गया मोबाइल, दस्तावेज और हथियार बरामद हुए हैं। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि 30 अप्रैल 2025 को महेशरा गांव निवासी सरिता देवी अपने पति धर्मेंद्र के साथ मायके से ससुराल लौट रही थीं। सरदार तिराहे के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें घेरकर पर्स लूट लिया। पर्स में चांदी की अंगूठी, मोबाइल, 2000 नकद, एटीएम, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज थे। पीड़िता की तहरीर पर कैंट थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया गया था। पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़ हुई। गुरुवार की रात करीब एक बजे कैंट पुलिस विंध्यवासिनी पार्क के पीछे लिंक रोड पर चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की गई, तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश सूरज चौहान को बाएं पैर में गोली लगी। उसका साथी बिल्लू उर्फ राम सुधारे निषाद भाग निकला। पुलिस ने मौके से एक तमंचा, दो खोखा व दो जिंदा कारतूस, सरिता देवी का मोबाइल, तीन एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की। एसपी सिटी ने बताया कि सूरज पर कुल 33 मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं।

कार्यालयः जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण

एतद् द्वारा जाल आपूर्त्तिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025–26 के लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉंची का 268 दिनांक 11.02.2025 के द्वारा राज्य योजना के अन्तर्गत निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को फ्राई कैचिंग नेट की आपूर्ति किया जाना है। इस प्रयोजानार्थ जाल आपूर्तिकत्ताओं से निविदा आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक जाल आपूर्तिकताओं से जाल आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 03.06.2025 के अपराह्न 01:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ में स्वीकार किया जायेगा, तथा उसी दिन अपराह्न 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष उपायुक्त, रामगढ़ के सभागार में खोली जाएगी, निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्तें www.ramgarh.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

PR 352720 Fish(25-26)#D

कार्यालयः जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना

एतद् द्वारा मत्स्य स्पॉन उत्पादकों/आपूर्तिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि जलाशय के छाड़न एवं निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को मेजरकार्प (रेहू, कतला, मृगल, कॉमन कार्प, सिलवर कार्प तथा ग्रास कार्प) का मत्स्य स्पॉन की आपूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉंची का पत्रांक 268, दिनांक 11.02.2025 के आलोक में इच्छुक मत्स्य स्पॉन उत्पादकों से स्पॉन आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 03.06.2025 के अपराहन् 01:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ के कार्यालय में स्वीकार किया जाएगा। एवं उसी दिन अपराहन् 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष उपायुक्त, रामगढ़ के सभागार में खोली जायेगी। निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्तें www.ramgarh.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

आपूर्ति की जानेवाली स्पॉन का विवरण

मत्स्य स्पॉन	अधिकतम निर्धारित दर मो0 550.00 रूपये प्रति लाख मात्र।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,रामगढ

PR 352707 Fish(25-26).D

संपादकीय

आतंकवाद पर वार नहीं रुका है, सिर्फ बदली है रणनीति

भारत-पाक संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। आतंकवाद और बातचीत या व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। सैन्य संघर्ष फिलहाल स्थगित किया गया है, वह समाप्त नहीं हुआ है। आपरेशन सिंदूर अब भारत की नई नीति है। इससे पहले तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया था कि संघर्ष विराम अस्थायी है, सेना नए अभियान के लिए तैयार है। फिर राष्ट्र के नाम संबोधन के अगले दिन प्रधानमंत्री आदमपुर वायुसेना अड्डे पर सैनिकों से मिलने गए और वहां भी यही संकेत दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति यथावत है। इस तरह अचानक किए गए संघर्ष विराम के फैसले को लेकर पिछले दो-तीन दिनों से जो अटकलें लगाई और सवाल उठाए जा रहे थे, उन पर विराम लग जाना चाहिए। सेना बार-बार कहती रही है कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद के खिलाफ था। अब भी प्रधानमंत्री ने वही बात दोहराई है कि आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना ही हमारा असल मकसद है। प्रधानमंत्री ने प्रकारांतर से पाकिस्तान और भारत के बीच के मसलों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता के प्रस्ताव पर स्पष्ट कह दिया कि जब भी बात होगी तो पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद पर ही होगी। पहलगाम हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए थे। इसके साथ ही सरकार ने सप्रमाण दुनिया भर को बता दिया था कि उसका मकसद पाकिस्तान पर नहीं, बल्कि वहां चल रहे आतंकी संगठनों पर हमला करना था। मगर पाकिस्तान ने उसके जवाब में भारतीय सीमा के नागरिक ठिकानों पर गोलाबारी शुरू कर दी थी, जिसका जवाब देना जरूरी हो गया था। ऐसे में स्थिति लगातार संघर्ष के बढ़ते जाने की बन गई थी। संघर्ष किस हद तक पहुंच जाता, कहना मुश्किल है। इसलिए सैन्य संघर्ष पर विराम और आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति बनाना जरूरी था। भारत शुरू से कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। फिर, उसका जोर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और दुनिया की शीर्ष शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होने पर है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक सैन्य संघर्ष में उलझे रहना कोई समझदारी की बात नहीं होती। फिर, जिस तरह के वैश्विक समीकरण बने हैं, उसमें यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित रह पाता, यह कहना भी मुश्किल था। इसके अलावा, दुश्मन देश के साथ तनाव के वातावरण में अगर कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा हो तो उसे ठीक नहीं कहा जा सकता। संघर्ष विराम के बाद भी सीमा पर पाकिस्तानी सेना की तरफ से गोलीबारी थमी नहीं है। सेना ने आशंका जाहिर की है कि ऐसा वह आतंकवादियों की घुसपैठ कराने और हमारी चौकियों पर कब्जा करने की मंशा से कर रही होगी। शोपियां में तीन आतंकवादियों के मार गिराने की घटना भी संघर्ष विराम के बाद की है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान पर किसी भी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता। इस सैन्य संघर्ष के समय यह एक बार फिर उजागर हो गया कि पाकिस्तानी सेना का आतंकी संगठनों के साथ गहरे रिश्ते हैं। ऐसे में, अगर भारतीय सेना ने नई रणनीति के लिए कुछ समय का विराम लिया है, तो इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता।

'अंक उद्योग' कोई औपचारिक या संगठित उद्योग नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिकता और व्यवस्था है जो शिक्षा को मात्र अंकों और ग्रेडों के तराजू पर तौलती है। इस उद्योग के केंद्र में परीक्षाएं हैं, और इन परीक्षाओं में प्राप्त अंक ही विद्यार्थी की योग्यता, क्षमता और भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र मापदंड बन गए हैं। कोचिंग संस्थान, ट्यूशन क्लासेस, गेस पेपर्स और विभिन्न प्रकार की 'सफलता की गारंटी' देने वाली सामग्री इस उद्योग के अभिन्न अंग हैं। यह उद्योग एक समानांतर अर्थव्यवस्था चला रहा है, जहां शिक्षा का व्यवसायीकरण चरम पर है और ज्ञान की गुणवत्ता की तुलना में अंकों की मात्रा अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

'अंक उद्योग' के भ्रमजाल में शिक्षा

(वेद आलोक)

शिक्षा, किसी भी समाज का वह आधार स्तंभ है जिस पर उस राष्ट्र की प्रगति, समृद्धि और मानवीय मूल्यों की स्थापना निर्भर करती है। यह केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण, सामाजिक दायित्वों के निर्वहन और समग्र व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया है। प्राचीन काल से ही भारत में शिक्षा का महत्व सर्वोपरि रहा है, जहां ज्ञान को सर्वोच्च स्थान दिया गया और गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से विद्या का दान अनवरत चलता रहा। परंतु, आधुनिक युग में शिक्षा के स्वरूप में एक गहरा बदलाव आया है। आज शिक्षा का केंद्र बिंदु ज्ञान की खोज और समझ विकसित करने के बजाय, अधिकाधिक अंक प्राप्त करने की अंधी दौड़ में तब्दील होता जा रहा है। यह बदलाव एक ऐसे 'अंक उद्योग' को जन्म दे रहा है, जिसने शिक्षा के मूल उद्देश्य को ही धुंधला कर दिया है और एक भ्रम जाल रच दिया है, जिसमें विद्यार्थी, अभिभावक और स्वयं शिक्षा प्रणाली उलझ कर रह गई है।

'अंक उद्योग' कोई औपचारिक या संगठित उद्योग नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिकता और व्यवस्था है जो शिक्षा को मात्र अंकों और ग्रेडों के तराजू पर तौलती है। इस उद्योग के केंद्र में परीक्षाएं हैं, और इन परीक्षाओं में प्राप्त अंक ही विद्यार्थी की योग्यता, क्षमता और भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र मापदंड बन गए हैं। कोचिंग संस्थान, ट्यूशन क्लासेस, गेस पेपर्स और विभिन्न प्रकार की 'सफलता की गारंटी' देने वाली सामग्री इस उद्योग के अभिन्न अंग हैं। यह उद्योग एक समानांतर अर्थव्यवस्था चला रहा है, जहां शिक्षा का व्यवसायीकरण चरम पर है और ज्ञान की गुणवत्ता की तुलना में अंकों की मात्रा अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

इस 'अंक उद्योग' के पनपने के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है अत्यधिक प्रतिस्पर्धा। आज के युग में, सीमित अवसरों और बढ़ती जनसंख्या के कारण, हर क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा है। चाहे वह प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में प्रवेश हो या अच्छी नौकरी प्राप्त करना, हर जगह अंकों की श्रेष्ठता को ही प्राथमिकता दी जाती है। अभिभावक, अपने बच्चों को इस प्रतिस्पर्धा में आगे रखने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, जिसमें उन्हें महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजना और हर समय अच्छे अंक लाने का दबाव बनाना शामिल है। विद्यालयों पर भी अच्छे परीक्षा परिणाम देने का भारी दबाव होता है, क्योंकि उनकी प्रतिष्ठा और भविष्य में छात्रों का नामांकन उनके द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर ही तय होता है। इस दबाव के चलते, शिक्षण प्रक्रिया का ध्यान ज्ञान प्रदान करने से हटकर, छात्रों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए 'तैयार' करने पर केंद्रित हो जाता है।

'अंक उद्योग' ने शिक्षा के स्वरूप को कई नकारात्मक तरीकों से प्रभावित किया है। सबसे चिंताजनक प्रभाव छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। अच्छे अंक लाने के निरंतर दबाव के कारण छात्र तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्हें यह डर हमेशा सताता रहता है कि यदि उन्होंने अपेक्षित अंक प्राप्त नहीं किए तो उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। इस डर के माहौल में, सीखने की खुशी और ज्ञान की जिज्ञासा कहीं

खो जाती है। छात्रों के लिए शिक्षा एक बोझ बन जाती है, जिसे वे केवल इसलिए ढो रहे हैं ताकि वे परीक्षाओं में सफल हो सकें।

दूसरा नकारात्मक प्रभाव यह है कि 'अंक उद्योग' ने रटने की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। जब एकमात्र लक्ष्य परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना होता है, तो छात्रों का ध्यान विषय की गहरी समझ विकसित करने के बजाय, उसे याद करने और परीक्षा में उगल देने पर केंद्रित हो जाता है। रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान जैसे महत्वपूर्ण कौशल, जो एक व्यक्ति के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं, हाशिए पर चले जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचनाओं का हस्तांतरण बनकर रह जाता है, न कि ज्ञान का निर्माण और अनुप्रयोग।

इसके अतिरिक्त, 'अंक उद्योग' ने शिक्षा प्रणाली में असमानता को भी बढ़ाया है। जिन छात्रों के पास अच्छे कोचिंग संस्थानों में जाने और महंगी ट्यूशन क्लासेस लेने के साधन हैं, वे अक्सर बेहतर अंक प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं, भले ही उनकी वास्तविक समझ कम हो। वहीं, आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्र, जिनके पास इन सुविधाओं का अभाव है, पीछे रह जाते हैं। इस प्रकार, अंक योग्यता का वास्तविक पैमाना न बनकर, आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमि का सूचक बन जाते हैं।

'अंक उद्योग' का सबसे बड़ा भ्रम जाल यह है कि यह अच्छे अंकों को सफलता की गारंटी के रूप में प्रस्तुत करता है। जबकि वास्तविकता यह है कि जीवन में सफलता केवल अच्छे अंकों पर निर्भर नहीं करती। आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क, अनुकूलनशीलता और नैतिक मूल्य जैसे अनेक गुण हैं जो व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ने और सफल होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'अंक उद्योग' इन महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज करता है और छात्रों को एक संकुचित दृष्टिकोण प्रदान करता है, जहां केवल अंकों की दौड़ ही सब कुछ है।

इस भ्रम जाल से बाहर निकलने और शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें शिक्षा प्रणाली, अभिभावकों और स्वयं छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

सबसे पहले, शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। परीक्षाओं के स्वरूप में बदलाव लाना होगा, जहां केवल रटने की क्षमता का मूल्यांकन न हो, बल्कि छात्रों की समझ, विश्लेषण क्षमता, रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान का भी आकलन किया जाए। सतत मूल्यांकन की प्रणाली को बढ़ावा देना होगा, जिसमें पूरे सत्र के दौरान छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाए, न कि केवल कुछेक परीक्षाओं के आधार पर। पाठ्यक्रम को अधिक व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बनाना होगा, ताकि छात्र ज्ञान को वास्तविक दुनिया से जोड़ सकें।

अभिभावकों को भी अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्हें अपने बच्चों पर अच्छे अंक लाने का अनावश्यक दबाव डालना बंद करना होगा और उनके समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि हर बच्चा अद्वितीय है और उसकी अपनी क्षमताएं और रुचियां हैं। उन्हें अपने बच्चों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, न कि केवल अंकों की दौड़ में शामिल होने के लिए मजबूर करना चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण है। उन्हें छात्रों को केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने और परीक्षा की तैयारी कराने के बजाय, उनमें सीखने की जिज्ञासा और ज्ञान के प्रति प्रेम विकसित करना होगा। उन्हें छात्रों को आलोचनात्मक रूप से सोचने, प्रश्न पूछने और अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उन्हें एक ऐसा सकारात्मक और सहायक वातावरण बनाना होगा जहां छात्र बिना किसी डर के अपनी शंकाओं को दूर कर सकें और खुलकर सीख सकें।

इसके साथ ही, छात्रों को भी 'अंक उद्योग' के भ्रम जाल को समझना होगा। उन्हें यह जानना होगा कि अच्छे अंक महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन वे सब कुछ नहीं हैं। उन्हें ज्ञान प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और अपने व्यक्तित्व का समग्र विकास करने पर ध्यान देना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि सच्ची सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण से मिलती है।

सरकार और नीति निर्माताओं को भी शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। शिक्षा के व्यवसायीकरण को नियंत्रित करना होगा और सभी छात्रों के लिए समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करनी होगी। शिक्षकों के प्रशिक्षण और विकास पर ध्यान देना होगा और शिक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने होंगे।

अंततः, यह कहना महत्वपूर्ण है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जो ज्ञानवान, जागरूक, जिम्मेदार और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण हो। 'अंक उद्योग' ने इस मूल उद्देश्य को कहीं पीछे छोड़ दिया है और एक ऐसे भ्रम जाल का निर्माण किया है जो छात्रों के भविष्य और राष्ट्र की प्रगति के लिए हानिकारक है। इस भ्रम जाल को तोड़ना होगा और शिक्षा को उसके वास्तविक स्वरूप में पुनः स्थापित करना होगा, जहां ज्ञान की खोज, समझ का विकास और समग्र व्यक्तित्व का निर्माण ही सर्वोपरि हो। तभी हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं जहां शिक्षा वास्तव में प्रकाश का स्रोत बने, न कि अंकों के अंधेरे में भटकने का मार्ग।(लेखक जीएलए यूनिवर्सिटी मथुरा में प्रबंधन देखते हैं।)ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

कब तक जहर उगलते रहोगे नेताजी? इन्हें तो पार्टी ही नहीं राजनीति में भी रहने का हक नहीं

(अनुभव शाक्य)

देश के कुछ नेताओं की बेहूदा बयानबाजी को देखकर खून खौल उठता है। ये क्या तमाशा है? जिन सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर में देश का सिर गर्व से ऊंचा किया, उनके खिलाफ ये जहरीले तीर क्यों? बीजेपी के विजय शाह हों या सपा के रामगोपाल यादव, दोनों ने अपनी सियासी रोटियां सेंकने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसे सैन्य नायकों को धर्म और जाति की आग में झोंक दिया। इन नेताओं की संकीर्ण सोच और गिरी हुई चालबाजी और जातिवादी सोच को उजागर करता है। उन्होंने दावा किया कि सोफिया कुरैशी को उनके मुस्लिम होने के कारण गाली दी गई, जबकि विंग कमांडर व्योमिका सिंह को 'राजपूत' समझकर छोड़ दिया गया। सच क्या है? व्योमिका सिंह हरियाणा की जाटव समुदाय से हैं, न कि राजपूत। यादव का यह बयान बेहद शर्मनाक है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे देश के सैनिकों के सम्मान को जाति और धर्म की भट्टी में झोंकने से नहीं हिचकते। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सांप्रदायिक और जातिगत रंग देना क्या किसी

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहकर जो घृणित बयान दिया, वह उनकी सांप्रदायिक सोच का नंगा प्रदर्शन था। इंदौर के एक मंच पर, जहां लोग ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मना रहे थे, शाह ने सोफिया को निशाना बनाकर न केवल एक सैनिक का अपमान किया, बल्कि देश की सेना को सांप्रदायिक चश्मे से देखने की शर्मनाक कोशिश की। उनकी माफी? वह तो महज एक ढोंग था, हंसते हुए दी गई माफी, जिसमें न पश्चाताप था, न शर्मिंदगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर का आदेश दिया, सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई, लेकिन बीजेपी की चुप्पी क्या दर्शाती है? क्या पार्टी ऐसी जहरीली मानसिकता को चुपके से हवा दे रही है? शाह जैसे लोग, जो सत्ता के नशे में देश के गौरव को कुचलने से नहीं चूकते, क्या मंत्रीपद के लायक हैं? इनका इस्तीफा नहीं, बल्कि इन्हें सियासत से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए।

मानसिकता देश की एकता पर थूकने जैसी है। यह सिर्फ दो सैनिकों का अपमान नहीं, बल्कि भारतीय सेना की गरिमा और देश के हर नागरिक के स्वाभिमान पर हमला है।

सांप्रदायिकता का जहरीला चेहरा- मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहकर जो घृणित बयान दिया, वह उनकी सांप्रदायिक सोच का नंगा प्रदर्शन था। इंदौर के एक मंच पर, जहां लोग ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मना रहे थे, शाह ने सोफिया को निशाना बनाकर न केवल एक सैनिक का अपमान किया, बल्कि देश की सेना को सांप्रदायिक चश्मे से देखने की शर्मनाक कोशिश की। उनकी माफी? वह तो महज एक ढोंग था, हंसते हुए दी गई माफी, जिसमें न पश्चाताप था, न शर्मिंदगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर का आदेश दिया, सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई, लेकिन बीजेपी की चुप्पी क्या दर्शाती है? क्या पार्टी ऐसी जहरीली मानसिकता को चुपके से हवा दे रही है? शाह जैसे लोग, जो सत्ता के नशे में देश के गौरव को कुचलने से नहीं चूकते, क्या मंत्रीपद के लायक हैं? इनका इस्तीफा नहीं, बल्कि इन्हें सियासत से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए।

जातिवादी सियासत का पाखंड- रामगोपाल यादव भी इस कीचड़ में कम नहीं डूबे। सपा के इस नेता ने विवाद को और भड़काने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर ऐसा बयान दिया, जो उनकी सियासी देशभक्त का काम है? नहीं, यह सियासी गिद्धों की हरकत है, जो वोटों के लिए देश की आत्मा को बेचने को तैयार हैं।

देश को ऐसे नेताओं से खतरा- यहां सवाल सिर्फ दो बयानों का नहीं, बल्कि उस मानसिकता का है, जो देश को बांटने की साजिश रच रही है। विजय शाह और रामगोपाल यादव जैसे नेता देश की एकता के दुश्मन हैं। एक ने सांप्रदायिक जहर उगला, तो दूसरे ने जातिगत नफरत की आग भड़काई। दोनों की सोच में कोई फर्क नहीं है, दोनों ही सत्ता की भूख में अंधे हो चुके हैं। भारतीय सेना, जो धर्म और जाति से ऊपर उठकर देश की रक्षा करती है, उसके नायकों को इस तरह की गंदी सियासत का शिकार बनाना घोर अपराध है।

यह शर्मनाक है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसी उपलब्धि, जो देश की एकता और ताकत का प्रतीक है, को इन नेताओं ने अपनी सियासी चालों का शिकार बनाया। विजय शाह और रामगोपाल यादव जैसे लोग न तो माफी के लायक हैं, न ही सत्ता के। इनके बयान सिर्फ दो सैनिकों का अपमान नहीं, बल्कि देश के हर उस नागरिक का अपमान हैं, जो सेना के पराक्रम पर गर्व करता है। बीजेपी और सपा को चाहिए कि वे अपने इन नेताओं पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करें, वरना जनता का गुस्सा इनकी सियासत को सबक सिखाएगा। देश की जनता और सेना इनसे कहीं बेहतर की हकदार है।

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

पाकिस्तानी सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी—बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा।

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट भ्रष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों की विनाश और सैकड़ों आतंकियों के अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए।

पाकिस्तानी सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी—बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिये हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिये गये होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में पीएम मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है।

साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रम्प ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और पीएम मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की वायु निकाल दी।

एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा।

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य है भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है।

भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्की और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वायदा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिये है, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है।

विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया।

यह बात जान लीजिए कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान की आतुरता का मुख्य कारण यह था कि उसे लगा कि पहले अपने अस्तित्व को बचाना आवश्यक है। वो उस नीति पर चल रहा था कि बचेंगे, तो भविष्य में लड़ेंगे। तो उसने अपना बचाव कर लिया है। और वह भविष्य में लड़ेगा यह मान कर चलिए। निकट समय में ही आपको किसी ने किसी आतंकवादी घटना का दुखद समाचार सुनने, देखने और पढ़ने को मिलेगा। पाकिस्तान रुकने वाला नहीं है। वास्तव में जिस दिन पाकिस्तान आतंकवाद रोक देगा, उसके अस्तित्व का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे सैन्य बल पाकिस्तान के चरित्र से परिचित हैं। इसलिए राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने तमाम अहम बातों के अलावा यह भी स्पष्ट कर दिया की ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित ही हुआ है। अर्थात् यह कि आतंक के विरुद्ध भारत का एक्शन जारी रहेगा।(राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

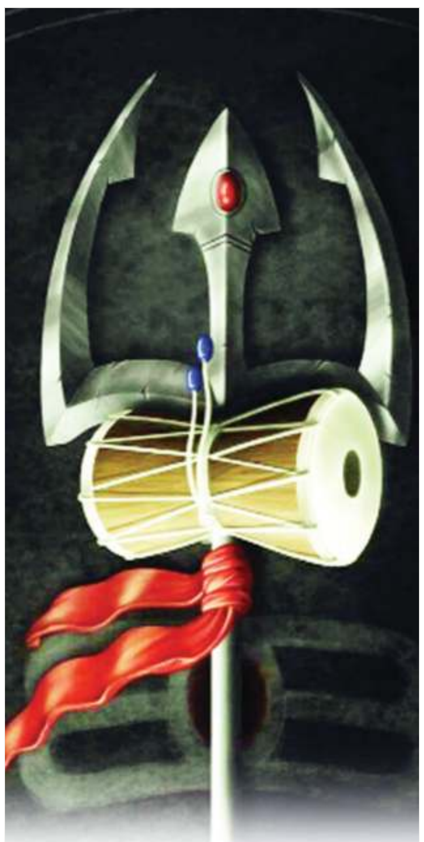

हर शिव मंदिर में रखे त्रिशूल पर क्यों बंधा होता है लाल कपड़ा?

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि हर शिवालय में भगवान शिव के प्रतीकों की स्थापना की जाती है। भगवान शिव के यूं तो कई प्रतीक हैं, लेकिन मुख्य रूप से हर शिव मंदिर में आपको त्रिशूल रखें अवश्य दिख जायेंगे।

शिव मंदिर में या तो त्रिशूल की स्थापना होती है या फिर त्रिशूल रखने का विशेष स्थान बनाया जाता है। वहीं, अगर आपने कभी गौर किया हो तो शिवालय में गढ़े या रखे त्रिशूल पर लाल रंग का कपड़ा बांधा जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि क्यों लाल कपड़े को त्रिशूल पर लपेटा जाता है और क्या है इसका महत्व।

त्रिशूल पर लाल कपड़ा क्यों बांधते हैं?

ऐसा माना जाता है कि लाल रंग का संबंध मंगल ग्रह से है और मंगल ग्रह की उत्पत्ति भगवान शिव की मुस्कान से हुई है। ऐसे में भगवान शिव के पुत्र के समान ही माने जाते हैं मंगल ग्रह। पौराणिक कथा कहती है कि मंगल ग्रह ने घोर तप करके भगवान शिव के समीप रहने का वरदान मांगा था। भगवान शिव ने जब मंगल ग्रह से कहा कि ग्रहों के चक्र से वह दूर हैं तो ऐसे में कैसे किसी ग्रह को वह अपने साथ रख सकते हैं तब मंगल ने भगवान शिव से आग्रह किया था कि मंगल के किसी प्रतीक को वह अपने किसी प्रतीक से जोड़ दें। तब शिव जी ने लाल रंग को अपने त्रिशूल से जोड़ा। भगवान शिव ने लाल रंग का कपड़ा लेकर अपने त्रिशूल से बांधा और तभी से यह प्रथा बन गई कि त्रिशूल पर लाल कपड़ा बांधा जाए। हालांकि ज्योतिष में इसका महत्व इस रूप में माना जाता है कि लाल रंग का कपड़ा त्रिशूल पर बांधने से मंगल ग्रह मजबूत होता है और दोष दूर हो जाता है।

बिना पंडित जी के गृह प्रवेश कैसे करें?

नया घर खरीदना जीवन में नए अध्याय जैसा होता है। वहीं नए घर में जाने के लिए सही समय और विधिवत पूजा करने का विधान है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का आगमन होता है।

हिन्दू धर्म में गृह प्रवेश बेहद महत्वपूर्ण और शुभ अनुष्ठान माना जाता है। गृह प्रवेश यानी कि नए घर में प्रवेश करने से पहले पूजा-पाठ करना। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर में सुख-समृद्धि का भी आगमन होता है। वहीं गृह प्रवेश करने के लिए ग्रह-नक्षत्रों का सही होना बेहद जरूरी है। गृह प्रवेश के माध्यम से भगवान गणेश और ग्रह देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। इससे घर में किसी प्रकार को कोई परेशानी नहीं आती है। ग्रह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त का होना अत्यंत जरूरी है। ग्रह प्रवेश के दौरान कई बार ऐसा होता है कि पंडित जी नहीं मिल पाते हैं। अब सवाल है कि बिना पंडित जी के गृह प्रवेश कैसे किया जाए। आइए विस्तार से जानते हैं।

बिना पंडित के इस विधि से करें गृह प्रवेश

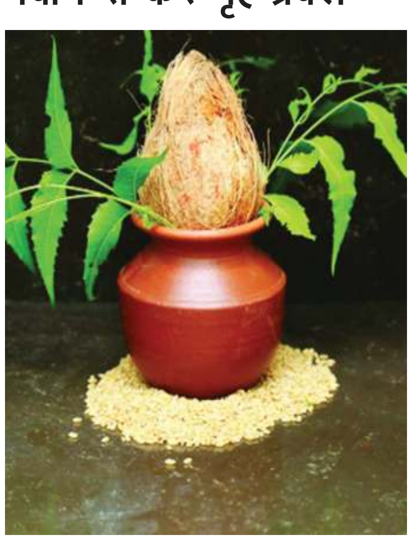

- सबसे पहले कलश स्थापना करना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। कलश में गंगाजल, चावल, सुपारी और एक रुपया भरें। नारियल को दो भागों में काटकर कलश के दोनों तरफ रखें।
- पश्चात सबसे पहले भगवान गणेश और कुलदेवता की पूजा करें।
- उसके बाद नौ ग्रहों, वास्तु देवता और ग्रह देवता की पूजा करें।
- पूजा करने के बाद आरती गाएं।

गृह प्रवेश के लिए सामग्री

- गंगाजल
- स्वस्तिक बनाकर रखने के लिए लाल रंग
- धूप ◗ दीपक ◗ फूल ◗ फल
- मिठाई ◗ नारियल ◗ चावल
- सुपारी ◗ कलश ◗ घी
- कुमकुम ◗ हल्दी ◗ पान

गृह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त

अगर आप गृह प्रवेश करना चाहते हैं, तो शुभ मुहूर्त के बारे में जानना बेहद जरूरी है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त में गृह प्रवेश किया जा सकता है। अभिजीत मुहूर्त दोपहर के मध्य भाग से 24 मिनट पहले शुरू होता है और 24 मिनट बाद समाप्त होता है। इसका मतलब है कि यह दिन के मध्य भाग में होता है।

गृह प्रवेश के लिए क्या है नियम?

- सबसे पहले सभी पूजन सामग्री को लेकर दाहिने पैर से घर में प्रवेश करें। घर में प्रवेश करते समय घर की महिलाओं को नारियल फोड़कर अंदर ले जाना चाहिए।
- नए घर में प्रवेश करते समय ऊँ मंत्र का जाप करें।
- पूजा घर में गंगाजल से छिड़काव करें।
- गंगाजल से छिड़काव करने के बाद भगवान गणेश का ध्यान करें।
- इस दौरान कीर्तन करना बेहद शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

नए घर में तुलसी का पौधा लेकर करें प्रवेश

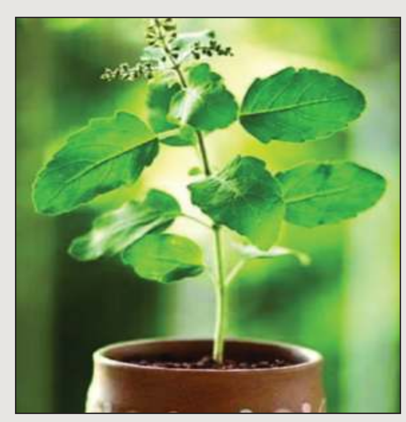

जब भी आप नए घर में प्रवेश करें आपके लिए जरूरी है कि सबसे पहले तुलसी का पौधा लेकर ही प्रवेश करें। यही नहीं गृह प्रवेश के साथ ही तुलसी का पौधा भी स्थापित कर दें और उसकी नियमित पूजा करें जिससे समृद्धि बनी रहती है और नकारात्मकता दूर होती है।

नए घर में करें हवन

अगर आप घर की कुशलता बनाए रखना चाहती हैं तो बहुत जरूरी है कि गृह प्रवेश के बाद घर में सभी लोग मिलकर एक बार हवन जरूर करें। हवन करने से घुएं के साथ सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह पूरे घर में होता है और खुशहाली बनी रहती है। यदि आप हवन के साथ कपूर जलाते हैं तो इसका भी बहुत अच्छा असर होता है और ये नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर रखने में मदद करता है। आपको नियमित रूप से आरती में कपूर का इस्तेमाल करने की सलाह भी दी जाती है।

नए घर में प्रवेश करते समय आजमाएं ज्योतिष के ये उपाय

नए घर में प्रवेश करते समय आपके मन में कई सवाल होते हैं। नए घर में कैसा होगा आपका भविष्य? किस दिशा में कौन सी चीज रखनी चाहिए? आपको किस तरह की चीजों को घर में रखना चाहिए? यही नहीं नए घर में आप कौन से उपाय आजमाकर खुशहाली ला सकते हैं। ऐसे कई सवालों के जवाब आपको ज्योतिष में मिल सकते हैं।

नए घर में प्रवेश करना एक नई शुरुआत का संकेत होता है और यह घड़ी हर किसी के जीवन में महत्वपूर्ण होती है। इस नई सफल यात्रा को शुभ बनाने के लिए, ज्योतिष विज्ञान बहुत उपयोगी हो सकता है। जब भी आप नए घर में प्रवेश कर रहे हैं प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त और तिथि का होना बहुत जरूरी माना जाता है। उस समय के अनुसार ज्योतिष उपाय करने से आप अपने नए अवसरों को सही दिशा में ला सकते हैं। ऐसे ही आपको ज्योतिष से जुड़े कुछ उपायों की आजमाने की सलाह भी दी जाती है जिससे नया घर आपके लिए शुभ साबित हो सके।

नए घर में प्रवेश के लिए करें शुभ मुहूर्त का चयन

नए घर में प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त का चयन करना बहुत महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। जब भी आप घर में प्रवेश करें आपको समय का विशेष ध्यान रखना चाहिए और मुहूर्त का विचार करके ही यहां प्रवेश करना चाहिए। ज्योतिष की मानें तो कुछ विशेष तिथियां और मुहूर्त ऐसे होते हैं जो आपके भविष्य के लिए शुभ फल प्रदान करते हैं और नये घर के प्रवेश को और भी शुभ बना सकते हैं।

गृह प्रवेश पूजा है जरूरी

ऐसा माना जाता है कि कभी भी जब आप नए घर में प्रवेश करें तो सबसे पहले गृह प्रवेश पूजा अवश्य करवाएं। गृह प्रवेश पूजा एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय उपाय है जो नए घर की सुरक्षा और शुभता बनाए रखने के लिए जरूरी मानी जाती है। आमतौर पर यह पूजा घर के स्वामी द्वारा ही की जाती है। इसके लिए मुख्य रूप से गणपति पूजन किया जाता है जिससे सकारात्मकता बनी रहे।

गायत्री मंत्र का करें जाप

आप जब भी नए घर में प्रवेश कर रहे हैं, उस घर के वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने के लिए लगातार तीन रविवार 108 बार गायत्री मंत्र का जाप करें। इससे आपके घर का वातावरण तो शुद्ध होता ही है और गायत्री मंत्र का जाप परिवार के लोगों को मानसिक शांति भी प्रदान करता है। यदि संभव है तो यह जाप घर के सभी सदस्यों को एक साथ मिलकर ही करना चाहिए।

घर की दक्षिण दिशा में लाल झंडा लगाएं

आप जब भी नए घर में प्रवेश करें ध्यान देने की जरूरत है कि आप घर की दक्षिण दिशा में लाल रंग का झंडा लगाएं। लाल रंग विजय और साहस का प्रतीक माना जाता है और यदि आप इस रंग का झंडा लगाते हैं तो यह घर की सभी नकारात्मक ऊर्जाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है और घर के लोगों के बीच सामंजस्य बनाने में मदद करता है। इसके प्रभाव से घर के भीतर किसी भी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता है।

नए घर के हर कोने की करें सफाई

आप जब भी नए घर में प्रवेश करें आपको इस बात का ध्यान देने की जरूरत है कि घर का कोई भी कोना गंदा नहीं होना चाहिए। किसी भी कोने में मकड़ी के जले नहीं लगे होने चाहिए। ये जाले आपके घर के लिए नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकते हैं।

श्री राम ही नहीं, ये दो योद्धा भी कर सकते थे रावण का वध

यह सत्य है कि रावण का वध श्री राम के हाथों होना ही लिखा था, लेकिन रामायण में ऐसे दो योद्धाओं का भी वर्णन मिलता है जो रावण का वध करने में सक्षम थे।

जब पृथ्वी पर रावण का अत्याचार बढ़ने लगा था तब भगवान विष्णु के सांतवे अवतार के रूप में भगवान श्री राम ने पृथ्वी पर जन्म लिया था। श्री राम ने एक-एक कर अपनी बाल्य अवस्था से ही दुष्टों का संहार करना शुरू कर दिया था और वह समय भी शीघ्र आया जब वनवास के दौरान श्री राम ने रावण का वध कर उसके दुराचार से सृष्टि को मुक्त किया। यह सत्य है कि रावण का वध श्री राम के हाथों होना ही लिखा था, लेकिन रामायण में ऐसे दो योद्धाओं का भी वर्णन मिलता है जो रावण का वध करने में सक्षम थे।

कौन-कौन कर सकता था रावण का वध?

रामायण में उल्लेख मिलता है कि रावण अति बलशाली था। रावण के पास अनेकों मायावी और आसुरी शक्तियां मौजूद थीं। रावण की हुंकार से क्या मनुष्य और क्या देवता, सभी थर-थर कांपते थे। रावण की असीमित शक्तियों और उसके मनुष्य के हाथों मरने के वरदान के कारण ही श्री राम पृथ्वी पर अवतरित हुए। हालांकि रामायण में यह भी बताया गया है कि दो ऐसे योद्धा थे जिनसे रावण कांपता था। रावण उन योद्धाओं से उलझने से भी डरता था क्योंकि कहीं न कहीं रावण को भी पता था कि वह योद्धा उसका वध करने की ताकत रखते थे। वह योद्धा थे- देवराज इंद्र का पुत्र बालि और भगवान शिव के अंश हनुमान जी।

असल में बालि को यह वरदान प्राप्त था कि जो भी उससे युद्ध करने आएगा, उसका आधा बल बालि के अंदर समाहित हो जाएगा। ऐसे में एक अबर रावण युद्ध करने पहुंचा तब वह बालि से युद्ध में हर गया और बालि 10 दिनों तक उसे अपनी बगल में दबाकर घूमता रहा। तब रावण बाल-बाल बचा था। ठीक ऐसे ही हनुमान जी भगवान शिव के अंशावतार होने के कारण परम शक्तिशाली थे और भगवान शिव की शक्तियां उनमें समाहित थीं। इस बात से से रावण भी अनिभिज्ञ नहीं था। इसी कारण से रावण ने कभी भी सीधे-सीधे हनुमान जी से युद्ध नहीं किया था।

संक्षिप्त समाचार

रूस के विदेश मंत्री बोले- भारत-चीन को लड़ाने की कोशिश में पश्चिमी देश, एशिया-प्रशांत क्षेत्र का नाम बदला

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को कहा कि पश्चिमी देश भारत और चीन को आपस में भिड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। लावरोव ने कल्चर विदआउट बॉर्डर्स क्लब के एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा- एशिया-प्रशांत क्षेत्र को पश्चिमी देश अब इंडो-पैसिफिक कहने लगे हैं। ऐसा करके वे अपनी नीति को चीन के खिलाफ साफ तौर पर दिखा रहे हैं। इससे वे हमारे दोस्त और पड़ोसी देश भारत और चीन को आपस में टकराने की कोशिश कर रहे हैं। लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश एशिया में आसियान को भी कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। आसियान दक्षिण-पूर्व एशिया के 10 देशों का समूह है, जो आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है। इन देशों में इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।

आईसीसी के मुख्य अभियोजक पर ट्रंप की पाबंदी, कामकाज में रुकावट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फरवरी में लगाए गए प्रतिबंधों की पृष्ठभूमि में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के मुख्य अभियोजक अपने ईमेल नहीं देख पा रहे हैं और उनके बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। ट्रंप द्वारा आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान पर फरवरी में लगाए गए प्रतिबंधों के बाद आईसीसी कर्मियों के सामने इस तरह की अड़चनें आ रही हैं। आईसीसी के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों, अंतरराष्ट्रीय वकीलों और मानवाधिकार अधिवक्ताओं के साथ साक्षात्कारों में ये बातें सामने आईं। हेग स्थित न्यायालय के अमेरिकी कर्मचारियों को कहा गया है कि अगर वे अमेरिका की यात्रा करते हैं तो उनकी गिरफ्तारी का खतरा है। कुछ गैर-सरकारी संगठनों ने आईसीसी के साथ काम करना बंद कर दिया है। ह्यूमन राइट्स वॉच की अंतरराष्ट्रीय न्याय निदेशक लिज इवनसन ने कहा, ये प्रतिबंध पीड़ितों को न्याय पाने से रोकेंगे।

फुटबॉल स्टेडियम के बाहर अनियंत्रित कार ने भीड़ को रौंदा

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में एक अनियंत्रित कार ने फुटबॉल स्टेडियम के बाहर मौजूद भीड़ को रौंद दिया। इस हादसे में 13 लोग घायल हुए हैं। यह हादसा बार्सिलोना में उस वक्त हुआ, जब स्पेनिश लीग टूर्नामेंट में बार्सिलोना का मुकाबला एस्पेनोल से हो रहा था। मैच शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही स्टेडियम के बाहर एक अनियंत्रित कार ने भीड़ को रौंद दिया। हादसे में घायल सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहीं बाकी लोगों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया। पुलिस ने कहा है कि यह जानबूझकर किया गया हमला नहीं था और कार चालक गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह हादसा हुआ।

ट्रंप के यूएसएआईडी के फंड में कटौती से जा रही बच्चों की जान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों यूएसएआईडी के फंड में कटौती करने का फैसला किया था। ट्रंप का यह फैसला दुनिया के कई बेहद गरीब इलाकों के बच्चों की जिंदगी पर भारी पड़ रहा है। गरीब देशों के कई कुपोषित बच्चों को यूएसएड के फंड में कटौती से खाना नहीं मिल पा रहा है, जिससे कई बच्चों की मौत हो चुकी है। खासकर बेहद गरीब अफ्रीकी देशों में इसका सबसे ज्यादा असर पड़ा है। ये देश जनकल्याणकारी कामों के लिए अमेरिकी मदद पर काफी निर्भर हैं। हालांकि इस साल ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिकी मदद में 90 प्रतिशत की कटौती कर दी है, जिससे अफ्रीकी देशों में हालात बिगड़ गए हैं। बच्चों के पोषण के लिए चल रहीं योजनाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं।

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम बोले

भारत-पाकिस्तान सीजफायर 18 मई तक बढ़ा

दावा- पाकिस्तान ने सीजफायर के लिए नहीं कहा, भारत पहले तैयार हुआ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बृहस्पतिवार को संसद में दावा किया कि पाकिस्तान और भारत के सैन्य अभियान महानिदेशकों ने सीजफायर पर चर्चा के लिए हॉटलाइन पर बात की। द डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच अब 18 मई को बातचीत होगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद सैन्य संघर्ष रोकने के लिए 10 मई को सहमति बनी थी। इसे 12 मई तक बढ़ाया गया और फिर 14 मई और फिर 18 मई तक किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक वार्ता होगी और सभी समस्याओं का हल निकालने पर बात की जाएगी। उन्होंने कहा- हमने पूरी दुनिया को साफ कर दिया है कि हम हर मुद्दे पर खुलकर और पूरी बातचीत करने के लिए तैयार हैं। डार ने यह भी दावा किया पाकिस्तान ने सीजफायर की कोई मांग नहीं की थी।

डार बोले- यूएस विदेश मंत्री के फोन के बाद युद्धविराम किया

एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक, डिप्टी पीएम डार ने दावा किया हाल ही में भारत के साथ हुए तनाव के दौरान पाकिस्तान ने सीजफायर की कोई मांग नहीं की थी। उनके मुताबिक, यह युद्धविराम तब शुरू हुआ जब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने फोन करके बताया कि भारत अब हमला रोकने के लिए तैयार है।

डार ने कहा कि पाकिस्तान ने शुरू से ही संयम बरता और किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई से पहले अपने सभी मित्र देशों को सूचित कर दिया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपने दोस्तों से साफ कहा था कि वह पहले हमला नहीं करेगा, लेकिन अगर भारत उकसाएगा, तो निश्चित रूप से जवाब देगा। इससे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने बुधवार को पंजाब प्रांत के सियालकोट पसरूर छावनी में पाकिस्तानी सैनिकों को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने भारत के अहंकार को धूल में मिला दिया है। डॉन न्यूज के मुताबिक पाक पीएम ने कहा- दुश्मन, जो हमसे बड़ा है, उसे इस बात पर घमंड था कि उसके पास अरबों डॉलर के मिलिट्री इक्विपमेंट हैं। हमने उसे बहुत बड़ा झटका दिया है। हम युद्ध और शांति दोनों के लिए तैयार हैं। चुनाव आपका (भारत) है। शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने पर भारत को चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा- अगर आप हमारा पानी रोकते हैं, तो यह हमारी रेड लाइन है। पानी पर हमारा हक है।

यूएन प्रस्ताव के मुताबिक कश्मीर मुद्दे का हल निकले

पाकिस्तान पीएम ने कहा कि कश्मीर मुद्दे को यूएन प्रस्ताव के मुताबिक सुलझाया जाना चाहिए और उसके बाद बिजनेस की बातचीत की जाएगी। भारत ने नीलम, झेलम में पाकिस्तान के जल संसाधनों पर हमला किया, लेकिन सरकार ने संयम दिखाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के जांच की मांग की थी और सहयोग करने पर सहमति जताई थी, लेकिन भारत ने रात के अंधेरे में हमला किया।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी घायल सैनिकों से हॉस्पिटल में मिले

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रावलपिंडी के मिलिट्री हॉस्पिटल में भारतीय हमले के दौरान घायल सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने इन सैनिकों की बहादुरी और देशभक्ति की प्रशंसा की। डॉन न्यूज के मुताबिक जरदारी ने कहा कि देश ने दुश्मन के हमलों का डटकर मुकाबला किया। मोदी सरकार राजनीतिक मकसद के लिए पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामकता का इस्तेमाल करना चाहती है।

ट्रंप का पश्चिम एशिया दौरा पूरा; कई नेताओं से मिले, धार्मिक स्थल पर भी गए अमेरिकी राष्ट्रपति

अबू धाबी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पश्चिम एशिया पूरा हो गया है। अपने दौरे के दौरान ट्रंप ने कई मुलाकातें की और कई अहम जगहों का दौरा भी किया। जिसमें अब्राहमिक फैमिली हाउस का दौरा भी शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पश्चिम एशिया दौरे का समापन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में किया। अपने दौरे के आखिरी दिन ट्रंप ने एक कारोबारी सम्मेलन में हिस्सा लिया और उसके बाद एक विशेष धार्मिक स्थल - अब्राहमिक फैमिली हाउस का दौरा किया। यह धार्मिक स्थल एकता और सहिष्णुता का प्रतीक है, जहां एक साथ एक मस्जिद, एक चर्च और एक सिनेगॉग (यहूदी उपासना स्थल) मौजूद हैं। इसे अब्राहम अकॉर्ड्स के तहत बनाया गया था, जो एक ऐतिहासिक समझौता है। इसके तहत यूएई और कुछ अन्य अरब देशों ने इस्राइल को आधिकारिक रूप से मान्यता दी थी। यह तीन प्रमुख धर्मों – इस्लाम, ईसाई धर्म और यहूदी धर्म – को जोड़ने वाला एक प्रतीक स्थल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अबू धाबी में शुक्रवार सुबह एक व्यापारिक बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में उन्होंने यूएई के व्यापार जगत के प्रमुख लोगों से मुलाकात की। इस दौरान व्यापार और निवेश से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

वहीं ट्रंप की मौजूदगी के दौरान अबू धाबी की सरकारी एयरलाइन एतिहाद एयरवेज ने घोषणा की कि वह 28 बोइंग विमान खरीदेगी। इनमें बोइंग 787 और 777एक्स मॉडल के विमान शामिल हैं। यह सभी विमान जीई इंजन से लैस होंगे और इनके साथ एक सेवाओं से जुड़ा पैकेज भी मिलेगा। हालांकि बोइंग कंपनी की ओर से अभी तक इस सौदे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस सौदे को अमेरिका और यूएई के बीच बढ़ते व्यापारिक संबंधों का संकेत माना जा रहा है। ट्रंप इससे पहले सऊदी अरब और कतर भी गए थे, जहां कतर ने अपनी एयरलाइन कतर एयरवेज के लिए बोइंग विमानों का एक बड़ा ऑर्डर दिया।

डोनाल्ड ट्रंप के इस दौरे के दौरान वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में हिंसा की घटनाएं भी हुईं। गाजा में 120 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। हालांकि ट्रंप की ओर से इस पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं आई।

सऊदी अरब के अलावा कई मुसलमान देशों ने खदेड़े पाकिस्तानी भिखारी, 5000 है आंकड़ा; संसद में बताया

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब से बीते साल जनवरी से अब तक 5033 पाकिस्तानी भिखारियों को वापस भेजा गया है। यह जानकारी पाकिस्तान की संसद में गृह मंत्री मोहसिन नकवी की ओर से दी गई है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा बीते 16 महीनों का है। यही नहीं उनकी ओर से बताया गया कि सऊदी अरब के अलावा पाकिस्तान से लोग मलेशिया, इराक, यूएई, ओमान और कतर जैसे देशों में भी भीख के लिए जाते हैं। ये सभी इस्लामिक मुल्क हैं और पाकिस्तान के गरीब तबके के लोगों को लगता है कि यहां भीख मांगकर भी गुजारा किया जा सकता है। सऊदी अरब तो हर साल ही हजारों पाकिस्तानी भिखारियों को वापस भेजता है। उसने पाक सरकार से भी कहा था कि इन्हें रोकने के लिए कदम उठाएं। मंत्री ने बताया कि सऊदी अरब, इराक, मलेशिया, ओमान, कतर और यूएई से कुल 5402 भिखारियों को वापस भेजा गया है। यह आंकड़ा जनवरी 2024 से अब तक का है। इनमें से 4850 लोगों को सऊदी अरब समेत इन देशों ने 2024 में वापस भेज दिया था। इसके अलावा 552 पाकिस्तानी भिखारियों को इस साल ही लौटाया गया है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान से गए ज्यादातर भिखारी सऊदी अरब ही जाते हैं। इसकी वजह यह है कि वे वहां मक्का और मदीना के आसपास बैठते हैं। वहां ये दुनिया भर से आने वाले जायरीनों से भीख मांगते हैं। मजहबी यात्रा पर निकले लोग अकसर उन्हें भीख दे भी देते हैं और इसके चलते पाकिस्तान से बड़ी संख्या में लोग भीख मांगने के मकसद से ही पहुंचते रहे हैं, जिस पर सऊदी अरब ने भी सख्त ऐतराज कई बार जताया है।

पाकिस्तान के इस राज्य से सबसे ज्यादा सऊदी अरब जाते हैं भिखारी

पाकिस्तान की संसद में जो आंकड़ा पेश किया गया है, उसके अनुसार भीख मांगने के लिए जाने वालों में सबसे ज्यादा लोग पाकिस्तान के सिंध प्रांत के हैं। सिंध से अकेले सऊदी अरब जाने वालों की संख्या ही 2,428 है। इसके अलावा पंजाब से 1098 गए और खैबर पख्तूनख्वा से 819 लोग चले गए। बलूचिस्तान से 117 लोग सऊदी अरब गए। यह उन भिखारियों का डेटा है, जिन्हें वापस भेजा गया है। माना जा रहा है कि संख्या और अधिक हो सकती है क्योंकि ऐसे भी लोग हैं, जो अब भी वहां भीख मांग रहे हैं। पाकिस्तान से लोग इराक जैसे देश में भी भीख मांगने के लिए गए, यह चौंकाने वाला तथ्य है। ऐसा इसलिए क्योंकि इराक खुद ही बुरे हालातों से गुजर रहा है और वहां भी पाकिस्तानियों का भीखना मांगना उनकी बदहाली को बयां करता है।

लंदन में भगोड़े नीरव मोदी की जमानत याचिका खारिज

लंदन, एजेंसी। पीएनबी घोटाला मामले में मुख्य आरोपी भगोड़े नीरव मोदी की जमानत याचिका खारिज की गई है। लंदन की किंग्स बेंच डिवीजन हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद इसे खारिज किया। भारत की ओर से सीबीआई के वकील ने नीरव की दलीलों का विरोध किया था। नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक से लोन लेकर करीब 14 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। घोटाला सामने आने के बाद वह जनवरी 2018 में देश छोड़कर फरार हो गया था। नीरव को साउथ-वेस्ट लंदन से 19 मार्च, 2019 को गिरफ्तार किया गया था। तभी से वो वहां की जेल में है। भारत में नीरव के खिलाफ धोखाधड़ी के तीन केस हैं। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ धोखाधड़ी का सीबीआई मामला। दूसरा, पीएनबी मामले मनी लॉन्ड्रिंग का केस और तीसरा सीबीआई की कार्रवाई में सबूतों और गवाहों के साथ छेड़छाड़ का मामला है। फरवरी 2021 में ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में नीरव के प्रत्यर्पण पर सुनवाई की थी। कोर्ट ने भी नीरव को भारत भेजने की मंजूरी दे दी थी। इसके बाद 15 अप्रैल 2021 को ब्रिटेन की होम सेक्रेटरी प्रीति पटेल ने भी नीरव के प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। इसके बाद लंदन हाईकोर्ट ने नीरव के प्रत्यर्पण का फैसला सुनाया था। हालांकि, अन्य कानूनी प्रक्रिया के चलते नीरव का प्रत्यर्पण अब तक नहीं हो पाया है।

कब और कैसे हुआ था पीएनबी घोटाला?– घोटाले की शुरुआत पीएनबी की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच से 2011 में हुई। फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग्स (एलओयू) के जरिए घोटाला किया गया। साल 2011 से 2018 के बीच हजारों करोड़ की रकम विदेशी खातों में ट्रांसफर की गई। फ्रॉड का खुलासा फरवरी 2018 के पहले हफ्ते में हुआ। पंजाब नेशनल बैंक ने सेबी और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को 11,356 करोड़ रुपए के घोटाले की जानकारी दी। बाद में पीएनबी ने 1,300 करोड़ के नए फ्रॉड के बारे में सीबीआई को बताया।

1992 में हुई थी प्रत्यर्पण संधि– भारत और ब्रिटेन के बीच 22 सितंबर 1992 को प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर हुए थे, लेकिन पहले आरोपी को भारत लाने में 24 साल का वक्त लग गया। हत्या के आरोपी समीरभाई वीनूभाई पटेल को 19 अक्टूबर 2016 को प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया था। उसके बाद फरवरी 2020 में संजीव कुमार चावला को भारत लाया गया। संजीव को मैच फिक्सिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। यानी, ब्रिटेन के साथ प्रत्यर्पण संधि हुए 28 साल से ज्यादा बीत गए हैं, लेकिन अब तक सिर्फ दो आरोपियों को ही लाने में कामयाबी मिली है। भारत से तीन आरोपियों को ब्रिटेन भेजा गया है। अभी तक तीन आरोपियों को भारत से ब्रिटेन भेजा गया है। सबसे पहले 8 जुलाई 2009 को सोमैया केतन सुरेंद्र को प्रत्यर्पित किया गया था, जो केन्याई नागरिक थे। उन्हें धोखाधड़ी के मामले में भेजा गया था। उसके बाद किडनैपिंग के मामले में गिरफ्तार किए गए कुलविंदर सिंह को 14 नवंबर 2013 को ब्रिटेन को सौंपा गया।

भूकंप में ढही बैंकॉक की इमारत बनाने वालों पर शिकंजा, धांधली के आरोपों के बाद बिल्डर का आत्मसमर्पण

बैंकॉक, एजेंसी। मार्च महीने के अंत में म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंप के कारण बैंकॉक में एक गगनचुंबी इमारत गिरने के मामले में धांधली के आरोपों के बाद उसे बनाने वाले बिल्डर ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इस भूकंप में म्यांमार और थाईलैंड में करीब पांच हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। म्यांमार में इस साल 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप के कारण थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक ऊंची इमारत के ढहने के मामले में एक दिग्गज बिल्डर, डिजाइनर और इंजीनियर्स ने शुक्रवार को आपराधिक लापरवाही के आरोप में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

मामले में बैंकॉक के उप पुलिस प्रमुख नोप्पासिन पूनसावत ने बताया कि भवन परियोजना के मुख्य थाई ठेकेदार, इटालियन–थाई डेवलपमेंट कंपनी के अध्यक्ष प्रेमचाई कर्णसुता, डिजाइनर्स और इंजीनियर्स समेत 17 लोगों पर पेशेवर लापरवाही के कारण मौत का आरोप लगाया गया है। अब इस हादसे को लेकर पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है, जिसमें 92 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, जिन लोगों पर आरोप है, उन्होंने पुलिस के सामने जाकर आरोपों से इनकार किया है। इनमें से कई ने पहले भी मीडिया में आरोपों को झूठा बताया था। 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप का केंद्र म्यांमार था, लेकिन उसका असर थाईलैंड में भी महसूस हुआ। इस दौरान सिर्फ यही एक इमारत गिरी। इसमें काम कर रहे दर्जनों मजदूर और कर्मचारी मलबे में दब गए, जिसमें कुल 92 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कुछ लोग अब भी लापता हैं।

इशाक डार ने अपनी ही संसद में फर्जी खबर के जरिए दिखाया बड़बोलापन

पाकिस्तानी मीडिया ने ही खोल दी पोल

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत से संघर्ष में मात खाने के बाद पाकिस्तानी सेना फर्जी प्रोपेगैंडा कर अपने देश की जनता की नजरों में हीरो बनने की कोशिश में जुटी है। इसके लिए सोशल मीडिया पर कई फर्जी तस्वीरें और दावे साझा किए जा रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री तो वहां की संसद में भी फर्जी दावा कर गए, लेकिन फैक्ट चेक में पकड़े जाने के बाद उनकी खूब किरकिरी हो रही है।

पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने पाकिस्तानी सीनेट में एक विदेशी अखबार की फर्जी तस्वीर का जिक्र कर झूठा दावा किया कि पाकिस्तानी वायुसेना संघर्ष में भारतीय वायुसेना पर भारी पड़ी। इस दौरान पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने ब्रिटिश अखबार डेली टेलीग्राफ के एक लेख की तस्वीर का हवाला दिया। हालांकि पाकिस्तानी मीडिया ने ही अपने विदेश मंत्री के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। फैक्ट चेक में विदेशी अखबार की तस्वीर फर्जी निकली है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने गुरुवार को पाकिस्तानी सीनेट में बताया कि ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ ने लिखा कि पाकिस्तानी वायुसेना, आकाश में निर्विवाद किंग रही। इस पर पाकिस्तान के एक जाने-माने अखबार डॉन ने ही फैक्ट चेक कर अपने विदेश मंत्री के दावे को खारिज कर दिया। अखबार ने बताया कि इशाक डार ने जिस खबर का जिक्र किया, वह फर्जी है और वह सिर्फ सोशल मीडिया पर वायरल एक फर्जी तस्वीर है। पाकिस्तानी अखबार ने वायरल तस्वीर की जांच की तो उसे तस्वीर में कई खामियां नजर आईं। जांच में पता चला कि डेली टेलीग्राफ ने ऐसी कोई खबर प्रकाशित ही नहीं की।

पाकिस्तानी अखबार ने फैक्ट चेक के जरिए पता लगाया कि वायरल तस्वीर में जो लेख है, उसमें स्पेलिंग की गलतियां थीं, जो एक प्रतिष्ठित अखबार के संपादकीय में नहीं हो सकतीं। पेज का लेआउट भी डेली टेलीग्राफ से मेल नहीं खाता। पाकिस्तान के कई अन्य पत्रकारों ने भी इस तस्वीर का फैक्ट चेक किया और इस खबर को फर्जी पाया। एक यूजर ने डेली टेलीग्राफ की तस्वीर को एआई जेनरेट बताया और संसद में दिए उप-प्रधानमंत्री के दावे को शर्मनाक करार दिया। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत से बुरी तरह से मात खाने के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार अपने देश में फर्जी प्रोपेगेंडा चला रहे हैं ताकि जनता की नजरों में हीरो बनकर बेइज्जती से बचा जा सके। उल्लेखनीय है कि कई अंतरराष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में भारत को विजेता बताया है और दावा किया कि पाकिस्तानी वायुसेना, भारतीय वायुसेना के सामने कहीं न टिक सकी। भारत ने पूरी सटीकता और सुनियोजित तरीके से हमले किए, जबकि पाकिस्तानी वायुसेना के ड्रोन और लड़ाकू विमान हवा में ही तबाह कर दिए गए। भारत ने पाकिस्तान के कई सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया, जिसमें उनके कई अहम एयरबेस को भारी नुकसान हुआ। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत के साथ बातचीत की अपील की है। इशाक डार का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम चल रहा है। पाकिस्तानी सीनेट में इशाक डार ने दावा किया कि सैन्य स्तर पर हुई बातचीत में संघर्षविराम 18 मई तक बढ़ गया है।

न्यूयॉर्क सीनेट में भारतीय संविधान का सम्मान, 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रस्ताव पारित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क की सीनेट में औपचारिक रूप से भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसका सम्मान करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में भारतीय संविधान को राष्ट्र के रूप में भारत की निरंतर प्रगति के लिए एक मार्गदर्शक ढांचे के रूप में मान्यता दी गई है और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों का जश्न मनाया गया। न्यूयॉर्क स्टेट सीनेटर जेरेमी कूनी ने यह प्रस्ताव पेश किया। जेरेमी कूनी वर्तमान में न्यूयॉर्क स्टेट सीनेट में सेवारत भारतीय मूल के एकमात्र सदस्य हैं। कूनी के प्रस्ताव को बुधवार को एक समारोह में पारित किया गया। इस कार्यक्रम में न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत बिनय प्रधान के साथ-साथ न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोग भी शामिल हुए। जेरेमी कूनी ने कहा, मैं भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के सम्मान में यह प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, यह भारतीय स्वतंत्रता और उन कई बहादुर भारतीयों का जश्न मनाने का समय है, जिन्होंने अपने देशवासियों की भलाई के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। जेरेमी कूनी ने कहा कि यह दिन सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मनाया जाना चाहिए। पूरी दुनिया में भारतीय अपने समुदायों में स्थायी प्रभाव डाल रहे हैं।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। इससे पहले बीते कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 फीसदी उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार में नरमी के साथ क्लोजिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ 25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ। आइए जानते हैं बाजार का हाल।

अप्रैल 2025 में भारत की बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत

सरकार ने पहली बार जारी किए मासिक आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि अप्रैल 2025 के दौरान सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत रही। इस दौरान, पुरुषों में बेरोजगारी की दर 5.2 प्रतिशत रही, जबकि महिलाओं में यह दर 5 प्रतिशत रही। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

देश में पहली बार जारी मासिक बेरोजगारी के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल महीने में इसकी दर 5.1 प्रतिशत रही। गुरुवार को सरकार की ओर से इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय पर निगरानी करने के प्रयासों के तहत पहला मासिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया। अब तक श्रम बल सर्वेक्षण तिमाही क्षेत्रों में भागीदारी दर 58.0 प्रतिशत थी जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 50.7 प्रतिशत थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों में एलएफपीआर क्रमशः 79.0 प्रतिशत और 75.3 प्रतिशत थी। अप्रैल 2025 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं में श्रम बल भागीदारी की दर 38.2 प्रतिशत थी।

एलएफपीआर जनसंख्या में श्रम बल (अर्थात् काम करने वाले, काम की तलाश करने वाले या काम के लिए उपलब्ध) में शामिल व्यक्तियों के प्रतिशत को संदर्भित करता है। जबकि श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) कुल जनसंख्या में कार्यरत लोगों के अनुपात को परिभाषित करता है।

आंकड़ों के अनुसार अप्रैल माह में ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में डब्ल्यूपीआर 55.4 प्रतिशत थी। शहरी

के साथ-साथ वार्षिक आधार पर भी जारी किया जाता था।

साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्र किए गए नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि अप्रैल 2025 के दौरान सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत रही। इस दौरान, पुरुषों में बेरोजगारी की दर 5.2 प्रतिशत रही, जबकि महिलाओं में यह दर 5 प्रतिशत रही।

देश भर में 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर अप्रैल में 13.8 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 17.2 प्रतिशत थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 12.3 प्रतिशत थी। अध्ययन से यह भी पता चला कि 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर (यूआर) पूरे देश में (ग्रामीण+शहरी) 14.4 प्रतिशत थी। जबकि शहरों में यह 23.7 प्रतिशत और गांवों में 10.7 प्रतिशत थी। देश में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर 13.6 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शहरों में यह 15 प्रतिशत और गांवों में 13 प्रतिशत थी। आंकड़ों से यह भी पता चला कि अप्रैल 2025 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 55.6 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात 47.4 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर समग्र डब्ल्यूपीआर पिछले महीने 52.8 प्रतिशत दर्ज की गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं में डब्ल्यूपीआरक्रमशः 36.8 प्रतिशत और 23.5 प्रतिशत थी। देश स्तर पर समान आयु वर्ग की समग्र महिला डब्ल्यूपीआर 32.5 प्रतिशत थी। उन्नत कवरेज के साथ उच्च आवृत्ति वाले श्रम बल संकेतकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, जनवरी 2025 से पीएलएफएस की नमूना पद्धति में सुधार किया गया है। अप्रैल 2025 के दौरान देश भर में कुल 7,511 प्रथम चरण नमूना इकाइयों का सर्वेक्षण किया गया है।

सर्वेक्षण में शामिल परिवारों की संख्या 89,434 थी (ग्रामीण क्षेत्रों में 49,323 और शहरी क्षेत्रों में 40,111) और सर्वेक्षण किए गए लोगों की संख्या 3,80,838 थी (ग्रामीण क्षेत्रों में 2,17,483 और शहरी क्षेत्रों में 1,63,355)। उधर, भारत का वस्तु निर्यात अप्रैल में 9.03 प्रतिशत बढ़कर 38.39 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 35.3 अरब डॉलर था।

तुर्किये-अजरबैजान से कारोबार करें या नहीं, तय करेंगे देशभर के व्यापारी

कैट ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली , एजेंसी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की आज बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में देशभर के व्यापार यह तय करेंगे कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार किया जाए या नहीं।

देशभर के व्यापारियों ने पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार खत्म करने की योजना बनाई है। इस पर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापारी नेताओं की शुक्रवार को बुलाई गई बैठक में फैसला हो सकता है। तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने से दोनों देशों को अरबों डॉलर का नुकसान होगा।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, जो भी देश भारत के खिलाफ है, उसके साथ व्यापार करने का कोई सवाल ही नहीं है। यह देश के व्यापारियों के लिए अपनी देशभक्ति दिखाने का उचित समय है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए यह बैठक बुलाई गई है, जिसमें तुर्किये और अजरबैजान से व्यापारिक रिश्ते खत्म करने पर फैसला लिया जाएगा। साथ ही, भारतीय सेना के शोर्य और पराक्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाला जाएगा।

खंडेलवाल ने कहा, कैट लंबे समय से चीनी उत्पादों के बहिष्कार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चला रहा है, जिसका काफी असर देखने को मिला है। ऐसा ही अभियान अब तुर्किये और अजरबैजान के उत्पादों के खिलाफ चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, व्यापारिक बहिष्कार के कारण तुर्किये व अजरबैजान को अरबों डॉलर का नुकसान होगा और दोनों देशों को भारत के खिलाफ खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री ने यह भी कहा, हमने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों विशेष रूप से इंडिगो और तुर्किये एयरलाइंस के बीच कोड शेयरिंग समझौते की फिर से जांच की जानी चाहिए। साथ ही, इसे रद्द किया जाना चाहिए।

पुणे समेत देशभर के के व्यापारियों ने भारत की ओर से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले की आलोचना करने वाले तुर्किये से आयात रोकने का फैसला किया है। वहीं, पुणे के व्यापारियों ने तुर्किये सेब और सूखे मेवों का आयात रोक दिया है और अन्य आयातित उत्पादों के भी बहिष्कार का फैसला किया है।

पुणे के कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारियों ने विरोध में बृहस्पतिवार को तुर्किये से आयात किए गए सेबों को सड़क पर फेंक दिया। पुणे के व्यापारी तुर्किये से सेब, लीची, आलूबुखारा, चेरी और सूखे मेवे आयात करते हैं। सिर्फ सेब का आयात ही करीब 1,200 करोड़ रुपये का होता है।

व्यापारी को पाकिस्तान से मिली धमकी

तुर्किये से सेब आयात बंद करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद पुणे के एक फल व्यापारी को पाकिस्तान से धमकी मिली है। कृषि उपज मंडी समिति के व्यापारी सुयोग जेंडे ने बताया, सुबह करीब 9 बजे वॉयस मैसेज मिला, जिसमें भारत के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था और कहा गया कि हम पाकिस्तान या तुर्किये का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। मैंने इस धमकी का जवाब वॉयस मैसेज से दिया। जेंडे ने बताया, इस मामले को लेकर व्यापारी पुणे पुलिस आयुक्त से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं।

भोपाल नीति संवाद में मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कृषि में केंद्रित जलवायु कार्रवाई की दी जोरदार वकालत

भोपाल। जलवायु परिवर्तन को भारतीय कृषि के लिए एक तात्कालिक और गंभीर संकट बताते हुए, मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को भोपाल में आयोजित क्षेत्रीय नीति संवाद- जलवायु परिवर्तन और इसका कृषि पर प्रभाव विषयक कार्यक्रम में जलवायु चेतना और सामूहिक प्रयासों को गति देने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का उल्लेख करते हुए कहा, जलवायु की चुनौतियाँ हम सभी के सामने हैं और इसमें हर व्यक्ति की भूमिका है।

टाटा मोटर्स और वर्टेलो ने इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों के लिए आकर्षक लीजिंग

समाधान पेश करने के लिए किया एमओयू

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनीटाटा मोटर्सने विशेष इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान प्रदातावर्टेलोके साथ एकसमझौता ज्ञापन (एमओयू)पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य देशभर में ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों को और अधिक सुलभ बनाना है। इस साझेदारी के तहत, वर्टेलो फ्लीट मालिकों को कस्टमाइज्ड लीजिंग समाधान देगा, जिससे वे बिना रुकावट इलेक्ट्रिक और स्थायी परिवहन की ओर बढ़ सकें। यह समाधान टाटा मोटर्स के पूरे इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो पर लागू होंगे। इस साझेदारी की घोषणा करते हुएटाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड - ट्रक्स, श्री राजेश कौलने कहा,टाटा मोटर्स का उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सभी के लिए सुलभ बनाना है। वर्टेलो के साथ यह सहयोग हमारे आधुनिक

इलेक्ट्रिक वाहनों को ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचाएगा। इससे न केवल पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को अपनाने की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि देश में एक मजबूत ईवी ईकोसिस्टम को भी मजबूती मिलेगी।

वर्टेलो के सीईओ श्री संदीप गंभीरने कहा,हम टाटा मोटर्स के साथ साझेदारी करके बसों, ट्रकों और मिनी ट्रकों जैसी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को तेजी से अपनाने में सहयोग कर रहे हैं। यह सहयोग विशेष लीजिंग समाधानों और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देगा, जिससे कमर्शियल वाहन ऑपरेटरों के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एक स्वाभाविक विकल्प बन सकेगा। यह साझेदारी बड़े पैमाने पर पर्यावरण-अनुकूल समाधान तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में क्रेनबेरी का शौक: विदेशी आयात से लेकर दैनिक सुपरफ्रूट तक का सफर

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेनबेरी, जो कभी पश्चिमी देशों का फल माना जाता था, आज भारतीय रसोई, सेहतमंद दिनचर्या और सोशल मीडिया फीड्स का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। विदेशी सेहतमंद फल अब सुपरमार्केट में बहुतायत में मिल रहा है और फ्यूज़न बिरयानी, लड्डू और लस्सी की रेसिपी में शामिल होकर तेजी से भारत का नया सुपरफ्रूट बनता चला जा रहा है। इसबी बढ़ती लोकप्रियता को आँकड़े प्रमाणित करते हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ कमर्शियल इंटैलिजेंस एंड स्टेटिस्टिक्स (डीजीसीआईएस) के मुताबिक भारत में क्रेनबेरी का आयात पिछले दो वित्तवर्षों में 52.28 प्रतिशत बढ़ा, और वित्तवर्ष 2021-22 में 2080 मीट्रिक टन से बढ़कर वित्तवर्ष 2023-24 में 3166 मीट्रिक टन तक पहुँच गया। अमेरिका की क्रेनबेरी में यह वृद्धि और भी ज्यादा है। इसका निर्यात समान अवधि में 61.85 प्रतिशत बढ़ा। इसलिए भारत में क्रेनबेरी के बढ़ते आयात में सबसे बड़ा योगदान अमेरिका दे रहा है।

इस वृद्धि में द क्रेनबेरी इंस्टीट्यूट द्वारा केंद्रित और रणनीतिक बढ़ावे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह संस्था विश्व में अमेरिकी क्रेनबेरी उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करती है।

न्युवोको ने छत्तीसगढ़ के रिस्दा सीमेंट प्लांट में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

रिस्दा, (छत्तीसगढ़)। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, क्षमता के मामले में भारत का पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह, रिस्दा, छत्तीसगढ़ के रिस्दा सीमेंट प्लांट में महिलाओं के लिए मासिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर रहा है। यह शिविर सरकारी स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रोजेक्ट तारा के तहत न्युवोको की इस महत्वपूर्ण सीएसआर पहल स्वस्थ भारत के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाता है। स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा (क्वालिटी हेल्थकेयर) की उपलब्धता को आसान बनाना है। इनमें मातृ स्वास्थ्य, पुरानी बीमारियों का जल्द पता लगाना, स्वच्छता जागरूकता और पोषण शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इस दौरान महिलाओं को निवारक, डायग्नोस्टिक और थेरेप्यूटिक केयर प्रदान करके, ये शिविर सुविधाओं से वंचित समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवा की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक शिविर में एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया का पालन किया जाता है, जिसकी शुरुआत रजिस्ट्रेशन और बायोमेट्रिक स्क्रीनिंग (वजन, ऊंचाई, ब्लडप्रेशर और शुगर लेवल सहित) से होती है, इसके बाद लैबोरेट्री टेस्टों और गाइनोकॉलोजिस्ट द्वारा व्यापक कंसल्टेशंस होता है। मेडिकल जांच के बाद, निःशुल्क दवाइयां और न्यूट्रीशन किट प्रदान की जाती हैं। शिविर नियमित रूप से रिस्दा सीमेंट प्लांट के पास के 8 से 10 गांवों की महिलाओं की सेवा करते हैं जिनमें रिस्दा, कुकुरदी, ढंढनी, परसाभादर, सेमराडीह, कोकड़ी, भाटागांव, ठेलकी, चंपा, सैहा, दशरमा, खैरवरडीह, करमांधी शामिल हैं।

रवीश गाला, प्लांट हेड, रिस्दा सीमेंट प्लांट ने कहा, न्युवोको में, हमारा लक्ष्य आसपास रहने वाले समुदायों के साथ साझेदारी के माध्यम से सार्थक बदलाव लाना है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता और साझा मूल्य में वृद्धि हो। यह

भारतीय उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट, इंटेलीजेंट और शानदार स्क्रीन लेकर आया

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपने 2025 के अल्ट्रा-प्रीमियम टीवी मॉडलों को लॉन्च किया। इनमें नियो क्यूएलईडी 8के, नियो क्यूएलईडी 4च, ओएलईडी, क्यूएलईडी टीवी और द फ्रेम शामिल हैं। इन टीवी में नई सैमसंग विजन एआई टेक्नोलॉजी दी गई है, जो अगली पीढ़ी की एआई क्षमताओं के साथ शानदार होम एंटरटेनमेंट का अनुभव देती है। यह तकनीक टीवी को स्मार्ट बनाती है, जिससे रोजमर्रा का जीवन और बेहतर होता है। सैमसंग ने एक बार फिर अपनी इनोवेशन की प्रतिबद्धता दिखाई है। विप्लेश डांग, सीनियर डायरेक्टर, विजुअल डिस्प्ले बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, ''भारतीय घरों में टीवी की भूमिका बदल गई है - अब यह सिर्फ कंटेंट देखने के लिए नहीं, बल्कि स्मार्ट और कनेक्टेड जीवनशैली के लिए है। सैमसंग विजन एआई के साथ, हमारी अब तक की सबसे बड़ी प्रीमियम टीवी रेंज में, हम भविष्य के लिए तैयार टीवी अनुभव दे रहे हैं, जो शानदार तस्वीरों से कहीं आगे है।

भारत के अकाउंटेंट्स में प्रबल हुई उद्यमशीलता की भावना

63 प्रतिशत की नजर स्टार्टअप पर

मुंबई , एजेंसी। एसीसीए (एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स) का नवीनतम वार्षिक वैश्विक टैलेंट ट्रेंड सर्वेक्षण 2025, अकाउंट और फाइनेंस पेशेवरों के बीच बदलते दृष्टिकोण के प्रति नियोक्ताओं को सचेत करता है, तथा यह इस बारे में एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करता है कि लोग कार्यस्थल पर अपने जीवन और भविष्य की करियर आकांक्षाओं के बारे में कैसा महसूस करते हैं। अपने तीसरे वर्ष में, यह दुनिया भर में अकाउंटेंसी और वित्त पेशेवरों का सबसे बड़ा वार्षिक टैलेंट सर्वे है। भारत सहित 175 देशों के 10,000 से अधिक व्यक्तियों ने करियर महत्वाकांक्षाओं, हाइब्रिड वर्किंग और समावेशिता प्रथाओं से लेकर अपस्किलिंग, मानसिक स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी मुद्दों पर हमारे सर्वे में जवाब दिया। इंडिया टैलेंट ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट देश से प्राप्त निष्कर्षों के बारे में पूरी जानकारी देती है।

रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज किया शानदार प्रदर्शन

मुंबई। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में शुमार रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आरएनएलआईसी) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने प्रमुख प्रदर्शन मापदंडों में स्थिरता और उत्कृष्टता का परिचय दिया, साथ ही ग्राहक–केंद्रित दृष्टिकोण और परिचालन दक्षता को और मजबूत किया। वित्तीय वर्ष 2024–25 में, आरएनएलआईसी ने 247 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) हासिल किया, जो पिछले वर्ष (2023–24 में 198 करोड़ रुपये) की तुलना में 25 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां 38,725 करोड़ रुपये तक पहुंची।

सामंथा ने अपने मुश्किल वक्त को किया याद

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। वो अपने तलाक से लेकर अपने स्वास्थ्य तक पर खुलकर बोलती हैं। अब अभिनत्री ने अपने उन दिनों को याद किया जब कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जा रहा था और वो काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें सबसे बुरे ख्याल आते थे। फिर कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला, इसके बारे में भी उन्होंने बात की।

'एक साल काफी कठिन था'

हाल ही में गलाटा प्लस के साथ बातचीत में सामंथा ने अपने परेशान करने वाले दौर का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं वाकई में उस मोड़ पर पहुंच गई थी, जहां मैंने सोचा था कि बस मैं अब और नहीं कर सकती। मेरे मन में सबसे बुरे विचार आए। जाहिर है कि मुझमें आगे बढ़ने और ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। यह एक साल तक कठिन था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो काम कर रहा था, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था।

'मुझे मुश्किलों ने बहुत कुछ सिखाया'

सामंथा ने इन विचारों पर काम न करने और उनसे निपटने के लिए क्या किया और कैसे इनसे पीछा छुटाया, इसको लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि इन विचारों पर काम करने के लिए आपके पास बहुत हिम्मत होनी चाहिए। इसलिए मैंने सोचा मुझे किसी तरह इस सबसे बचने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही अपने जीवन में और चीजों के बारे में सोचना शुरू करना होगा। अब, जब लोग कहते हैं कि वे कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो मैं वास्तव में उन्हें इससे गुजरने के लिए कहती हूं। इससे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मुझे मेरी सफलता ने नहीं है, बल्कि मेरी असफलताओं और कठिनाइयों ने सिखाया है।

सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म हुई रिलीज

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेल- हनी बनी' में देखा गया था। इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'सुभम' बनाई है। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

मां श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर बोलीं पलक तिवारी

'किसी का भाई किसी की जान', 'द भूतनी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने बातचीत के दौरान अपनी मां, टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर अपनी राय रखी। अभिनेत्री का मानना है कि उनसे तुलना करना सही नहीं है। पलक ने मां से तुलना किए जाने पर कहा कि उनकी मां का करियर शानदार और सफल रहा है, जबकि वह अभी शुरुआती दौर में हैं। ऐसे में तुलना करना गलत है। बिजली-बिजली गर्ल के नाम से मशहूर पलक अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं। खुद को अपनी मां की तरह ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ दर्शकों के सामने पेश करना चाहती हैं।

अभिनेत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने अपनी जिंदगी में जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से की जाए - यह सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं। अगर मैं दर्शकों से उनके जितना जुड़ पाती हूं, तो मैं खुद को सफल मानूंगी।

मनोरंजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही गुड्डू धनोआ के निर्देशन में तैयार रोमियो एस 3 में नजर आएंगी। एक्शन-ड्रामा की शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, रोमियो एस 3 मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। गुड्डू सर ने मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का जो अवसर दिया, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। शूटिंग के दौरान मुझे यही लगता था कि मुझे अपना बेस्ट देना है। उन्होंने बड़े स्टार्स के साथ काम किया है और वह बेहतरीन निर्देशक हैं। उनके साथ काम करना सम्मान की बात है। पलक ने आगे बताया, एक्शन फिल्में मजेदार होती हैं और इसे दर्शक काफी पसंद करते हैं। फिल्म में काम करना मेरे लिए रोमांचक रहा। रोमियो एस 3 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, ठाकुर अनूप सिंह पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखेंगे।

सलमान खान की ये नई फिल्म डिब्बा बंद, साजिद नाडियाडवाला की 'किक 2' भी हाशिये पर

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य तनाव में युद्ध विराम के एलान के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जो कुछ लिखा, और, उसके खिलाफ उनको जिस तरह का विरोध झेलना पड़ा, उसने हिंदी फिल्म जगत को चौंका दिया है। नतीजा ये हुआ है कि सलमान की भारत-चीन सैन्य तनाव पर प्रस्तावित फिल्म के लिए कोई भी फिल्म निर्माता तैयार नहीं हो रहा है। इससे पहले निर्देशक कबीर खान सलमान खान की तमाम ख्वाहिशों के बावजूद 'बजरंगी भाईजान' की सीक्वल शुरू करने से मना कर चुके हैं।

सलमान खान का हिंदी फिल्म दर्शकों में कभी जबर्दस्त क्रेज रहा है और उनकी औसत फिल्मों को भी ईद पर मिलने वाली बड़ी सफलता इसका गवाह रही हैं, लेकिन अब मौसम बदल रहा है। निर्माताओं ने भी अपनी कुर्सी की पेटियां कस ली हैं और वह अब ऐसी किसी फिल्म के साथ आगे नहीं बढ़ने की सोच रहे हैं, जिसमें सलमान खान का सोलो लीड रोल हो। हाल ही में गलवान घाटी की घटना पर एक फिल्म शुरू होने की बातें इंटरनेट पर खूब हुई। लेकिन, इस फिल्म के सामने भी संकट गहरा रहा है।

निर्देशक अपूर्व लखिया के निर्देशन में प्रस्तावित गलवान घाटी वाली फिल्म का मामला अब ठंडा पड़ता नजर आ रहा है। इस फिल्म के चलते सलमान खान का फौजी की ड्रेस में एआई से बना एक पोस्टर भी खूब वायरल हुआ लेकिन ये फिल्म अब तक शुरू नहीं हो सकी है। सलमान के करीबी सूत्र बताते हैं कि इस फिल्म के लिए अब तक कोई प्रोड्यूसर ही तैयार नहीं हुआ है। वहीं, सलमान खान की राजश्री फिल्म्स के साथ लंबे अरसे से प्रस्तावित अगली फिल्म पर भी निर्देशक सूरज बड़जात्या ने फैसला फिलहाल टाल दिया है।

सलमान खान की संजय दत्त के साथ बन रही एक फिल्म के भी हाशिये पर चले जाने की खबरें हैं और ले देकर अब इस समय सलमान खान के पास सिर्फ एक ही पूर्व घोषित फिल्म है, 'टाइगर वर्सेस पठान', जिस पर इसके आदित्य चोपड़ा ने कैंसिल का निशान तो नहीं लगाया है, पर ये कब शुरू होगी, इसकी तारीख भी नहीं बताई है। सलमान खान की पिछली दोनों फिल्में 'टाइगर 3' और 'सिकंदर' काफी बड़े बजट की फिल्में रही हैं और दोनों फिल्में टिकट खिड़की पर सफल नहीं रहीं।

बताते हैं कि यही वजह है कि निर्माता साजिद नाडियाडवाला सलमान के साथ प्रस्तावित अपनी अगली फिल्म 'किक 2' पर अब बात भी नहीं करते, वहीं यशराज फिल्म्स से जुड़े लोग ये भी शंका जाहिर करने लगे हैं कि शायद अब 'टाइगर वर्सेज पठान' बने ही नहीं। सलमान खान को लेकर कुछ निर्देशकों ने लीड कैरेक्टर रोल जैसी फिल्में भी तैयार की हैं लेकिन वह हीरोइन के साथ गानों का मोह छोड़ 'इक्वलाइजर' या 'टेकेन' सीरीज जैसी कोई फिल्म करेंगे भी कि नहीं, इसे लेकर निर्देशकों में अभी उहापोह जारी है।

ज़ायद खान की ओटीटी मूवी द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ में 22 कैमियो और एक धमाकेदार डेब्यू होने का वादा

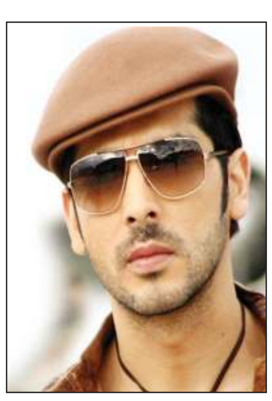

बॉलीवुड अभिनेता ज़ायद खान अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मोहित श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म अपने अनोखे विज़न और अभूतपूर्व हास्य की गारंटी के चलते पहले से ही चर्चा में है। फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो होने की चर्चाओं ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जो ज़ायद को उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग भूमिका में देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' की खासियत सिर्फ इसके सितारों से सजी कास्ट में ही नहीं है, बल्कि इसके चारों ओर फैले रहस्य में भी है। फिल्म के बारे में जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी जा रही हैं, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। ज़ायद ने खुद इशारा किया है कि उनका किरदार, इस फिल्म में जिसे शॉर्ट में TFTNW कहा जा रहा है, उनके लिए पूरी तरह नया और चुनौतीपूर्ण है। इससे साफ होता है कि फिल्म में उनका रूपांतरण कुछ ऐसा होगा जिसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म सिर्फ एक हास्य फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी प्रतीत हो रही है, जो दर्शकों के दिल को भी छू सकती है।

जय हनुमान से जुड़े भूषण कुमार, नॉर्थ इंडिया में प्रेजेंट करेंगे ऋषभ शेट्टी की अगली फिल्म

'कांतारा' स्टार ऋषभ शेट्टी अब एक और ऐतिहासिक व पौराणिक फिल्म 'जय हनुमान' लेकर आ रहे हैं। 'हनु मान' को बनाने वाले प्रशांत वर्मा इस फिल्म का निर्देशन करेंगे और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। अब ताजा जानकारी ये है कि टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार इस फिल्म को प्रेजेंट करेंगे।

भूषण कुमार के मैत्री मूवी मेकर्स के साथ जुड़ने से यह एक बड़ा कोलैबरेशन हो गया है। दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्सुक हैं। इस नए कोलैबरेशन के बारे में बात करते हुए भूषण कुमार ने कहा, जय हनुमान के साथ हम बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक रूप से जुड़ी इस कहानी कहने में आगे बढ़ रहे हैं। मैत्री मूवी मेकर्स के साथ सहयोग करते हुए हम एक ऐसी फिल्म पेश करने के लिए उत्साहित हैं जो भारतीय सिनेमा और भक्ति का उत्सव है। फिल्म में ऋषभ शेट्टी का अभिनय इसे और खास बनाता है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने कहा, हमें हर जगह के दर्शकों के लिए 'जय हनुमान' लाने पर गर्व है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो हमारे दिल के करीब है। हम फिल्म के लिए ऋषभ शेट्टी को शामिल करके खुश हैं। टी-सीरीज के साथ जुड़ने से हम काफी उत्साहित हैं और फिल्म को और भी बड़े स्तर पर बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रशांत वर्मा का ड्रीम प्रोजेक्ट है 'जय हनुमान' निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'जय हनुमान' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया। जो पौराणिक कथाओं को आधुनिक फिल्म निर्माण की तकनीकों से साथ जोड़ता है।

दिल रो रहा था, पर सेट पर जश्न मना रही थी, नानी को खोकर टूट चुकी थी

टीवी शो मन की आवाज़ प्रतिज्ञा से छोटे पर्दे पर बड़ी पहचान बनाने वाली ऐक्ट्रेस पूजा गौर ने फिल्म केदारनाथ से बड़े पर्दे पर बड़ी छलांग लगाई। वहीं, ओटीटी पर वह गन्स ऐंड गुलाब्स और आईसी 814- द कंधार हाइजैक जैसी चर्चित वेब सीरीज में अहम किरदारों में दिखीं। इन दिनों सीरीज अदृश्यम 2 में साहसी एजेंट दुर्गा के रूप में चर्चा बटोर रहीं पूजा से खास बातचीत

आपने टीवी से फिल्मों और ओटीटी की ओर बड़ी सफलतापूर्वक ट्रांजिशन किया। यह कितना मुश्किल या आसान था?

ये यह नहीं कहूंगी कि यह बहुत आसान था। चुनौतियां काफी थीं, क्योंकि यहां कभी आपको वजह नहीं पता चलती कि फलां रोल आपको क्यों नहीं मिला? कोई आपको मुंह पर नहीं बोलता। पहले शायद ऐसा होता कि टीवी में काम करने की वजह से फिल्मों में रोल ना मिलते हों, मगर अब चीजें बहुत बदल गई हैं। अब फिल्ममेकर्स अच्छे ऐक्टर्स का स्वागत कर रहे हैं। अब टीवी ऐक्टर, फिल्म ऐक्टर जैसा कुछ नहीं रहा। अब सभी को अच्छा ऐक्टर चाहिए, तो मेरा लक्ष्य ये रहता है कि मैं जो करूं, उसे और बेहतर करती रहूं। बाकी, क्यों, क्या, कैसे?, कौन क्या कह रहा है, उसे दिमाग में नहीं रखती।

प्रतिज्ञा हो या एजेंट दुर्गा, आपने पर्दे पर ज्यादातर सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं। क्या इसके पीछे औरों को इंस्पायर करने की सोच रहती है?

मैंने कभी ये सोचा नहीं कि मुझे स्ट्रॉन्ग औरत या दूसरों को प्रेरित करने वाला किरदार ही करना है। यह मेरी किस्मत है कि मेरी झोली में ऐसे ही किरदार गिरे। शायद निर्माताओं को मुझमें वह खूबी दिखती हैं कि मैं इन सशक्त किरदारों के साथ न्याय कर सकती हूं और इसके लिए मैं ऊपर वाले का शुक्रिया करती हूं। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि मुझे इतने अच्छे किरदार मिले जो खुद मुझे बहुत इंस्पायर करते हैं। दूसरों की बात तो बाद में आती है, मैं खुद अपनी जिंदगी में इन किरदारों से काफी सीख लेती हूं। जैसे, दुर्गा से भी मैंने काफी सीखा। एक सबसे अहम चीज जो मैंने सीखी, वह यह कि अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ के बीच कैसे तालमेल बिठाना है। अपनी भावनाओं को कैसे कंट्रोल करना है कि आपके अंदर जो भी चल रहा हो, उसे अपने कर्तव्य के बीच में नहीं ला सकते।

कर्तव्य के बीच में निजी मुश्किलों को ना आने देना यानी द शो मस्ट गो ऑन वाली स्थिति तो कलाकारों की जिंदगी का भी अहम हिस्सा है। आपके साथ कभी ऐसा कुछ हुआ है?

जी, बिल्कुल हुआ है। जब मेरा शो प्रतिज्ञा चल रहा था, तब मेरी नानी जी की तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। मैं उनके बहुत ही ज्यादा क्लोज थी, मगर जब मुझे खबर मिली कि वह नहीं रही, उस वक्त हमारा बैक टू बैक शूट चल रहा था। हालत ऐसी थी कि हम दिन भर शूट करते थे और रात में टेलिकास्ट होता था, तो नानी के गुजरने की खबर सुनकर भी मुझे शूट करते रहना पड़ा। जबकि मेरा दिल रो रहा था। आज भी मुझे उनकी उतनी ही याद आती हैं, तो उस वक्त तो मैं टूट चुकी थी, पर हमारा टेलीकास्ट था। यही नहीं, इत्तेफाक से वे सीन बहुत पॉजिटिव, जश्न और खुशी के सीन थे तो अंदर की भावनाओं को दबाकर, एक मुखौटा लगाकर वो सीन करना मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था।

आपने पहले किक बॉक्सिंग सीखी थी, एक एजेंट का रोल करते हुए वह ट्रेनिंग कितनी काम आई?

असल में मैंने किक बॉक्सिंग फिजिकल फिटनेस के लिए सीखी थी, क्योंकि मैं सिर्फ जिम नहीं जाना चाहती थी। मुझे कोई नया स्किल सीखना था और मुझे लगा कि किक बॉक्सिंग में मजा आएगा। इसलिए, मैंने कुछ टाइम के लिए वो सीखा। निश्चित तौर पर इस शो में उसका फायदा मिला, क्योंकि उसमें कॉम्बैट की कुछ तकनीक सिखाई जाती है। हालांकि, मैंने बहुत बेसिक सीखा था, मगर वह इस शो का हिस्सा बनने के लिए आधार बना, क्योंकि इस किरदार की तैयारी के लिए भी मैंने कॉम्बैट तकनीक सीखी, चाहे वो हैंड टू हैंड कॉम्बैट हो या बंदूक कैसे पकड़ना है जैसी चीजें, ये चीजें निश्चित तौर पर वह ट्रेनिंग काम आईं।

केदारनाथ में सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव कैसा रहा था?

सुशांत कमाल का ऐक्टर था। हमने अपना करियर साथ में शुरू किया था। हमने लगभग एक समय में अलग-अलग प्रॉजेक्ट में अपने करियर की शुरुआत की थी, तो मैं केदारनाथ से पहले से उसे जानती थी। उसमें बहुत सारी खूबियां थीं। अपने किरदार में ढल जाना, जुनूनी, वह अपनी बेहतरीन और अपनी तरह के अनूठे थे।

टेस्ट कप्तानी की रेस में राहुल का नाम

नईदिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप की कमी हो गई। रोहित 4 साल से कप्तान थे, वहीं कोहली की कप्तानी में टीम ने 8 साल तक विदेश में 15 टेस्ट जीते। जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ही टीम के सीनियर प्लेयर बचे। राहुल और बुमराह को कप्तानी का अनुभव है। वहीं युवा शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं।

बुमराह बड़े दावेदार, फिटनेस परेशानी

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2 टेस्ट में कप्तानी की। पर्थ में टीम को जीत मिली, लेकिन सिडनी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया। मुकाबले की पहली पारी में ही बुमराह इंजर्ड हो गए, उन्हें बैक स्पास्म की शिकायत हुई। जिसके बाद वह मैच में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके, इस कारण भारत दूसरी पारी में दबाव भी नहीं बना सका।बुमराह अक्सर फिटनेस से जूझते नजर आए हैं, 2022 में आखिरी बार इंजर्ड होने के बाद वह करीब 15 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्हें लंबी टेस्ट सीरीज के दौरान 1-2 मैच का रेस्ट देना भी जरूरी होता है। भारत में तो जीतने के लिए बुमराह का सभी मैच खेलना जरूरी भी नहीं। इसलिए उनका परमानेंट कप्तान बनना मुश्किल है।फिर भी अगर

फिटनेस की वजह से पिछड़ सकते हैं बुमराह, युवा शुभमन और पंत भी दावेदार

बुमराह कप्तान बने तो टीम को 1 या 2 उप कप्तान बनाने होंगे, जो बुमराह की गैरमौजूदगी में जिम्मेदारी संभालते रहें। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह ने फिटनेस का हवाला देते हुए कप्तानी करने से मना कर दिया है। उनका इंग्लैंड में सभी मैच खेलना भी मुश्किल है।

ऋषभ पंत इंग्लैंड में सेंचुरी लगा चुके

भारत की मौजूदा टीम में कुछ ही प्लेयर्स ऐसे हैं, जिनकी प्लेइंग-11 में जगह खतरे में नहीं दिखती। ऋषभ पंत उनमें से एक हैं। पंत पिछले 6 साल में दुनिया के बेस्ट विकेटकीपर बैटर बन चुके हैं। वे इस फॉर्मेट में कई मैच विनिंग पारियां खेल चुके हैं। पंत ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय विकेटकीपर भी हैं।पंत को कप्तान बनाना थोड़ा रिस्की हो सकता है, क्योंकि उनकी बैटिंग भी बहुत रिस्की रहती है। मैनेजमेंट अगर उन्हें कप्तान बनाए तो टीम को उनकी बैटिंग की तरह ही कप्तानी में भी चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पंत ने किसी भी फॉर्मेट में भारत की कप्तानी नहीं की। हालांकि, उन्हें आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव जरूर है।

शुभमन कप्तानी की रेस में सबसे आगे

शुभमन कप्तानी की रेस बुमराह के बाद सबसे आगे चल रहे हैं। वे वनडे और टी-20 में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। युवा बैटर्स में यशस्वी, पंत और शुभमन ही फिलहाल परमानेंट नजर आते हैं। शुभमन 25 साल के हैं और लगभग इसी उम्र में विराट ने भी कप्तानी संभाल ली थी।अगर शुभमन अभी कप्तान नहीं भी बने तो टीम उन्हें उप कप्तान बनाकर आगे के लिए तैयार कर सकती है।

आईपीएल 2025 शुरू होने से पहले तिरुपति मंदिर पहुंचे संजीव गोयनका, मांगीं मन्नतें

तिरुमाला (आंध्र प्रदेश) (एजेंसी)। आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप के चेयरमैन और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल टीम के मालिक संजीव गोयनका और उनके परिवार ने तिरुपति तिरुमाला मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर, जो भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, भारत के सबसे अधिक दर्शन किए जाने वाले धार्मिक स्थलों में से एक है, जो हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करता है।

संजीव गोयनका और उनके परिवार का मंदिर दर्शन भारतीय प्रीमियर लीग के इस सीजन के फिर से शुरू होने से एक दिन पहले हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था। इससे पहले गुरुवार को, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव को चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष सीजन से बाहर कर दिया गया। आईपीएल ने एक बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। 22 वर्षीय यादव को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओराउरके ने रिप्लेस किया है। उन्हें पीठ की चोट है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थिति

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) वर्तमान में आईपीएल 2025 अंक तालिका में 7वें स्थान पर है, उनके पास 11 मैचों में 10 अंक हैं। उनकी नेट रन रेट (एनआरआर) -0.469 है। एलएसजी ने 14 लीग मैचों में से 5 जीते और 6 हारे हैं। प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएं कम हैं, क्योंकि शीर्ष चार टीमें (गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स, और मुंबई इंडियंस) के पास 14 से 16 अंक हैं। लखनऊ को अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा।

मयंक यादव साल में तीसरी बार चोटिल, आईपीएल से हुए बाहर, बीसीसीआई पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (पूर्व में एनसीए) को उस समय शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब भारत के उभरते तेज गेंदबाज मयंक यादव को पीठ की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर होना पड़ा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने घोषणा की कि मयंक की जगह न्यूजीलैंड के विलियम ओ'राउरके शेष टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल होंगे। मयंक ने छह महीने के 'रिहैबिलिटेशन' के बाद वापसी की थी, लेकिन दो मैचों में 8 ओवरों में 100 रन देकर केवल 2 विकेट ले सके। उनकी गेंदबाजी की गति में 15 किमी प्रति घंटे की कमी देखी गई और उनके गेंदबाजी एक्शन में भी बदलाव नजर आया। रिकॉर्ड के अनुसार, मयंक ने 30 मार्च 2024 से 4 मई 2025 के बीच 9 टी20 मैच खेले, जिसमें पिछले साल लखनऊ के लिए 4 मैच शामिल थे, जहां उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सुर्खियां बटोरी थीं।

आईसीसी के फैसले से टीम इंडिया की बल्ले-बल्ले, डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद मिलेगा मोटा पैसा

नईदिल्ली (एजेंसी)। 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में एक महीने से कम समय में होगा। आईसीसी ने पुष्टि की कि विजेता को 3.6 मिलियन डॉलर (लगभग 30.79 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जो पिछले संस्करणों (2021 और 2023) के 1.6 मिलियन डॉलर से दोगुना है। कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन डॉलर है, जो पहले के चक्रों से अधिक है। उपविजेता को 2.16 मिलियन डॉलर (लगभग 18.48 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो पिछले 0.8 मिलियन डॉलर से काफी ज्यादा है। तीसरे स्थान पर रही भारत को 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि इस चक्र में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसमें खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन और फाइनल में दो मजबूत टीमों का मुकाबला क्रिकेट का उत्सव है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला दुनिया भर के प्रशंसकों को शानदार टेस्ट क्रिकेट का अनुभव देगा। उन्होंने दोनों टीमों को इस ऐतिहासिक मैच के लिए शुभकामनाएं दीं। दक्षिण अफ्रीका, 2023-25 डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर रही, ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीतकर और भारत के साथ घरेलू ड्रॉ के साथ फाइनल में जगह बनाई। यह उनकी पहली डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने की कोशिश होगी। कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि फाइनल में पहुंचना हमारे लिए बड़ा अवसर है। टेस्ट क्रिकेट के महत्व को समझते हुए, हम लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। 11 जून को होने वाले इस मुकाबले के लिए उत्साह चरम पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 3-1 से हराकर 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में प्रवेश किया। न्यूज़ीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू व विदेशी सीरीज में जीत और पाकिस्तान को 3-0 से रौंदने के साथ उन्होंने अपनी जगह पक्की की। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य टूर्नामेंट के पहले दो बार चैंपियन बनकर इतिहास रचना है। कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी खिताब का बचाव करना गर्व की बात है।

बार्सिलोना 28वीं बार बना ला लीगा चैंपियन, यमल के शानदार गोल से जीती टीम

बार्सिलोना, एजेंसी

स्पेन के स्टार युवा फुटबॉलर लामिन यमल के शानदार गोल की बदौलत बार्सिलोना ने गुरुवार को एस्पेनयॉल को 2-0 से हराकर दो मैच शेष रहते हुए 28वीं बार ला लीगा का खिताब को अपने नाम किया। ला लीग स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग है।

यमल और लोपेज ने दागे गोल

मैच का पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद 17 साल के यमल ने 53वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई और फेरमिन लोपेज ने स्टॉपेज समय (90+5 मिनट) में गोल कर टीम की 2-0 से जीत पक्की कर दी। एफसी बार्सिलोना की यह 36 मैचों में 27वीं जीत है और टीम ने 85 अंक के साथ खिताब पक्का कर लिया। दूसरे स्थान पर काबिज रियल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 78 अंक है और अब उसके लिए बार्सिलोना की बराबरी करना संभव नहीं है।

यमल की शानदार ड्रिब्लिंग

यमल ने एस्पेनयॉल के दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपने चिर-परिचित अंदाज में बायें पैर से गोल पोस्ट कॉर्नर में गेंद को मार कर अपने इस शानदार सत्र को और यादगार बनाया। पिछले साल स्पेन को यूरो कप जीतने में अहम भूमिका निभाने वाले यमल ने अपनी ड्रिबलिंग और प्लेमेकिंग की कौशल से सभी को प्रभावित किया और बताया कि क्यों उन्हें आने वाले समय का सुपरस्टार कहा जाता है। यमल के साथ राफिन्हा, पेड्री जैसे दिग्गज खिलाडियों ने इस सत्र में बार्सिलोना के अभियान को यादगार बना दिया।

पेड्री का 200वां मैच बना खास

22 साल के पेड्री का यह बार्सिलोना के लिए 200वां मैच था। एस्पेनयॉल को 80वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लिआंड्रो कैबरेरा को गेंद को लेकर विवाद करते समय यमल के पेट पर गेंद मारने के कारण रेड कार्ड दिखा गया। लोपेज ने स्टॉपेज समय में गोल कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

मेसी ने भी पुरानी टीम को दी बधाई

दिग्गज लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये अपनी पुरानी टीम को चैंपियन बनने की बधाई दी। रियल मैड्रिड ने भी अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी को एक्स पर बधाई दी, जबकि बार्सीलोना के हजारों प्रशंसक शहर के मुख्य क्षेत्र में इस खिताब का जश्न मनाया।

एक कार दुर्घटना के कारण शुरुआती मिनटों में रेफरी ने खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया था। यहां के आरसीडीई स्टेडियम के बाहर भीड़ में कार के घुसने ये कई लोग घायल हो गए थे।अधिकारियों ने हालांकि कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसका इस मैच से कोई संबंध नहीं था।

ला लीगा के अन्य मैचों का हाल

अन्य मैचों में चौथे स्थान पर काबिज एथलेटिक बिलबाओ ने गेटाफे पर 2-0 से जीत हासिल कर चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की की। तीसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि रियल बेटिस को रेयो वैलेकानो के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद चैंपियंस लीग के क्वालिफिकेशन के लिए पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। टीम 59 अंक के साथ छठे पायदान पर है।

शुभमन गिल को अभी समय चाहिए, रविंद्र जडेजा बना सकते हैं कप्तानः अश्विन

चेन्नई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भारतीय टेस्ट कप्तानी के लिए अपने लंबे समय के स्पिन जोड़ीदार रवींद्र जडेजा का नाम सुझाया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर गुरुवार को यह राय जाहिर की।अश्विन ने कप्तानी के दावेदारों पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ स्पष्ट विकल्प हैं, लेकिन मैं रवींद्र जडेजा का नाम भी जोड़ना चाहूंगा। कप्तान या उप-कप्तान की चर्चा से पहले खिलाड़ी का प्लेइंग इलेवन में होना जरूरी है। जडेजा एक स्वाभाविक चयन हैं। उन्होंने आगे कहा कि जडेजा टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। अगर नए खिलाड़ी को दो साल तक तैयार कर कप्तान बनाया जा सकता है, तो जडेजा भी दो साल तक यह भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें उप-कप्तान के रूप में भी आजमाया जा सकता है।36 वर्षीय जडेजा ने 80 टेस्ट में 3,370 रन (34.74 की औसत, 4 शतक, 22 अर्धशतक) और 323 विकेट लिए हैं। हालांकि, जडेजा ने भारत के लिए किसी भी प्रारूप में कप्तानी नहीं की है। उन्होंने 2022 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की थी, लेकिन 8 में से केवल 2 मैच जीतने के बाद बीच सीजन में एमएस धोनी को कप्तानी सौंप दी थी।

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका

आईपीएल के बाकी बचे मैच खेलने भारत नहीं आएंगे स्टार्क

सिडनी, एजेंसी

मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2025 के बाकी मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स में शामिल होने के लिए भारत नहीं लौटेगा। यह दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए जगह पक्की नहीं की है।

स्टार्क 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लेकर सीजन में अब तक डीसी के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

24 मई को दोबारा खेला जाएगा धर्मशाला में रद्द हुआ मुकाबला

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ डीसी का पिछला मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था, जो अब 24 मई को फिर से खेला जाएगा। बहरहाल, माना जा रहा है कि स्टार्क विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा बनेंगे, जहां गत चैंपियन का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

वहीं, इस बात की अभी भी कोई पुष्टि नहीं हुई है कि फाफ डु प्लेसिस डीसी लौटेंगे या नहीं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने अपनी वापसी की पुष्टि की है, लेकिन केवल बाकी लीग चरण के लिए, जिसके बाद वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए रवाना होंगे। डीसी ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर मुस्तफिजुर रहमान को भी साइन किया है, जो भारत नहीं लौट रहे हैं।

आईपीएल 2025 में मुस्तफिजुर की भागीदारी को लेकर अभी भी थोड़ी अनिश्चितता है, क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि क्रिकेटर ने अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए संपर्क नहीं किया है। वे अभी यूएई के खिलाफ टी20ई सीरीज खेलने के लिए शारजाह में है।

आईपीएल में अन्य ऑस्ट्रेलियाई लोगों के बारे में बात करते हुए, पैट कमिंस और ट्रैविस हेड दोनों सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़ने के लिए भारत लौट रहे हैं, जो प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हैं और 25 मई को सीजन के लिए अपना अभियान समाप्त करेंगे, जिससे दोनों खिलाड़ियों को डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। लीग चरण में डीसी के अभी भी तीन मैच बाकी हैं, और उनका अगला मुकाबला रविवार को गुजरात टाइटन्स से होगा।

जॉनसन का बेतुका बयान, विदेशी खिलाड़ियों को शेष मैचों से दूर रहने को कहा

सिडनी, एजेंसी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का एक बेतुका बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों का आईपीएल के शेष मैचों के लिए लौटना बुद्धिमानी भरा फैसला नहीं है। उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों से भारत-पाकिस्तान तनाव की वजह से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों को लेकर बयान दिया और कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को पैसों से ज्यादा अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष और सीमा पर तनाव के कारण दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को नौ मई को निलंबित कर दिया गया था। इसके निलंबन के एक दिन बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इससे शनिवार से आईपीएल के फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, जॉनसन का मानना है कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए बाकी बचे मैचों में भाग न लेना समझदारी होगी।

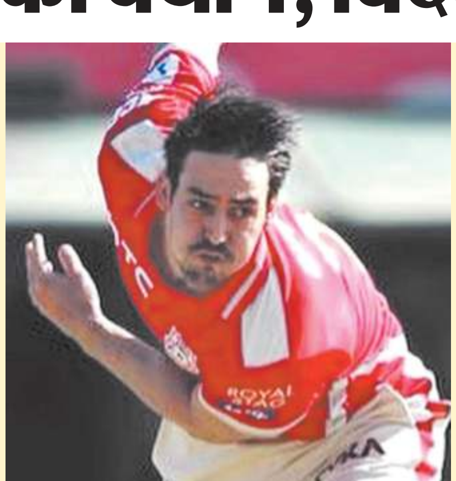

उन्होंने वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार के लिए अपने कॉलम में लिखा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खिलाड़ियों को अपने निर्णय लेने का अधिकार दिया है, लेकिन उनके लिए विकल्पों का चयन करना मुश्किल हो सकता है। क्रिकेट में इन दिनों बहुत ज्यादा पैसे खर्च हो रहे हैं, लेकिन यह अब भी एक खेल ही है और इस सप्ताह आईपीएल के बंद होने के बाद इस बात पर काफी ध्यान गया है।

उन्होंने कहा, मुझे अगर यह फैसला करना पड़े कि भारत वापस लौटकर टूर्नामेंट खत्म करूं या नहीं, तो यह एक आसान फैसला होगा। मैं इसका जवाब नहीं में देना पसंद करूंगा। जिंदगी और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, पैसे नहीं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने व्यापक विचार-विमर्श करने और सरकार से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के बाद लीग को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह अब तीन जून को खेला जाएगा। हालांकि, अब तक फाइनल समेत प्लेऑफ के चार मैचों का स्थान तय नहीं किया गया है।

संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक प्लेऑफ में भाग लेने वाले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए काफी कम समय मिलेगा।

किसी को वापस जाने के लिए दबाव महसूस नहीं करना चाहिए

जॉनसन ने कहा, यह एक व्यक्तिगत फैसला है। किसी को भी वापस जाने के लिए मजबूर या दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। भले ही आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) इसके लिए कड़ी मेहनत करें। दोनों टूर्नामेंटों को अभी समाप्त कर देना चाहिए या स्थानांतरित करने पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल का जिक्र करते हुए कहा, यह मत भूलिए कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के कुछ खिलाड़ियों को आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तैयारी करने की जरूरत होगी। आईपीएल फाइनल अब तीन जून तक टाल दिया गया है, जो लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले है। टेस्ट क्रिकेट के सबसे अहम मैच में से एक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित होना भी एक बड़ा मुद्दा है।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

संक्षिप्त समाचार

थरूर की राह पर चिदंबरम?

पहले भारत-पाक सीजफायर का बचाव, अब इंडिया गठबंधन पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के कद्दावर नेता शशि थरूर इन दिनों नरेंद्र मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कई मौकों पर दिखे हैं। इसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने भी कुछ ऐसा ही रुख अपनाया था। चिदंबरम ने हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर ऑपरेशन सिंदूर और भारत–पाकिस्तान सीजफायर को लेकर केंद्र सरकार के फैसलों की सराहना की है। इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ तैयार विपक्षी एकजुटता (इंडिया गठबंधन) के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया। उनके इस कदम के बाद सियासी गलियारे में अटकलों का

बाजार गर्म हो गया है। चिदंबरम ने गुरुवार को इंडिया गठबंधन की स्थिरता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं कि यह गठबंधन अभी भी बरकरार है। उन्होंने यह टिप्पणी दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में की। चिदंबरम ने कहा, इस किताब के लेखर मृत्युंजय सिंह यादव का मानना है कि इंडिया गठबंधन अब भी कायम है। इस बात पर मुझे यकीन नहीं है। शायद सलमान खुर्शीद इसका जवाब दे सकते हैं, क्योंकि वह इंडिया गठबंधन की बातचीत टीम का हिस्सा थे। अगर गठबंधन पूरी तरह कायम है तो मुझे बहुत खुशी है, लेकिन यह बहुत मजबूत नहीं लगता। हालांकि इसे अभी भी जोड़ा जा सकता है, समय है, घटनाएं अभी और घटेंगी।

मणिपुर में भाजपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन खबरों को बताया अफवाह

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में बीते 3 महीने से लागू राष्ट्रपति शासन के बीच बीते दिनों यह खबर सामने आई थी कि राज्य में अब भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की गठबंधन की सरकार बन सकती है। अब बीजेपी ने इस खबर पर प्रतिक्रिया जारी की है। भाजपा ने हिंसाग्रस्त राज्य में कांग्रेस के साथ सरकार बनाने की अटकलों को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। पार्टी ने इस तरह की अफवाहों को गैर जिम्मेदाराना बताते हुए चेतावनी भी जारी की है। गुरुवार को बीजेपी नेता एल देबेन सिंह एक बयान

जारी कर कहा, भाजपा इस तरह की निराधार खबरों के प्रसार की कड़ी निंदा करती है और भविष्य में इसे दोहराने के खिलाफ चेतावनी देती है। भाजपा के सभी विधायक पार्टी के साथ बने रहेंगे और किसी भी परिस्थिति में भाजपा कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सरकार नहीं बनाएगी।

अभिव्यक्ति की आजादी का गलत इस्तेमाल मत करिए– बता दें कि स्थानीय समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर इस तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि भाजपा और कांग्रेस के विधायकों का एक समूह राज्य में नई सरकार बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद पार्टी ने मीडिया आउटलेट्स और अन्य लोगों से अपील की है कि वे इस तरह की जानकारी प्रसारित करके अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का दुरुपयोग न करें। बयान में कहा गया, इस तरह की अफवाहें गैर–जिम्मेदाराना हैं और इससे मणिपुर की स्थिति और खराब हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में पकड़ाई बांग्लादेशी महिला

हिंदू नाम बताकर रह रही थी, कई बार सीमा पार भी होकर आई

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से पुलिस ने एक बांग्लादेशी मुस्लिम महिला को गिरफ्तार किया है, जो कि यहां नाम हिंदू नाम रखकर अवैध रूप से रह रही थी। मामले की जानकारी देते हुए गुरुवार को पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला को जिले के सुपेला थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया, जहां पर वह नाम बदलकर रह रही थी। उसने अपनी पहचान काकोली घोष उर्फ अंजलि सिंह के रूप में बताई थी। जबकि उसका असली नाम पन्ना बीबी (25) है, जो कि बांग्लादेश के खुलना जिले के दिधिरपार की रहने वाली है। पुलिस ने बताया कि वह दिल्ली से आई थी, जहां पर वह करीब एक साल रही थी।

पुलिस जांच के दौरान और महिला की कॉल डिटेल्स से पता चला कि पिछले दो साल से यहां रह रही महिला ना केवल कई बार बांग्लादेश होकर आ चुकी थी, बल्कि बांग्लादेश के लगभग एक दर्जन से ज्यादा मोबाइल नंबरों से लगातार संपर्क में भी थी। महिला के पास पुलिस को जो आधार कार्ड मिला वह भी फर्जी निकला है।

दुर्ग के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में अवैध रूप से घुसपैठ करके आए बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुर्ग जिले में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया गया है।

बुधवार 14 मई को एसटीएफ को जानकारी मिली कि सुपेला के नेहरू रोड इलाके में सूरज साव के मकान में बांग्लादेश की एक महिला अपनी मूल पहचान छुपाते हुए काकोली घोष उर्फ अंजली सिंह के नाम से रह रही है।

सूचना मिलते ही एसटीएफ ने उस जगह पर जाकर दबिश देते हुए महिला को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम अंजली सिंह बताया और कहा कि वह पूर्वी दिल्ली, नांगलोई की रहने वाली है। पहचान साबित करने के लिए उसने अंजली सिंह के नाम से बना अपना आधार कार्ड भी दिखाया, जो पुलिस को संदिग्ध लगा और जांच में फर्जी पाया गया। इसके बाद जब पुलिस ने महिला से सख्ती से पूछताछ की तो सबकुछ उगल दिया। उसने अपना असली नाम पन्ना बीवी और पिता का नाम अब्दुल रऊफ बताया।

भिलाई में रहते हुए कई बार बांग्लादेश होकर आई थी महिला

अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि भारत में रहने के दौरान पन्ना बीबी भारत–बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पारकर कई बार बांग्लादेश स्थित अपने मूल घर भी गई थी। जब पुलिस ने महिला के मोबाइल की जांच की तो पाया गया कि महिला ने अपने मोबाइल फोन से बांग्लादेश के लगभग एक दर्जन से ज्यादा मोबाइल नंबरों पर (पिता, भाई, बहन एवं अन्य रिश्तेदारों) लगातार बात की है और वह लगातार उनके संपर्क में थी। महिला ने पुलिस को जो आधार कार्ड दिखाया था वह भी फर्जी था तथा उसे भी छेड़छाड़ करके बनाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने महिला को विदेशी विषयक अधिनियम 1946, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 तथा भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मकान मालिक द्वारा किरायेदार के संबंध में किसी प्रकार की सूचना थाने में नहीं दी गई थी, जिसके बाद पुलिस भी मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

दुनिया को मिलकर बताएंगे पाकिस्तान का सच

कई दलों के सांसदों को विदेश भेजेगी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच में तनाव तेजी के साथ बढ़ गया था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद चार दिनों तक रॉकेट्स और ड्रोन्स की लड़ाई के बाद दोनों देश फिलहाल सीजफायर पर बने हुए हैं। अब भारत सरकार पाकिस्तान के आतंकवाद समर्थक चेहरे को दुनिया के सामने खुलकर लाने के लिए नए कदम उठाने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार, पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए मल्टी पार्टी डेलीगेशन को विदेश भेजने की तैयारी कर रही है। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक विदेशों में भारत की तमाम राजनैतिक पार्टियों के सदस्यों के साथ भेजे जाने वाले इस प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पाकिस्तान से निकलने वाले आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करना है। सूत्रों के मुताबिक सरकार इस मुद्दे को लेकर सभी पार्टियों से बातचीत कर रही है। सरकार का उद्देश्य सीमा पार से आने वाले आतंकवाद पर देश भर की पार्टियों को एक साथ लाने

का है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सरकार की तरफ से विदेश जाने वाला यह डेलीगेशन मुख्य तौर पर पांच उद्देश्यों पर अपना एजेंडा सामने रखेगा।

पहला उद्देश्य पाकिस्तान की तरफ से आने वाले आतंकवादियों का भारतीय नागरिकों और भारतीय फौज पर हमला करना, जिसकी वजह से ऑपरेशन सिंदूर की आवश्यकता पड़ी। दूसरा उद्देश्य इस बात पर जोर देना कि आतंकवाद के खिलाफ आखिरकार ऑपरेशन सिंदूर जैसी प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता क्यों पड़ी। तीसरा, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बात से अवगत कराना की अगर पाकिस्तान की तरफ से फिर कोई हरकत या आतंकी गतिविधि की जाती है तो भविष्य में भी ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा चौथा उद्देश्य, दुनिया के सामने इस बात को स्पष्ट तरीके से रखना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान केवल और केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया था। इसका पाँचवाँ उद्देश्य आतंकवाद को बढ़ाना देने में पाकिस्तान की भूमिका पर दुनिया के सामने प्रकाश डालना शामिल होगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी पार्टियों के सदस्यों को मिलाकर बनाए जाने वाला यह प्रतिनिधिमंडल विदेशी सरकारों, थिंक टैंकों और मीडिया आउटलेट्स के साथ बातचीत करेगा ताकि पाकिस्तान की धरती से लगातार पैदा हो रहे आतंकवाद को लेकर ऑपरेशन सिंदूर की आवश्यकता पर भारत की सोच को प्रदर्शित किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल की संरचना कैसी होगी इस पर फिलहाल विचार किया जा रहा है। क्योंकि सरकार सीमा पार से आने वाले आतंकवाद को लेकर सभी दलों के दृष्टिकोण को अपनाना चाहती है। अगर यह प्रतिनिधिमंडल विदेश जाकर सरकार और भारत के पक्ष की बातें रखता है तो इतिहास में यह पहली बार नहीं होगा कि विपक्षी सांसद देश की बात रखने के लिए सरकार के पक्ष में बात करेंगे।

मथुरा जेल में आईपीएल की तर्ज पर बंदियों के बीच हुई क्रिकेट चैंपियन लीग

नाइट राइडर्स बना विजेता

मथुरा , एजेंसी। बंदियों को शारीरिक स्वास्थ्य बनाने और मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने के लिए मथुरा जेल में कैदियों के बीच आईपीएल की तर्ज पर जेल प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में बंदियों की 8 टीम बनाई गईं। जिनके बीच 12 लीग मैच हुए। बुधवार को फाइनल मैच खेला गया। फाइनल में रोचक मुकाबले के बीच नाइट राइडर्स ने कैपिटल को हराकर विजेता बना। मथुरा जिला कारागार में अप्रैल माह में क्रिकेट चैंपियंस लीग प्रतियोगिता में शुरू हुई थी। लीग में कारागार की विभिन्न बैरकों की कुल आठ टीमें बनाई गई हैं। इसमें ग्रुप ए और बी में 4-4 टीम बनाई गईं। कुल 12 लीग मैच और दो सेमीफाइनल मैच हुए। उद्घाटन मैच टाइटंस टीम और रॉयल्स टीम के बीच खेला गया था। दोनों में रोचक मुकाबला हुआ था। टाइटंस टीम ने रॉयल्स टीम को हराकर बाजी मारी थी। लीग और सेमीफाइनल के बाद बुधवार को नाइट राइडर्स और कैपिटल टीम के बीच फाइनल मैच खेला गया। जेल अधीक्षक ने टॉस उछाल कर किया। रोचक मुकबले में नाइट राइडर्स ने कैपिटल टीम को हराकर विजेता बन गया है।

सीएम ने बिना सुने दिया जवाब, विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित बयान पर रामगोपाल की सफाई

लखनऊ, एजेंसी। विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित बयान पर मचे सियासी बवाल के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने शुक्रवार को सफाई दी है। उन्होंने सीएम योगी के ट्वीट पर जवाब देते हुए कहा कि आश्चर्यजनक

है कि पूरा बयान सुने बिना जवाब दे दिया है। उन्होंने कई आरोप भी लगाए हैं । शुक्रवार सुबह सोशल मीडियो साइट ऐक्स पर पोस्ट कर लिखा कि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में विशेषकर उत्तर प्रदेश में जहां धर्म, जाति और वर्ग देखकर लोगों पर फ़र्ज़ी मुकदमे लगाए जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर एनकाउंटर किये जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर गैंगस्टर लगा कर संपत्ति जब्त की जा रही हो, जाति धर्म और वर्ग देखकर महिलाओं पर अत्याचार किए जारहे हों। जाति-धर्म और वर्ग देख कर कर्मचारियों और अधिकारियों की पोस्टिंग्स की जातीं हो। ऐसी विकृत मानसिकता (corrupt mentality) के लोगों के वारे में कल मैंने एक कार्यक्रम में कहा था कि कर्नल सोफिया का धर्म नाम से पहचान लिए इसलिए गाली दी गई। विदेश सचिव मिस्त्री को गाली दीं गई।

अगर इन गाली वाजों को ये पता चल जाता की व्योमिका सिंह जाटव हैं और एयर मार्शल अवधेश भारती यादव हैं तो ये इन अफसरों को भी गालियां देने से बाज नहीं आते। मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जिस मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों पर अकल्पनीय अत्याचार हो रहे हों उन्होंने मेरा पूरा बयान बगैर सुने ही ट्वीट कर दिया। जिन मीडिया चैनलों ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी पर कब्जा कर लिया था उनसे मुझे कोई शिकायत नहीं क्योंकि उन पर सत्ता पक्ष के अलावा किसी को विश्वास नहीं। आपको बता दें कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव द्वारा गुरुवार को मुरादाबाद में विंग कमांडर व्योमिका सिंह को लेकर दिए बयान पर विवाद उठ खड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
National Health Mission
Government of Jharkhand
National Programme for Control of Blindness

मोतियाबिन्द

मोतियाबिन्द के लक्षण, उपचार एवं रोकथाम

मोतियाबिन्द के लक्षण

- दृष्टि में धुंधलापन या अस्पष्टता।
- बुजुर्गों में निकट दृष्टि दोष में निरंतर बढ़ोतरी।
- रंगों को देखने की क्षमता में बदलाव।
- रात में वाहन चलाने में दिक्कत आना।
- दिन के समय आँखें चौंधियाना।
- दोहरी दृष्टि (डबल विजन)।
- चश्मे के नंबर में अचानक बदलाव आना।

मोतियाबिन्द का उपचार

- मोतियाबिन्द का एक मात्र उपचार ऑपरेशन है।
- इस ऑपरेशन में आँख से धुंधला लेंस निकाल दिया जाता है और कृत्रिम लेंस लगाया जाता है।
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन सुरक्षित एवं सरल है।
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन किसी भी मौसम में करवा सकते हैं।

सभी सरकारी अस्पतालों में नेत्र जाँच एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है

मोतियाबिन्द की रोकथाम

- चालीस वर्ष के पश्चात नियमित रूप से आंखों की जांच कराएं।
- अपना वजन सामान्य बनाएं रखें।
- रंग–बिरंगे फलों और सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करें।
- धूम्रपान छोड़ें और शराब का सेवन कम से कम करें।

PR - 352448 (Health Med Edu and Family Welfare) 2025 - 26

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार
104 108

सीमाई विवाद से जयपुर के पर्यटन पर लगा ब्रेक, 80प्रतिशत बुकिंग्स रद्द!

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर, रंगीन संस्कृति और लुभावने पर्यटक स्थलों के लिए विश्वभर में मशहूर है, आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां पर्यटकों की संख्या में लगातार गिरावट देखी जा रही है। खासकर पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव का असर राजस्थान के पर्यटन उद्योग पर गहरा पड़ा है। राजस्थान का पर्यटन उद्योग, जो हमेशा से ही राज्य की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा रहा है, अब संकट का सामना कर रहा है।

राजस्थान के प्रमुख होटलों में इस समय 80 प्रतिशत बुकिंग्स रद्द हो चुकी हैं। होटल संचालक और ट्रैवल एजेंट्स अब इस स्थिति से जूझते नजर आ रहे हैं। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष हुसैन खान के मुताबिक, हमारे लिए यह समय बहुत कठिन है, क्योंकि लगभग 500 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। हम उम्मीद करते हैं कि स्थिति जल्द सामान्य होगी।

राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सन्नाटा सा पसरा है। जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर और जयपुर जैसे शहरों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है। विदेशी पर्यटकों की आवक तो लगभग आधी रह गई है, जबकि स्थानीय पर्यटकों की संख्या भी लगातार घट रही है। ये प्रभाव विशेष रूप से उन महीनों में देखा जा रहा है, जब राज्य में पर्यटन का ऑफ सीजन होता है यानी अप्रैल से लेकर सितंबर तक।

पहलगाम हमले के बाद से, जो कि एक बड़ा सुरक्षा संबंधित मामला था, पर्यटकों में असुरक्षा का अहसास बढ़ा है।